राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 जैक कैलिस को पीछे छोड़ कोहली सबसे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाने ...

अमेरिकी विदेश मंत्री से मिले जिनपिंग ... 12

वर्ष : 11 | अंक : 72 | पटना, शनिवार, 22 जुलाई, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 40°C

न्यूनतम तापमान 29.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	59,340
चांदी	55,350
सेंसेक्स	63,327
निफ्टी	18,816

जी-20 बैठक : पीएम बोलें- रोजगारों का सृजन करने में भारत की क्षमता बढ़ी है

बोलें- चौथी औद्योगिक क्रांति में प्रौद्योगिकी रोजगार की मुख्य प्रेरक शक्ति

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोजगार के आर्थिक और सामाजिक पहलुओं पर जोर देते हुए शुक्रवार को कहा कि दुनिया इस समय बड़े बदलावों की दहलीज पर खड़ी है तथा इनका सामना करने के लिए जवाबी एवं कारगर रणनीतियां तैयार करने की जरूरत है। श्री मोदी ने मध्यप्रदेश के इंदौर में आयोजित जी-20 श्रम और रोजगार मंत्रियों की बैठक को वीडियो संदेश के माध्यम से सम्बोधित करते हुए कहा कि चौथी औद्योगिक क्रांति के इस युग में रोजगार की मुख्य प्रेरक-शक्ति प्रौद्योगिकी है और भविष्य में भी बनी रहेगी। उन्होंने प्रौद्योगिकी के कारण होने वाले बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि रोजगारों का सृजन करने में भारत की क्षमता बढ़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरे परिवेश में यह बदलाव स्वतंत्र कामगारों और ठेके पर काम करने वालों तथा किसी एप्प या वेबसाइट के जरिये ग्राहकों के लिये काम करने वालों के नये वर्गों के पैदा होने के कारण संभव हुआ है। ये दोनों तरह की अर्थव्यवस्थायें महामारी के दौरान अस्तित्व में आई थीं। उन्होंने कहा कि यह लचीली व्यवस्था है और इससे आय के अतिरिक्त स्रोत मिलते हैं। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था में लाभप्रद रोजगार पैदा करने, खासतौर से युवाओं के लिये रोजगार पैदा करने की अपार क्षमता है। इसके जरिये महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण में भी बदलाव लाया जा सकता है। श्री मोदी ने नये युग के इन कामगारों के लिये नये युग की नीतियां

और योजनायें बनाने में अपनी क्षमता पहचानने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि नियमित काम के लिये अवसर पैदा करने के सतत समाधान खोजे जायें तथा सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कुशलक्षेम सुनिश्चित करने के लिये नये तौर-तरीके तैयार किये जायें। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में सामाजिक सुरक्षा के दायरे की सही तस्वीर समझने के लिये, सार्वभौमिक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, बीमा और पेंशन कार्यक्रमों के लाभों को ध्यान में रखना होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि हमें हर देश की अनोखी आर्थिक क्षमताओं, शक्ति और चुनौतियों को समझना होगा। हमें यह जानना होगा कि सबके लिये एकरूपी सोच सामाजिक सुरक्षा के अनवरत वित्तपोषण के लिये उपयुक्त नहीं है। उन्होंने उन्नत प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं के प्रयोग से श्रमशक्ति को कुशल बनाने पर जोर देते हुये कहा,ह्यस्किलिंग, री-स्किलिंग और अप-स्किलिंग भावी श्रमशक्ति का मूलमंत्र है। उन्होंने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना का भी उदाहरण दिया। श्री मोदी ने कहा कि भारत के पास विश्व में कुशल श्रमशक्ति के सबसे बड़े प्रदाता देशों में से एक बनने की क्षमता है तथा वैश्विक रूप से चलित श्रमशक्ति भविष्य में वास्तविकता बन जायेगी। उन्होंने विकास के वैश्वीकरण तथा सच्चे अर्थों में कौशल को साझा करने में जी-20 की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिये अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और समन्वय तथा प्रवास और एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के बारे में साझेदारियों के नये तौर-तरीकों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शुरूआत में नियोक्ताओं और कामगारों के बारे में आंकड़ों, सूचना और डाटा को साझा किया जाना चाहिये, जिससे बेहतर कौशल निर्माण, श्रमशक्ति योजना और लाभप्रद रोजगार के लिये प्रमाण-आधारित नीतियां बनाने में दुनिया भर

मुख्यमंत्री ने अल्प वर्षापात से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की, किसानों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का दिया निर्देश

किसानों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराएं : नीतीश

मुख्य बिंदु :

- कृषि कार्य हेतु किसानों को डीजल अनुदान उपलब्ध कराएं
- कृषि कार्य हेतु 12 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराएं

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को 1 अणे मार्ग स्थित संकल्प में अल्प वर्षापात से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की और किसानों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का अधिकारियों को निर्देश दिया। बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराएं ताकि उन्हें कृषि कार्य में सहूलियत हो। संसाधनों की कमी नहीं होने दी जाएगी। राज्य के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है। राज्य के 75 प्रतिशत लोगों की आजीविका का आधार कृषि है। मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि कृषि कार्य हेतु किसानों को डीजल अनुदान उपलब्ध करायें। साथ ही कृषि कार्य हेतु 12 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करायें। जल संसाधन विभाग नहरों के अंतिम छोर तक कृषि कार्य हेतु पानी पहुंचाना सुनिश्चित करे और लगातार इसकी मॉनीटरिंग करे। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव की अध्यक्षता में क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप की सप्ताह में होनेवाली बैठक नियमित रूप से हो और हर स्थिति पर नजर बनाए रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन हरियाली अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों के क्रियान्वयन की सतत निगरानी करते रहें। लोगों के लिए पेयजल की उपलब्धता हमेशा रहे, यह सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी संबद्ध विभाग पूरी तरह अलर्ट रहे। धान रोपनी समय पर हो जाए, इसके लिए जल संसाधन विभाग एवं लघु जल संसाधन विभाग सिंचाई हेतु आवश्यक प्रबंध करे। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भी स्थिति पर नजर बनाये रखे।

ये रहें मौजूद : बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष उदयकांत मिश्रा, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य पीएन राय, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य मनीष कुमार वर्मा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, पथ, स्वास्थ्य एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, वित्त विभाग के प्रधान सचिव अरविंद कुमार चौधरी, ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव संजीव हंस, कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्यपदाधिकारी गोपाल सिंह सहित अन्य वरीय पदाधिकारीगण एवं भारत मौसम विज्ञान के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

राज्य में सामान्य से 48 प्रतिशत कम बारिश

बैठक में मुख्यमंत्री को भारत मौसम विज्ञान के प्रतिनिधि ने राज्य में वर्षापात की स्थिति की जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष जून माह में 85 मिलीमीटर वर्षापात दर्ज किया गया जो सामान्य वर्षापात 163.3 मिलीमीटर से 48 प्रतिशत कम है। 1 जुलाई से 21 जुलाई की अवधि में 152.30 मिलीमीटर वर्षापात दर्ज किया गया जो इस अवधि के लिए निर्धारित सामान्य वर्षापात 242.4 मिलीमीटर से 47 प्रतिशत कम है। 1 जून से 21 जुलाई तक की अवधि में 238.3 मिलीमीटर वर्षापात दर्ज किया गया जो सामान्य वर्षापात 405.7 मिलीमीटर से 41 प्रतिशत कम है। उन्होंने बताया कि 21 जुलाई से 27 जुलाई के बीच हल्की बारिश की संभावना है। बैठक में आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि अब तक चार जिले- बक्सर, किशनगंज, भागलपुर एवं अररिया में सामान्य वर्षापात (-19 से $ 19 प्रतिशत तक विचलन) हुई है जबकि 26 जिले- सीवान, सुपौल, रोहतास, अरवल, कटिहार, भोजपुर, औरंगाबाद, बांका, लखीसराय, भभुआ, मधुबनी, गया, जमुई, दरभंगा, शेखपुरा, वैशाली, मधेपुरा, पूर्णिया, नवादा, जहानाबाद, खगड़िया, मुंगेर, पटना, नालंदा, गोपालगंज एवं मुजफ्फरपुर में सामान्य से कम वर्षा (-20 से -59 प्रतिषत तक विचलन) हुई है जबकि राज्य के 8 जिले- समस्तीपुर, सहरसा, सारण, बेगूसराय, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर एवं सीतामढ़ी में अल्प वर्षापात (-60 से -99 प्रतिषत तक विचलन) की स्थिति रही है। उन्होंने जिलावार वर्षापात के विचलन की स्थिति, धान के बिचड़े का आच्छादन, धान की रोपनी का आच्छादन और मक्के की बुआई की स्थिति की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने 34 अग्निशमन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

- 5 हजार लीटर वाटर टैंक क्षमता होने से कार्य क्षमता में और वृद्धि होगी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को बिहार अग्निशमन सेवा के सुदृढ़ीकरण हेतु राज्य के अग्निशामालयों के लिए 34 अग्निशमन वाहनों को मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद भवन के सामने बने मंच से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बिहार की जनता के लिए आपातकालीन सेवा के रूप में बिहार अग्निशमन सेवा द्वारा अपने उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से अग्नि से सुरक्षा एवं बचाव के कार्य लगातार किये जा रहे है। प्रभावी अग्निशमन कार्य को और बेहतर ढ़ंग से क्रियान्वित करने के लिए आज 34 अग्निशमन वाहनों को रवाना किया गया। ये अग्निशमन वाहन 5 हजार लीटर वाटर टैंक क्षमता के है। इन वाहनों में 72 प्रकार के उपकरण लगे हैं जिनका आवश्यकतानुसार अग्निशमन कर्मी अग्निकांड की स्थिति में उपयोग करेंगे। इन अग्निशमन वाहनों को बिहार अग्निशमन सेवा में सम्मिलित किये जाने से कार्य क्षमता में और वृद्धि होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को पुलिस महानिदेशक, गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवायें शोभा अहोतकर ने हरित पौधा भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बिहार अग्निशमन सेवा के बहुआयामी विकास एवं उपलब्धियों पर आधारित एक बुकलेट का विमोचन किया। कार्यक्रम में बिहार विधान परिशद् के सभापति देवेश चन्द्र ठाकुर, भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी, विधि मंत्री शमीम अहमद, श्रम संसाधन मंत्री सुरेन्द्र राम, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री रत्नेश सादा, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष उदय कांत मिश्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी, पुलिस महानिदेशक आरएस भट्टी, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव सह मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, सचिव, गृह के सेंथिल कुमार, पुलिस महानिदेशक, गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवायें शोभा अहोतकर, पुलिस महानिदेशक, बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम विनय कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, विशेष सचिव, गृह केएस अनुपम, पटना के जिलाधिकारी चन्द्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री ने खड़गे को जन्मदिन की दी बधाई

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें दी है। मुख्यमंत्री ने उनके स्वस्थ एवं सुदीर्घ जीवन की कामना की है।

मोदी, राहुल व प्रियंका ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को जन्मदिन पर बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को उनके 81वें जन्मदिन पर शुक्रवार को बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, श्री मल्लिकार्जुन खरगे को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं। ईश्वर उन्हें दीघार्यु और स्वस्थ जीवन दें। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी की शुभकामना के लिए उनका आभार जताया। कर्नाटक के दलित नेता खरगे एक साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं और उन्होंने पार्टी में तथा अपने गृह राज्य और केंद्र में सरकारों में कई पदों पर महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। वह दो दशक बाद पहले ऐसे कांग्रेस अध्यक्ष बने जो गांधी परिवार से नहीं हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने खड़गे को जन्मदिन पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। गांधी ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे जी को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ। आपकी कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता हम सबके लिए प्रेरणा है। आपके लिए ढेर सारा प्रेम व्यक्त करते हुए अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। श्रीमती वाड्रा ने कहा ह्लकांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामनाएं।

चर्चा नहीं, केवल राजनीति चाहता विपक्ष : राजनाथ

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि विपक्षी दल मणिपुर को केवल राजनीतिक मुद्दा बनाना चाहते हैं और इस पर चर्चा नहीं चाहते। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने पर मणिपुर मुद्दे पर चर्चा की मांग करते हुए विपक्ष ने प्रश्नकाल स्थगित करने की मांग की। अध्यक्ष ओम बिरला के कहने पर सत्ता पक्ष की ओर से केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने एक बार फिर आश्वासन दिया कि सरकार मणिपुर पर चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि मणिपुर की घटना बेहद संवेदनशील है और प्रधानमंत्री ने स्वयं इसकी निंदा करते हुए कठोर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इसके बावजूद विपक्षीदल मणिपुर पर चर्चा नहीं करना ही नहीं चाहते। लोकसभा अध्यक्ष ने भी कहा कि संसदीय कार्यवाही में प्रश्नकाल महत्वपूर्ण समय है। प्रश्नकाल होने दिया जाए।

ई-नीलामी के द्वारा गेहूं व चावल की होगी बिक्री

पटना। भारतीय खाद्य निगम खुली बिक्री योजना के माध्यम से समय पर पूर्व निर्धारित कीमतों पर उपलब्ध स्टॉक से गेहूं व चावल की बिक्री कर रहा है ताकि बाजार में गेहूं व चावल की आपूर्ति में वृद्धि हो सके एवं कीमतों पर नियंत्रण रखा जा सके। भारत सरकार ने भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से गेहूं व चावल की बढ़ती कीमतों को कम करने हेतु सेंट्रल पूल के स्टॉक से फ्लोर मिलर्स, गेहूं, उत्पादों के निमाताओं, गेहूं प्रोसेसर व अंतिम उपयोगकर्ता को ही ई-नीलामी के माध्यम से पूरे देश में गेहूँ एवं चावल की तय शुदा मात्रा (गेहूं 10 एमटी से 100 एमटी तथा चावल 10 एमटी से 1000 एमटी) को खुले बाजार में बिक्री करने के लिए फैसला किया है।

मानसून सत्र : विपक्ष के हंगामे के कारण लोस व रास की कार्यवाही बाधित

प्रात : किरण

नई दिल्ली/ एजेंसी। राज्यसभा में दिल्ली अध्यादेश से संबंधित विधेयक को अगले सप्ताह की कार्यसूची में शामिल किए जाने का आम आदमी पार्टी तथा कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने शुक्रवार को जोरदार विरोध किया जिसके चलते सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। सभापति जगदीप धनखड़ ने सुबह के स्थगन के बाद निजी विधेयकों से संबंधित कार्यवाही शुरू करने से पहले गुरुवार को हुई कार्य मंत्रणा समिति की बैठक के बारे में सदन को जानकारी दी और कहा कि बैठक में अगले सप्ताह की कार्य सूची में विभिन्न विधेयकों पर चर्चा के लिए समय का आवंटन किया गया है। उन्होंने जैसे ही दिल्ली अध्यादेश से संबंधित विधेयक का जिक्र किया आम आदमी पार्टी

के संजय सिंह और राघव चड्ढा तथा कांग्रेस के जयराम रमेश ने कहा कि बैठक में उन्होंने इस विधेयक को पेश ना किए जाने का विरोध किया था। इसी बीच विपक्षी दलों के सदस्य अपनी जगह पर खड़े होकर कुछ कहने लगे। सभापति ने कहा कि अगले सप्ताह की कार्य सूची सदन के पटल पर रखी जा रही है और इसके बाद उन्होंने कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी। हंगामे के चलते कार्यवाही स्थगित किए जाने के कारण राज्यसभा में लगातार दूसरे दिन शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं हो सका तथा मानसून सत्र के पहले दो दिन हंगामे की भेंट चढ़ गए। दूसरे दिन भी नहीं चली लोकसभा : लोकसभा में मणिपुर में हिंसा को लेकर कांग्रेस सहित विपक्षी दलों का भारी हंगामा शुक्रवार को भी जारी रहा, जिसके कारण सदन में कोई कामकाज नहीं हो पाया और सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। पीठासीन अधिकारी राजेंद्र अग्रवाल ने एक बार के स्थगन के बाद 12 बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की विपक्षी सदस्य हंगामा करते हुए एवं नारे लगाते हुए सदन के बीचो-बीच आ गये। श्री अग्रवाल ने जरूरी कागजात सदन के पटल पर रखवाए, लेकिन इस दौरान भी सदस्यों का हंगामा जारी रहा। हंगामे के बीच संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने दोहराया कि सरकार मणिपुर मुद्दे पर चर्चा चाहती, लेकिन विपक्ष इसके लिए तैयार नहीं है।

केंद्र की उपेक्षा के बावजूद बिहार में सबसे अधिक गरीबी घटी : बिजेन्द्र

प्रात : किरण

पटना। योजना एवं विकास मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि केंद्र की उपेक्षा के बावजूद बिहार में सबसे अधिक गरीबी घटी है। बिहार का गरीबी प्रतिशत 51.89 से घटकर 33.76 हो गया। उन्होंने कहा कि देश में सबसे अधिक 18.13 प्रतिशत गरीबी बिहार में घटी है। पूरे देश में 13.51 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आये, जिनमें बिहार के 2.25 करोड़ लोग शामिल हैं। यह पूरे देश की संख्या का 16.65 प्रतिशत है। नीति आयोग द्वारा वर्ष 2015-16 से 2019-21 तक की स्थिति पर जारी रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। शुक्रवार को प्रेस वार्ता में मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की उपेक्षा के बावजूद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में संपन्नता बढ़ी है। मंत्री ने कहा कि हमलोगों की मांग मानते हुए केंद्र अगर विशेष राज्य का दर्जा दे देता तो बिहार आज विकसित राज्यों की श्रेणी में खड़ा होता। लेकिन, दुर्भाग्य है कि बिहार की मांग पर केंद्र कुछ नहीं कर रहा है। विभाग के अपर मुख्य सचिव अरुनीश चावला ने कहा कि वर्ष 2015-16 में बिहार का गरीबी प्रतिशत 51.89 प्रतिशत था, जो घटकर 33.76 प्रतिशत हो गया है।

प्रधानमंत्री युवाओं को बांटेंगे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली। देशभर में 44 स्थानों पर आज रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। पीएमओ की तरफ से एक बयान में कहा गया, इस रोजगार मेले के अंतर्गत केंद्र सरकार के विभागों के साथ-साथ राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों में विभिन्न पदों पर भर्तियां हो रही हैं। पीएमओ की तरफ से कहा गया कि, प्रधानमंत्री मोदी 22 जुलाई को सुबह 10:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 70 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। इस अवसर पर वह युवाओं को संबोधित भी करेंगे।

बैठक | **पीएम मोदी व श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के बीच द्विपक्षीय शिखर बैठक में निर्णय हुए**

दीर्घकालिक आर्थिक साझीदारी स्थापित करेंगे भारत - श्रीलंका

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। भारत एवं श्रीलंका ने दीर्घकालिक आर्थिक साझीदारी के विजन के आधार पर आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग समझौता (ईटीसीए) करने, समुद्री, हवाई, ऊर्जा और जनता के बीच कनेक्टिविटी मजबूत बनाने के साथ पर्यटन, ऊर्जा, व्यापार, उच्च शिक्षा और कौशल विकास में आपसी सहयोग को गति देने का फैसला किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के बीच यहां हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय शिखर बैठक में ये निर्णय हुए। श्री मोदी ने श्रीलंका में रहने वाले तमिल समुदाय के हितों को भी मजबूती से उठाया। बैठक में दोनों देशों के बीच आर्थिक लेनदेन के लिए यूपीए की स्वीकार्यता, परस्पर व्यापार भारतीय रुपए में करने, भारत से श्रीलंका तक पेट्रोलियम पाइपलाइन बिछाने और यात्री नौका सेवा शुरू करने सहित कई समझौतों पर हस्ताक्षर किये गये। भारत एवं श्रीलंका के बीच एक पुल बनाने की व्यवहार्यता का भी अध्ययन करने का फैसला लिया गया हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया कि यह पुल धनुष्कोटि से पौराणिक रामसेतु के मार्ग पर बनाने का प्रस्ताव या कहीं अन्य। पर्यटन में वृद्धि के लिए जागरूकता बढ़ाने और भारत के बौद्ध सर्किट एवं रामायण ट्रेल के साथ-साथ श्रीलंका में बौद्ध, हिंदू और अन्य धार्मिक पूजा के प्राचीन स्थानों को लोकप्रिय बनाने की भी बात कही गयी है। बैठक के बाद जारी एक संयुक्त वक्तव्य भी जारी किया गया। बाद में दोनों नेताओं ने प्रेस वक्तव्य दिये। श्री मोदी ने कहा पिछला

एक वर्ष, श्रीलंका के लोगों के लिए चुनौतियों से भरा रहा है। एक निकटतम मित्र होने के नाते, हमेशा की तरह, हम इस संकट के काल में भी श्रीलंका के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे। जिस साहस के साथ, इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना किया, उसके लिए मैं श्रीलंका के लोगों का ह्रदय से अभिनंदन करता हूं। श्री मोदी ने कहा कि हमारे संबंध हमारी सभ्यताओं की तरह ही प्राचीन भी है और व्यापक भी हैं। भारत की पड़ोसी प्रथम नीति और सागर विजन, दोनों में भी श्रीलंका का एक महत्वपूर्ण स्थान है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हमने श्रीलंका के प्रति भारत की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के आधार पर हमारी आर्थिक साझीदारी के लिए एक दृष्टि पत्र अपनाया है। यह दोनों देशों के लोगों के बीच समुद्री, हवाई, ऊर्जा और जनता के बीच कनेक्टिविटी को मजबूती देने के साथ साथ पर्यटन, विद्युत, व्यापार, उच्च शिक्षा और कौशल विकास में आपसी सहयोग को गति देने का विजन है। हमने तय किया है कि आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग समझौता (ईटीसीए) पर शीघ्र ही बातचीत शुरू की जाएगी। इससे दोनों देशों के लिए व्यापार और आर्थिक सहयोग की नई संभावनाएं खुलेंगी। हम भारत और श्रीलंका के बीच व्यापार और लोगों का आवागमन बढ़ाने के लिए हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाने पर सहमत हैं। तमिलनाडु के नागपट्टनम और श्रीलंका के कांकेसंतुरई के बीच यात्री नौका सेवा शुरू करने का निर्णय भी लिया गया है। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने अपने वक्तव्य में श्रीलंका के आर्थिक संकट के समय भारत द्वारा प्रदान की गयी सहायता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ह्लमैंने भारत के लोगों के लिए विकास और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक बुनियादी ढांचे और तकनीकी प्रगति में उनके नेतृत्व में भारत द्वारा की जा रही शानदार प्रगति के लिए प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी है। हमारा मानना है कि भारत की प्रगति पड़ोस और हिंद महासागर क्षेत्र के लिए फायदेमंद होगी।

संक्षिप्त खबरें

प्लेटफॉर्म पर पॉकेटमारी कर भागते हुए एक युवक गिरफ्तार

दानापुर। खगौल रेल पुलिस शुक्रवार को प्लेटफॉर्म नंबर 5 पर यात्री के सहयोग से एक पॉकेटमार को तीन मोबाइल फोन चोरी कर भागते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया जिसके पास तलाशी लेने पर तीन टच स्क्रीन मोबाइल फोन बरामद किया गया जीआरपी थाना प्रभारी रणधीर ने बताया कि एक युवक मोबाइल पॉकेटमारी कर भाग रहा था यात्री के सहयोग से उसे पकड़ा गया जब उसकी तलाशी ली गई तब उसके पास से तीन टच स्क्रीन मोबाइल पाया गया गिरफ्तार व्यक्ति विशाल कुमार उम्र 32 वर्ष पिता गुल्लू खलीफा खगौल लाख पर थाना फुलवारी का रहने वाला है चोरी का मामला दर्ज कर दिया गया है पूछताछ करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेजने दी गई है।

जालसाजों ने महिला के खाते से 70 हजार उड़ाए

फतुहा। शुक्रवार को महिला के खाते से जालसाजों द्वारा 70 हजार रुपए उड़ा लिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित महिला बरुणा गांव निवासी रंजय प्रसाद की सेविका पत्न ी कुमारी संध्या की माने तो प्रधान मंत्री किसान क्रेडिट योजना के तहत उनके मोबाइल पर एक कॉल आया और भेजे गये लिंक पर पैसे की भुगतान के लिए क्लिक करने को कहा। महिला बिना समझे बुझे भेजे गये लिंक पर क्लिक कर दिया। क्लिक करते ही उसके खाते से तीन बार सत्तर हजार रुपए निकल गये। हालांकि महिला ने थाने में शिकायत दर्ज नही करायी है लेकिन साइबर सेल में शिकायत दर्ज करने की बात कही है।

राजद नेता मो कलीमुद्दीन ने ली अंतिम सांस

पटना सिटी। राजद के नेता, जेपी आंदोलनकारी एवं क्रांतिकारी नेता मोहम्मद कलीमउद्दीन का निधन शुक्रवार की सुबह उनके दादरमंडी स्थित आवास पर हो गया। अपराह्न लगभग दो बजे दादर मंडी मैदान में नमाजे जनाजा अदा की गई। जनाजे की नमाज दादर मंडी मस्जिद के इमाम जनाब मौलाना शहाबुद्दीन साहेब ने पढ़ाई। उसके बाद जनाजे को कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक किया गया। मरहूम राजद नेता कलीमुद्दीन अपने पीछे दो पुत्र और दो पुत्री छोड़ गए। उनके निधन पर राजद के प्रदेश महासचिव विनोद यादव, पूर्व पार्षद बलराम चौधरी, पूर्व पार्षद प्रतिनिधि राजू मेहता, राजू गुप्ता, पूर्व पार्षद महमूद कुरैशी, धर्मेंद्र प्रसाद मुन्ना, पूर्व पार्षद प्रतिनिधि मोहम्मद जावेद, पूर्व पार्षद लल्लू शर्मा, मो कलाम, मो मुख्तार, मो नियाज, आमिर नायर, माले नेता राम नारायण सिंह, हिदायत अहमद, दीपक चौधरी, मुन्ना जायसवाल, मो फैज, मो ताजू आदि पहुंच कर अंतिम दर्शन कर उनके निधन पर शोक जताया।

अपर मुख्य सचिव केके पाठक के द्वारा शाहपुर स्थित सियाराम सिंह यादव हाई स्कूल में किया गया औचक निरीक्षण

दानापुर। नगर के अंतर्गत शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक के द्वारा अधिकारियों को स्कूलों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया है। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक शुक्रवार को सुबह करीब 9.53 बजे शाहपुर स्थित सियाराम सिंह यादव हाई स्कूल में औचक निरीक्षण पहुंचे। करीब 45 मिनट तक स्कूल का बारिकी से साफ-सफाई और छात्रों की उपस्थिति पर उनके द्वारा दिशा-निर्देश दिए गए। श्री पाठक ने स्कूल के कक्षाओं का घूम-घूम कर निरीक्षण करते हुए मौजूद शिक्षकों व छात्रों से बातें की। स्कूल के लैब, शौचालय , पेयजल समेत का भी जायजा लिया। साथ ही जिला शिक्षा पदाधिकारी व प्रभारी प्राचार्य को दिशा-निर्देश दिये।

गेसिंग सेंटर पर पुलिस का शिकंजा गेसिंग कूपन समेत दो गिरफ्तार

दानापुर। पुलिस ने गेसिंग अड्डे पर छापेमारी अभियान चलाया .छापेमारी अभियान में पुलिस ने मार्शल बाजार मोड से दो गेसिंग बाज समेत गेसिंग कूपन व चार्ट बरामद किया है। प्रभारी थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिला कि बीबीगंज सराय के मस्जिद के पास गेसिंग कूपन काटने का धंधा चल रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मार्शल बाजार मोड से गेसिंग बाज मनोज कुमार व रवि शंकर को गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि वर्षों से तकियापर , बीबीगंज , सगुना गांधी मूर्ति के पास, बनपर टोली , गोलापर समेत अन्य जगहों पर गेसिंग कूपन काटने का धंधा चल रहा था। उन्होंने बताया कि नगर से गेसिंग कूपन काटने व स्मैक -गांजा तस्करी व बिक्री करने वाले पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

अध्यक्ष के बुलाई गई बैठक में चर्चा, निर्णय नहीं, अब कल होगी

सभा कक्ष में ताला बंद, आधा ताला कटने के बाद पुलिस ने रोका, दो थाना की पुलिस व एसडीओ के दूत पहुंच स्थिति को संभाले

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

लोगों से बात करते लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी

सभाकक्ष में लगे ताला को आधा काटा

महासचिव इंद्रजीत सिंह की तबीयत बिगड़ने से है लेटे

तख्तश्री हरिमंदिर जी प्रबंधक कमेटी की बैठक अध्यक्ष जगजोत सिंह के द्वारा शुक्रवार को बुलाई गई थी। मगर हंगामा, सभाकक्ष में तालाबंदी, ताला काटने, महासचिव की तबीयत बिगड़ने के बाद अध्यक्ष के चेंबर में बैठक हुई। हंगामे की सूचना पर चौक थाना के थाना अध्यक्ष गौरी शंकर गुप्ता, पुलिस पदाधिकारीगण, बल के अलावा खाजेकलां थाना के थानाध्यक्ष और बल भी यहां पहुंचे। डीएम के निर्देश पर एसडीओ गुंजन सिंह ने प्रतिनिधि के तौर पर लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी रियाज अहमद खां को भेजा। दरअसल कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही ने पत्र जारी कर 21 जुलाई को अपराह्न तीन बजे बैठक बुलाई थी।

बाद में उन्होंने कहा कि बैठक एक घंटे देर से चार बजे शुरू होगी। जब यह सब समय से बैठक के लिए सभाकक्ष में पहुंचे, तो वहां ताला बंद पाया। इससे बैठक में भाग लेने पहुंचे पदाधिकारी व सदस्यगण के साथ ही उनके साथ रहे लोग आक्रोशित हो गए। आनन-फानन में गेट पर लटक रहे ताला को करीब आधा काटा गया, मगर चौक थाना के एसआई रमेश कुमार एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं बल ने लोगों को ऐसा करने से रोका और कानून को हाथ में नहीं लेने की बात कही। इसके बाद पदाधिकारी व सदस्यगण अध्यक्ष के कक्ष में पहुंचे। यहां बैठक शुरू होने के पूर्व ग्रंथी अमरजीत सिंह ने अरदास किया। बैठक की अध्यक्षता जगजोत सिंह ने की। इस दौरान बैठक के एजेंडे पिछली हुई बैठक के कार्यवाही की पुष्टि, महासचिव इंद्रजीत सिंह के द्वारा बार-बार संविधान का उल्लंघन किए जाने के कारण उनके खिलाफ कार्रवाई करने पर विचार, तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के संविधान और उप नियमों, नियमों और विनियमों के अनुच्छेद 12 और 13, अनुच्छेद 4 के अनुसार तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के चुनाव पर विचार कर उचित कार्यवाही करने के लिए मंजूरी एवं अन्य अध्यक्ष की अनुमति से किया जाना था। स्थिति यह रही कि जब मीडियाकर्मी बैठक की तस्वीर लेने को गए, तब उन सबों को पदाधिकारी और सदस्यों के सहयोगियों ने फोटो लेने से रोक दिया। बैठक की समाप्ति के बाद अध्यक्ष जगजोत सिंह ने दूरभाष पर बताया कि बैठक में निर्धारित एजेंडे पर विचार-विमर्श किया गया है, मगर किसी कारण से बैठक रविवार तक के लिए टाल दिया गया है। अब बैठक रविवार को मध्याह्न 12 बजे से सभाकक्ष में होगी। अध्यक्ष के अनुसार बैठक में उनके अलावा कनीय उपाध्यक्ष गुरुविंदर सिंह, सदस्य राजा सिंह, डॉ गुरमीत सिंह, महेंद्रपाल सिंह ढिल्लन और हरपाल सिंह जौहल शामिल हुए।

बैठक में शामिल नहीं होने वाले को मनाया: एसडीओ के प्रतिनिधि के तौर पर यहां पहुंचे लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी रियाज अहमद खां महासचिव इंद्रजीत सिंह के कमरे में जाकर बात किए। दरअसल उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद निजी अस्पताल के चिकित्सक आकर उनके सेहत की जांच की और आराम करने के साथ ही कुछ दवाई भी सुझाए। यहां मौजूद कमेटी के वरीय उपाध्यक्ष लखविंदर सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष महाराजा सिंह सोनू, मेजर चावला, मनोहर सिंह बग्गा, सूरज सिंह नलवा, दीपक लांबा, लकी बग्गा आदि ने श्री खान को बताया कि तख्तश्री पटना साहिब के संविधान में बैठक बुलाए जाने के संबंध में पत्र निर्गत करने का अधिकार महासचिव के पास है, मगर अध्यक्ष ने उनके अधिकार का हनन करते हुए खुद से पत्र जारी किया, जो असंवैधानिक है। यही नहीं, अध्यक्ष के द्वारा एजेंडे में कमेटी के चल रहे चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने, इंद्रजीत सिंह को महासचिव के पद से हटाए जाने आदि को लेकर एक साजिश के तहत बैठक बुलाई है, जो बिल्कुल अवैधानिक है। एक तो कमेटी का कार्यकाल 14 जुलाई को पूरा हो चुका है। इसके बाद कमेटी के पदाधिकारियों और सदस्यों का काम रूटीन वर्क और चुनाव से संबंधित कार्यों को ही निबटाना है। इससे हट कर कमेटी के पदाधिकारीगण या सदस्य कोई भी बड़ा फैसला नहीं ले सकते हैं। अब कोई भी बड़ा फैसला लेने का अधिकार नई गठित कमेटी को होगा। इसके पूर्व महासचिव इंद्रजीत सिंह ने अध्यक्ष को पत्र जारी कर बुलाई गई बैठक को स्थगित करने और बैठक को लेकर विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने को लेकर पटना के डीएम, एसएसपी और संबंधित अधिकारी पदाधिकारियों को पत्र भी भेजा गया था।

संविधान का हवाला देते हुए अध्यक्ष से बैठक रद्द करने को कहा

तख्त श्री कमेटी का कार्यकाल पूरा कोई भी बड़ा निर्णय लेने के बजाए रूटीन कार्य निबटाना जरूरी

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

तख्तश्री हरिमंदिर जी प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष ने 20 जुलाई की रात करीब नौ बजे बैठक की सूचना महासचिव को उनके व्हाट्सएप पर भेजा। महासचिव इंद्रजीत सिंह ने इस संबंध में पत्र शुक्रवार को पूर्वाह्न में अध्यक्ष को जारी किया। इसमें उन्होंने कहा है कि 20 जुलाई की रात करीब नौ बजे पता चला कि आपने 16 जुलाई की पिछली तारीख में तपस/4964/ए/23 जारी किया है। यह चल रही चुनाव प्रक्रिया को रोकने के लिए दुर्भावना से प्रेरित और खुद को संतुष्ट करने के इरादे से किया गया है। आपकी जानकारी में है कि हम सभी बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार के चार जुलाई, 23 को जारी पत्रांक 1243 के आधार पर वोटर लिस्ट तैयार करने में लगे हुए हैं, जो अंतिम चरण में है। आप यह भी जानते हैं कि वर्ष सीडब्ल्यूजेसी संख्या 18827/2008 में पटना उच्च न्यायालय के आदेश के तहत चुनाव की प्रक्रिया बिहार राज्य चुनाव प्राधिकरण को सौंपी गई है।

ऐसे में आपके द्वारा 21 जुलाई को आहूत अवैध बैठक के संबंध में कहना है कि संविधान के अनुच्छेद 23 और उप नियम यह अधिकार देता है कि केवल महासचिव ही बैठक बुला सकते हैं। पत्र में आपके द्वारा उल्लिखित एजेंडा आइटम चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने के आपके इरादे को दशार्ता है। इससे तख्तश्री कमेटी कार्यालय परिसर में कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा हो सकती है। यहां यह भी उल्लेख करना जरूरी है कि सदस्यों और समिति का कार्यकाल 14 जुलाई, 23 को समाप्त हो गया है। इसलिए हम सबों को चुनाव से संबंधित मामले को स्वीकार करते हुए कोई बड़ा निर्णय नहीं लेना चाहिए।

आपसे अनुरोध करते हैं कि 21 जुलाई को अधोहस्ताक्षरी से चर्चा किए बिना और उप नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए बुलाई गई बैठक को रद्द कर दें। पत्र की प्रतिलिपि पटना के जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह संरक्षक तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब, बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार के सचिव, तख्तश्री कमेटी के अध्यक्ष और सभी सदस्यों को भेजी गई है। वहीं इस बैठक के बाबत सूचना मिलने के संबंध में जब वरीय उपाध्यक्ष लखविंदर सिंह से बात की गई, तो उनका कहना था कि उन्हें शुक्रवार की सुबह सहायक प्रबंधक पपिंदर सिंह ने व्हाट्सएप भेजा। जब उनकी नजर उस पर गई, तो उन्होंने पपिंदर सिंह को कॉल कर ऐसा किए जाने के बाबत पूछा। तब उसने डिलीट कर दिया। इसके बाद पत्र लेकर उनसे रिसीव कराने को पहुंचे। मगर उन्होंने पत्र को प्राप्त किए बिना उस पर अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए लौटा दिया। दिल्ली में रहे सरदार चरणजीत सिंह से बात की गई, तो उनका कहना था कि उन्हें 21 जुलाई को होने वाली बैठक के संबंध में न तो कोई सूचना भेजी गई है और न ही कॉल कर बताया गया है। जब कमेटी के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को बैठक की पूरी सूचना ससमय नहीं दी जाए, तो वह बैठक अवैध मानी जाती है।

रिक्विजिशन मीटिंग बुलाना संभव नहीं, कमेटी का कार्यकाल पूरा

चुनाव प्राधिकार के दावा/आपत्ति का काम आज पूरा होने के साथ 26 को वोटर लिस्ट सौंपना जरूरी

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

प्रबंधक कमेटी
PRABANDHAK COMMITTEE
100th Place of Sri Guru Gobind Singh Ji Maharaj
TAKHAT SRI HARMANDIR JI, PATNA SAHIB

तख्तश्री हरिमंदिर जी प्रबंधक कमेटी का कुछ एजेंडों पर संविधान के अनुच्छेद 25 और तख्तश्री पटना साहिब के उपनियमों के तहत बैठक बुलाने के लिए महेंद्रपाल सिंह ढिल्लन एवं अन्य ने हस्ताक्षरयुक्त आवेदन महासचिव को सौंपा था। छह जुलाई को लिखा पत्र 11 जुलाई को कार्यालय में प्राप्त हुआ। महासचिव इंद्रजीत सिंह ने सदस्य महेंद्रपाल सिंह ढिल्लन को शुक्रवार को भेजे गए पत्र में कहा कि आपके द्वारा सौंपे गए पत्र में अनेक विसंगतियां और कारणों से बैठक नहीं बुलाई जा सकती है। भेजे गए पत्र में भी कारण बताया गया है। इसमें कहा गया है कि आवेदन पर प्रबंधक कमेटी के चार सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। आपके पत्र में कोई निश्चित उद्देश्य नहीं बताया गया है, बल्कि आपने बैठक में चर्चा के लिए पत्र में पांच एजेंडा का उल्लेख किया है। आप भली-भांति जानते हैं कि प्रबंधक कमेटी के नए सिरे से गठन के लिए संविधान के अनुच्छेद 12 और 13 के प्रावधान और तख्त साहिब के उपनियमों के अनुसार बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार और तख्तश्री कमेटी मतदाता सूची तैयार करने के अंतिम चरण में है।

संविधान के अनुच्छेद 8 एवं 16 के अनुसार कमेटी एवं सदस्यों का कार्यकाल 14 जुलाई, 23 को समाप्त हो गया है। तख्त साहिब में सेवा देखने के हमारे अधिकार को केवल चुनाव से संबंधित, रोजमर्रा की समस्या और कार्य को हल करने तक ही सीमित किया जाना चाहिए। महासचिव ने सदस्य एमपी ढिल्लन से अनुरोध किया है कि बिहार राज्य चुनाव प्राधिकरण के निदेर्शानुसार 26 जुलाई से पहले मतदाता सूची तैयार करने और अंतिम रूप देने में सहयोग करें। प्रबंधक कमेटी के सदस्यों और पदाधिकारियों के रूप में हम संविधान के प्रावधान 12 और तख्त के उप नियमों के अनुपालन में चूक कर रहे हैं। मतदाता सूची का रखरखाव कमेटी द्वारा किया जाएगा और उक्त नामावली चुनाव से तीन महीने पहले तैयार रखी जाएगी। उपरोक्त कारणों को देखते हुए महासचिव के लिए कुछ सदस्यों द्वारा अधियाचना बैठक बुलाना असंभव है। आप सभी से मतदाता सूची को पूरा करने और पूरी ताकत के साथ नई कमेटी के गठन में सहयोग करने का अनुरोध करते हैं। इस कारण से कुछ सदस्यों के द्वारा रिक्विजिशन मीटिंग बुलाने के पत्र को खारिज किया जाता है।

बन रहे दीघा-दीदारगंज एलिवेटेड का लेग कंगन घाट में गिराया

अशोक राजपथ से संपर्क नहीं, निजी रैयतदार की जमीन बाधक

आनंद केसरी

पटना सिटी। गंगा किनारे वैसे तो भद्र घाट से लेकर पटना घाट के बीच सड़क बनी है, जो जमीन पर है। वहीं दूसरी ओर दीघा से लेकर दीदारगंज के बीच एलिवेटेड रोड बन रहा है। इसमें कंगन घाट तक काम लगभग पूरा हो चुका है। हालांकि पिछले दिनों मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा इसका निरीक्षण भी किया गया। इस दौरान गांधी मैदान से गायघाट तक एलिवेटेड रोड को वाहनों के परिचालन के लिए चालू कर दिए जाने की बात कही गई थी। वैसे प्रशासनिक हलकों में इस बात की चर्चा है कि अगस्त माह में गांधी मैदान से गायघाट के बीच एलिवेटेड रोड पर वाहनों का परिचालन शुरू कर दिया जाएगा। इधर गायघाट के बाद एक लेग कंगन घाट में गिरने के बाद इसे लाया चौक थाना अशोक राजपथ से मिलाया जाना है। इसे लेकर निर्माण कर रही एजेंसी ने कंगन घाट में लेग पुल से रोड को दक्षिण की ओर गिराने के बाद पश्चिम की ओर मुड़ते हुए फिर दक्षिण की ओर लाकर गंगा किनारे बने रोड के पास तक पिचिंग का काम पूरा कर लिया है। अब समस्या यहां पैदा हो रही है कि यहां से रोड को पार करते हुए वाया चौक थाना से होते हुए अशोक राजपथ में मिलाना है। मगर वहां पर है मंदिर के पास गड्ढा कर दिया गया है और आगे में दीवार खड़ी कर दी गई है। दरअसल उक्त रास्ते में निजी जमीन पड़ने के बाद बार जबरदस्ती प्रशासन ने 350वां प्रकाश पर्व के दौरान रास्ता बनाने के लिए ले लिया था। बाद में रैयतदार ने कागज के आधार पर पटना हाईकोर्ट में मामला दायर किया गया, जिसमें उसके पक्ष में आदेश आया। इसके बाद वैशाली जिला प्रशासन के द्वारा उक्त आदेश के आलोक में पटना के डीएम और एसएसपी से पत्राचार करने के बाद अंततः कोर्ट के आदेश अनुसार रैयतदार को जमीन पर कब्जा दिला दिया गया। इसके बाद से नया बने कंगन घाट गुरुद्वारा के पूरब की ओर जो रास्ता बनाया गया था, वह अब वाहनों के परिचालन के लिए बंद हो चुका है। ऐसे में अब शासन प्रशासन के पास एकमात्र विकल्प यह है कि उक्त रास्ते में पड़ने वाले निजी जमीन के मालिकों से बात करने के बाद उसे अधिग्रहण करते हुए मुआवजा दिया जाए। यही नहीं, चौक थाना के उत्तर की चहारदीवारी से लेकर अशोक राजपथ तक जाने वाले मार्ग का चौड़ीकरण भी करना होगा। वहां पर तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब का अशोक राजपथ से लगे नया दर्शनी ड्योढ़ी है, तो बगल में सटे पूरब में मस्जिद है। यहां पर भी सड़क के चौड़ीकरण किए बिना वाहनों के दबाव को नियंत्रित करना यातायात पुलिस और पटना पुलिस दोनों के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। अब लोगों को इस बात का इंतजार है कि जल्द से जल्द जिस तरीके से अगले महीने गांधी मैदान से गायघाट तक एलिवेटेड रोड वाहनों के परिचालन के लिए शुरू होने वाला है, उसी तरह से कंगन घाट तक भी इस साल के अंत तक वाहनों का परिचालन शुरू होने की पूरी संभावना जगी है।

शिशु मृत्यु दर को कम करने में एसएनसीयू में बढ़ी सुविधाओं की असरकारी भूमिका

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। बिहार में शिशु मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आने में एसएनसीयू की बड़ी और असरकारी भूमिका है। सैंपल रजिस्ट्रेशन सर्वे(एसआरएस) की मई, 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2020 में बिहार का शिशु मृत्यु दर राष्ट्रीय औसत 28 से भी नीचे 27 पर रहा। राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी (शिशु स्वास्थ्य) डॉ बी पी राय बताते हैं कि एसएनसीयू में समुचित मानव संसाधन की तैनाती, आधारभूत संरचना के विकास, अनुश्रवण और रोगियों के देखरेख की व्यवस्था में आये तेजी से सकारात्मक बदलाव और उन्नयन ने इसे संभव बनाने में योगदान किया है। वर्ष 2008-09 में सूबे में एसएनसीयू (स्पेशल न्यू बोर्न केयर यूनिट) की स्थापना शुरू हुई। डॉ राय बताते हैं कि आज सूबे के लगभग सभी सदर अस्पतालों में यह ईकाई कार्यरत है। इसमें शून्य से लेकर 28 दिनों तक के गंभीर रूप से बीमार नवजातों को भर्ती कर उनका इलाज किया जाता है। डॉ राय ने बताया कि यहाँ ऐसे नवजातों के निःशुल्क इलाज के अलावा उनकी माता के लिए सुबह के नाश्ते के साथ दिन और रात के भोजन का निःशुल्क इंतजाम भी शामिल है। भोजन और नाश्ता अस्पताल में कार्यरत ह्लदीदी की रसोईह्व से मिलती है। डॉ राय ने बताया कि शिशु मृत्यु दर में कमी का यह अकेला कारण नहीं हैं। इसमें मातृ-शिशु स्वास्थ्य के लिए केंद्र और राज्य सरकार की कई अन्य योजनाएँ भी हैं, जिनके समन्वित प्रयास से बिहार इस उपलब्धि तक पहुंच पाया है।

डॉ राय बताते हैं कि एसएनसीयू की सुविधा को निरंतर बेहतर किया गया है। यहाँ कार्यरत चिकित्सकों एवं स्टाफ नर्स को नियमित अंतराल पर प्रशिक्षित किया जा रहा है। राज्य स्तर पर एक मॉनिटरिंग मोबाइल एप तैयार किया गया है। इससे क्षेत्र की रिपोर्ट, एसएनसीयू में रोज के शिशुओं के एडमिशन, उपचार, रेफरल, लामा (बिना चिकित्सीय परामर्श के शिशु को ईकाई से लेकर जाना) एवं मृत्यु के आंकड़ों का नियमित अनुश्रवण करना आसान हुआ है। उन्होंने बताया कि एसएनसीयू में कार्यरत स्वास्थ्यकर्मियों के लिए एसओपी तैयार किया गया है। इसमें मानक तय किये गए हैं और क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक को ईकाई का नियमित भ्रमण कर हर 15 दिन में सभी निर्धारित मानकों पर रिपोर्ट भेजी जानी है.

उपकरणों का रखा जा रहा ध्यान: राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार ने एसएनसीयू के उपकरणों की देखभाल और रखरखाव के लिए किर्लोस्कर इंडिया से करार किया है। अब किसी भी एसएनसीयू यूनिट में स्थापित उपकरणों की मेनटेनेंस एवं रिपेयर किर्लोस्कर इंडिया नियमित कर रही है। इससे वहाँ भर्ती शिशुओं को बेहतर उपचार मुहैय्या कराने में मदद मिल रही है। उल्लेखनीय है कि सैंपल रजिस्ट्रेशन सर्वे की मई, 2022 की रिपोर्ट कहती है कि बिहार ने शिशु मृत्यु दर में अपनी स्थिति में बड़ा बदलाव किया है। साल 2015 में प्रति एक हजार जीवित जन्म में शिशु की मौत की संख्या 42 थी। इसके बाद से इसमें निरन्तर कमी आयी। साल 2016 में यह आँकड़ा घटकर 38 पर आया तो 2017 में 35, 2018 में 32, 2019 में 29 और वर्ष 2020 में घटकर 27 पर आ गया। यहाँ ध्यान देने की बात है कि वर्ष 2020 में जब बिहार में शिशु मृत्यु का आंकडा 27 पर पहुँचा तब राष्ट्रीय शिशु मृत्यु दर 28 था। यानी बिहार इस मामले में राष्ट्रीय औसत से भी नीचे आ गया।

दानापुर मंडल रेल प्रबंधक बनाए गए जे के चौधरी

प्रात : किरण संवाददाता

दानापुर(खगौल शुक्रवार 21 तारीख को जयंत कुमार चौधरी ने पूर्व मध्य रेल, दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक के रूप में, निवर्तमान मंडल रेल प्रबंधक, प्रभात कुमार से कार्य भार ग्रहण कर लिए हैं। 1993-बैच के भारतीय रेल अभियंत्रण सेवा के अधिकारी हैं। प्रशिक्षण के उपरान्त श्री चौधरी ने सर्वप्रथम पुर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में सहायक मंडल अभियंता पश्चिम गोरखपुर के रूप में अपनी सेवा शुरू की थी। आपको भारतीय रेलवे में अनेक महत्वपूर्ण पदों पर कार्य का अनुभव प्राप्त है यथा मंडल अभियंता समस्तीपुर मंडल

उप मुख्य अभियंता निर्माण गोरखपुर, राँची, मुँगेर, हजारीबाग एवं पटना तत्पश्चात प्रतिनियुक्ति पर महाप्रबंधक राईट्स, लखनऊ एवं मुख्य परियोजना प्रबंधक रेल विकास निगम लिमिटेड, लखनऊ मे अपनी सेवा दे चुके हैं। दानापुर मंडल में योगदान से पूर्व अपर मंडल रेल प्रबंधक इन्फ्रा उत्तर रेलवे, लखनऊ में पदस्थापित थें। श्री चौधरी M.N.NIT से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक हैं। पदभार ग्रहण करने के पश्चात आपने मंडल के समस्त विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर, मंडल में रेल से सम्बन्धित चल रहे विभिन्न विकास कार्यो एवं परियोजनाओं की विस्तार पूर्वक जानकारी लेते हुए, इनकी समीक्षा की साथ ही संरक्षा, समय पालन एवं सुरक्षा तथा आधारभूत संरचना को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखते हुए; समस्त रेल कार्यो को सुगम एवं पारदर्शी कार्य पद्धति का अनुसरण करते हुए संपन्न करने पर बल देते हुए अपनी प्राथमिकता जतायी।

मुहर्रम पर सिपहर-ताजिया बैठाने वाले दो दिन में लाइसेंस को दे आवेदन

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी। दो दिनों में अपने अखाड़े का लाइसेंस के लिए आवेदन दे दें। इसके बाद आवेदन देने पर लाइसेंस निर्गत नहीं किया जाएगा। खलीफा के साथ 20 सदस्यों का नाम, आधार कार्ड लाइसेंस के साथ देना होगा। अखाड़ा निकालने के लिए लाइसेंस में दिए गए सभी शर्तो का पालन करना होगा। अखाड़ा में डीजे पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। फिर भी कोई अखाड़ा शामिल करेगा, तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

'अखाड़ा जाने के रास्ते में लटकते हुए बिजली के तार एवं नमामि गंगे सीवरेज योजना के तहत बनाए गए ड्रेनज को दुरुस्त किया जाएगा। अखाड़ा में शामिल झंडा बिजली के तार में सटने पर कुछ देर के लिए बिजली आपूर्ति बाधित की जा सकता है। किसी भी अखाड़ा में भड़काऊ नारा एवं अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। पहलाम के पहले और दूसरे दिन तक सभी तीन अस्थायी थाना के साथ मोहल्ले के चौक-चौराहे एवं गलियों में पुलिस बल की चौकसी और तैनाती रहेगी। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, एनएमसीएच, एसजीजीएस सदर अस्पताल, एम्बुलेंस हर स्थिति से निबटने को तैयारी स्थिति में रहेगा। पानी का टैंकर एवं बिजली की निर्बाध आपूर्ति की जाएगी। यह बात

मुहर्रम को लेकर गुलजारबाग स्टेडियम में अनुमंडल स्तरीय शांति समिति एवं सभी थाना क्षेत्र में स्थापित होने वाले ताजिया एवं अखाड़ा के खलीफा की आयोजित बैठक में एसडीओ गुंजन सिह और एएसपी शरथ आरएस कहीं। बैठक में पार्षद ज्योति रंजन दास उर्फ बैजू लाल दास, पूर्व पार्षद बलराम चौधरी, धर्मेंद्र कुमार मुन्ना, विनय केसरी, गणेश कुमार, चुन्नू चंद्रवंशी, मुन्ना सरकार, संजय मालाकार, बाबू भाई, रामजी योगेश, अली इमाम, हेदायत अहमद, सैयद फिरोज अहसन आदि उपस्थित थे।

नगर निगम बांकीपुर अचंल के ईओ राकेश कुमार, गुलजारबाग विद्युत कार्य प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता मो सज्जाद अंसारी एवं थाना के अध्यक्षगण मौजूद थे।

मणिपुर हिंसा पर माले का आक्रोश मार्च, जलाया पुतला

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। भाकपा माले की पटना साहिब कमेटी की ओर से मणिपुर हिंसा और गैंगरेप पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग को लेकर शुक्रवार आक्रोश मार्च निकाला गया। श्री गुरु गोविंद सिंह पथ से निकल कर यह शहीद भगत सिंह चौक पहुंचा। यहां पर आयोजित सभा में वक्ताओं ने कहा कि केंद्र सरकार 90 दिनों में हिंसा में जल रही मणिपुर में हिंसा रोकने में विफल रही है। नेताओं ने मणिपुर सरकार को बर्खास्त करने और अमित शाह को गृह मंत्री पद से मुक्त करने की मांग की है। इस दौरान प्रधानमंत्री का पुतला भी फूंका गया। आंदोलन में सचिव अनय मेहता, शंभूनाथ मेहता, नसीम अंसारी, राजेश कुशवाहा, महेश चंद्रवंशी, मुजफ्फर आलम, राखी मेहता, मिथिलेश सिंह, चंद्रभूषण शर्मा, सुरेंद्र प्रसाद, आत्मराम, डॉ अलीम अख्तर, श्रवण सिन्हा, बजरंगी प्रसाद, सीमा देवी, रामबाबू, महेंद्र यादव, मनोहर लाल, निर्मला देवी, रुबी खातून, सविता देवी, रेणु देवी, रूसी देवी, वीणा देवी, उमा यादव, लालबाबू रविदास, सुबोध मेहता, देवेंद्र सिंह, मोहन प्रसाद, सुमित कुमार, सुरेंद्र पासवान समेत अन्य माले नेता शामिल थे।

नगर प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने का कार्य शुक्रवार को भी जारी रहा

दानापुर। नगर परिषद प्रशासन की अतिक्रमण हटाओ टीम का अभियान चौथे दिन भी जारी रहा। दर्जनों पुलिस बल के साथ शुक्रवार को परिषद प्रशासन टीम ने सगुना मोड से हाथीखाना मोड तक सडक के दोनों किनारे से स्थायी व अस्थायी रूप से अतिक्रमण को जेसीबी मशीन ने ध्वस्त किया गया। 12 अतिक्रणकारी से 36 हजार पांच सौ रुपए का जुमार्ना वसूली किया गया। अभियान में अपर एसडीओ हर्ष प्रियदर्शी , परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी जगन्नाथ यादव व प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी राकेश कुमार के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। श्री यादव ने बताया कि सगुना मोड से हाथीखाना मोड तक सडक के दोनों किनारे अवैध रूप से गिट्टी व बालू रखकर अतिक्रमण करने वाले से जुमार्ना वसूला गया है। जेसीबी मशीन से हटाया गया है। उन्होंने बताया कि सडक किनारे स्थायी - अस्थायी रूप से झोपडी व गुमटी को जेसीबी मशीन से ध्वस्त किया गया है।

बेटियों के साथ अमानवीय व्यवहार काफी दुखद : अशोक

प्रधानमंत्री को मणिपुर जाकर शांति बहाली की पहल करनी चाहिए

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि मणिपुर की घटना से पूरा देश आक्रोशित है। भाजपा के लोग नारी सम्मान और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की बातें कहते हैं मगर उनकी सरकार में बेटियों के साथ जिस प्रकार का अमानवीय व्यवहार किया गया है वह काफी दुखद है। इस घटना पर मणिपुर के मुख्यमंत्री का बयान यह दशार्ता है कि उनकी संवेदनशीलता समाप्त हो चुकी है। विगत 2 महीने से मणिपुर में अशांति प्रकाष्ठा पर है। प्रदेश की सरकार स्थिति को नियंत्रित करने में पूरी तरह से विफल दिखाई दे रही है इसलिए प्रधानमंत्री जी को स्वयं मणिपुर में जाकर शांति बहाली की ओर प्रयास करना चाहिए ताकि मानवता की रक्षा हो सके। शुक्रवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित सुनवाई कार्यक्रम के बाद मुखातिब अशोक चौधरी ने कहा कि बिहार और देश की जनता अच्छे से जानती है कि भाजपा में कितने भ्रष्टाचारी और परिवारवादी नेता हैं। सदन में उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने भी विस्तार से भाजपा के परिवारवाद पर अपनी बात रखने का काम किया है। भाजपा में जो भी भ्रष्टाचारी जाते हैं उन्हें डिटर्जेंट पाउडर से धोकर सदाचारी बना दिया जाता है, महाराष्ट्र के जिन नेताओं पर भाजपा कभी भ्रष्टाचार के संगीन आरोप लगाती थी आज उन्हीं लोगों को मंत्रालय में शामिल कर लिया गया है। भ्रष्टाचार पर भाजपा के इस दोहरी नीति को जनता अच्छे से की समझ रही है। श्री अशोक चौधरी ने कहा कि भाजपा के नेताओं ने विजय सिंह के मृत्यु पर बिहार की जनता को बरगलाने का काम किया। सीसीटीवी फुटेज, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और प्रत्यक्षदर्शियों के कथनानुसार यही साबित होता है कि उनकी मौत लाठीचार्ज से नहीं हुई थी और भाजपा के लोगों को इस बात का भी जवाब देना चाहिए की जब जेएनयू में छात्रों पर लाठीचार्ज हुआ, एनआरसी और सीएए के विरोध में सड़क पर बैठी महिलाओं पर लाठीचार्ज हुआ और जब किसानों पर लाठीचार्ज हुआ तब जांच समिति का गठन क्यों नहीं गया था ? जब भाजपा की सरकार में लाठीचार्ज होता है तो उसे न्यायसंगत कहा जाता है मगर जब दूसरे पार्टी के सरकार में लाठीचार्ज किया जाता है तब उसपर जांच कमेटी गठित कर दी जाती है, यह दोहरापन नहीं चलेगा। बताते चलें कि शुक्रवार को जदयू मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान बिहार सरकार के भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी और विज्ञान व प्रौद्योगिक मंत्री सुमित कुमार सिंह ने सभी जिलों से पहुंचे आमलोगों की समस्याओं को सुनकर त्वरित समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

लाठीचार्ज : सिग्रीवाल के विशेषाधिकार हनन नोटिस स्वीकार

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार की राजधानी पटना में भाजपा नेताओं और कार्यकताओं पर 13 जुलाई को हुए लाठीचार्ज के दौरान सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल की पिटाई को लेकर सांसद द्वारा लोकसभाध्यक्ष को दिया गया विशेषाधिकार हनन एवं प्रोटोकॉल के उल्लंघन के मामले को स्वीकार कर लिया गया। सांसद सिग्रीवाल ने लोकसभाध्यक्ष को पत्र लिखकर कहा कि 13 जुलाई को बिहार प्रदेश भारतीय जनता पार्टी द्वारा बिहार सरकार के जनविरोधी कार्यकलापों के विरोध में गाँधी मैदान पटना से बिहार विधान सभा तक एक लोकतान्त्रिक एवं शांतिपूर्वक मार्च का आयोजन किया गया था। उन्होंने कहा कि मैं अनुशासित एवं शांतिपूर्ण ढंग से निर्धारित रूट के अनुसार धीरे-धीरे अपने कार्यकताओं एवं सुरक्षाकर्मियों के साथ गाँधी मैदान से जेपी गोलम्बर, एसपी वर्मा मोड़ होते हुए बाटा मोड़ से मुड़कर डाक बंगला चौराहा होकर बिहार विधान सभा तक मार्च के लिए निकला। इस मार्च के सभा के आयोजन हेतु जिला प्रशासन को जानकारी देकर लिखित सहमति पार्टी द्वारा प्राप्त कर ली गई थी तथा मार्च के रुटो के सम्बन्ध में भी भाजपा कार्यालय द्वारा प्रशासन को लिखित जानकारी दे दी गई थी। उपर्युक्त मार्च के क्रम में मौर्या होटल के बगल से फ्रेजर रोड पर चलते हुए सेन्ट्रल मॉल के सामने से डाक बंगला चौराहा तक मैं जैसे ही पंहुचा तो वहां उपस्थित

लोकसभाध्यक्ष ने नोटिस स्वीकार कर अग्रेतर कारवाई के लिए भेजा : सिग्रीवाल

तरफ दंडाधिकारी एवं से घोर पुलिस पदाधिकारियों के सामने ही मुझे जान से मारने और अपंग बनाने की नीयत से मेरे सिर (माथा पर) से लेकर पूरे शरीर पर पुलिस द्वारा लाठियों से हमला कर दिया गया।

इतना ही नहीं मेरे साथ जो कार्यकर्ता एवं सुरक्षाकर्मी थे, उनके द्वारा भी चिल्ला-चिल्लाकर लगातार बताये जाने के बाद कि ये सांसद हैं, फिर भी मुझ पर लाठियों से प्रहार जारी रहा। पत्र में साफ कहा गया है कि वहाँ से मैं किसी तरह बचकर अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ सड़क के दूसरी तरफ हटकर आ गया एवं डाक बंगला चौराहा के पश्चिमी उत्तरी सड़क के किनारे-अपने कार्यकताओं एवं सुरक्षाकर्मियों के साथ खड़ा था। इसी दौरान पुलिसकर्मियों ने मुझे चारों लिया एवं लाठी बरसाने लगे। ये अधिकारीगण पुलिस वालों को जोर-जोर से लाठी से सिर पर और कमर के ऊपर मारने के लिए आदेश दे रहे थे। इस बर्बर घटना में सामने से माथे पर लाठियों के प्रहार को रोकने के क्रम में मेरे माथे, दोनों हाथों, कन्धा, पीठ और पैर पर काफी गंभीर चोटें लगीं। मेरे ऊपर लाठी से इतना जबरदस्त हमला किया गया कि मैं गिर गया, गिरने के बाद भी पुलिस द्वारा मेरे ऊपर लगातार डंडा बरसाया जाता रहा। इस दमनकारी बर्बर घटना में किसी तरह मेरी जान बची। सिग्रीवाल ने बताया कि इस पत्र को लोकसभाध्यक्ष और विशेषाधिकार समिति ने स्वीकार कर लिया और अग्रेतर कारवाई के लिए भेजा गया।

बिहार अग्निशमन सेवा के बहुआयामी विकास एवं उपलब्धियों पर आधारित बुकलेट का विमोचन करते हुये मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। साथ में बिहार विधान सभा के सभापति देवेश चंद्र ठाकुर, भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी, विधि मंत्री शमीम अहमद, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री रत्नेश सादा रहें मौजूद। स्थान : मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद भवन के सामने।

सदाकत आश्रम में धूमधाम से मना कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का जन्म दिन

पटना। कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय सदाकत आश्रम में शुक्रवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक एवं अखिल भारतीय कांग्रेस के मछुआरा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एएफ रामेश्वरम ने केक काटकर जन्मदिन मनाया। और कांग्रेसजनों में मिठाईयाँ बांटी गयी। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डा अखिलेश प्रसाद सिंह ने दिल्ली से भेजे अपने बधाई संदेश में कहा कि खड़गे जीवन भर कांग्रेस के एक समर्पित सिपाही की तरह काम करते रहे और जो भी जिम्मेदारी मिली उसे पूरी सिद्दत से निभायी। एक दलित फैक्ट्री मजदूर के परिवार में पैदा होकर कांग्रेस जैसी ऐतिहासिक पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना एक महान उपलब्धि है, जो खड़गे जी की राजनीतिक दूर-दृष्टि एवं चिंतन की विलक्षण प्रतिभा का परिचायक है। वहीं पूर्व मंत्री श्री कृपानाथ पाठक ने कहा कि वे प्रखंड स्तर से उठकर भारत जैसे देश की सबसे पुरानी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद तक केवल अपने मेहनत,लगन, कांग्रेस के विचाराधारा के प्रति अपनी निष्ठा एवं राजनीतिक सोंच और दृष्टि के कारण पहुंच पाये। अखिल भारतीय कांग्रेस के मछुआरा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एएफ रामेश्वरम ने कहा कि खड़गे की सादगी और सामंजस्य स्थापित करने की कला उनको राजनीति में सबसे अलग करती है। वे एक महान दलित नेता हैं। इस अवसर पर पूर्व विधान पार्षद लाल बाबू लाल, ममता निषाद,अजय चैधरी, मृणाल अनामय, अश्विनी कुमार, राजेश मिश्रा, अजित शुक्ला, प्रदुम्न यादव, सुनैना झा, रूमा सिंह मौजूद थे।

लाठीचार्ज व शिक्षकों के मुद्दे पर प्रदर्शनी लगाकर हस्ताक्षर अभियान चलाएगी भाजपा

- भाजपा के डर से सभी मिले रहेंगे और भाजपा सबको हराएगी : सम्राट

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी अब पटना में नेताओं और कार्यकताओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में तथा शिक्षकों के मुद्दे पर हस्ताक्षर अभियान चलाएगी। उक्त जानकारी प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष चौधरी ने दी। उन्होंने कहा कि लाठीचार्ज के विरोध में और शिक्षकों के मुद्दे पर भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा जिला और प्रखंड मुख्यालयों पर प्रदर्शनी लगाकर हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान 24 जुलाई से 9 अगस्त तक चलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी इलाकों से आए हस्ताक्षर को एक ज्ञापन बनाकर राज्यपाल को सौंपा जाएगा। श्री चौधरी ने कहा कि नियोजित शिक्षकों को समायोजित करना पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि एसटीईटी और टीईटी पास कर अभ्यर्थी को नियुक्ति करनी होगी और राज्यकर्मी का दर्जा भी देना होगा। उन्होंने कहा कि 10 लाख लोगों को नौकरी देने का जवाब सरकार को देना पड़ेगा। भाजपा अध्यक्ष ने भाजपा के नेता विजय सिंह की मौत को हर्ट अटैक बताए जाने पर कहा कि यह तो पहले से ही हमलोग कह रहे हैं कि सरकार पूरे मामले में लीपापोती कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा शुरू से इस पूरे मामले की जांचपटना उच्च न्यायालय के सिटिंग जज से कराने की मांग कर रही है। उन्होंने पोस्टमार्टम का वीडियो एम्स को देने और जांच कराने तथा वीडियो को मीडिया और भाजपा को उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि भाजपा नेतृत्व वाला गठबंधन अगले चुनाव में 400 से अधिक सीट लेकर आएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के डर से सब एक हो रहे हैं और भाजपा सबको हराएगी। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शंभू, प्रदेश प्रवक्ता अरविंद सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश कुमार सिंह, राजेश कुमार झा और भाजपा नेता कुंतल कृष्ण उपस्थित रहे।

साम्प्रदायिक हिंसा व सामूहिक बलात्कार भाजपा शासन का चरित्र : माले

- मणिपुर में बलात्कार व हिंसा की घटना के विरोध में माले का राष्ट्रव्यापी प्रतिरोध

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

मणिपुर में बलात्कार व हिंसा की घटना के विरोध में भाकपा माले ने राष्ट्रव्यापी प्रतिरोध सभा का आयोजन किया गया। नेताओं ने अपने संबोधन में कहा कि 4 मई के वीडियो ने पूरे देश को हिला दिया है। उपद्रवियों की भीड़ ने महिलाओं के कपड़े उतारकर उन्हें जिस प्रकार से नंगा घुमाया और उनका यौन उत्पीड़न किया, वह मानवता को शर्मसार कर रहा है। नफरती भीड़ ने बदले की कार्रवाई के तहत महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार किया। बलात्कार पीड़िताओं के परिवार के पुरुष सदस्यों की भीड़ ने हत्या कर दी। यह सब मणिपुर में जारी था साम्प्रदायिक हिंसा के 79 दिनों बाद पीएम की जुबान खुली है।वहां भाजपा की सरकार है और भाजपा ही सत्ता का इस्तेमाल कर नफरत- साम्प्रदायिक हिंसा और बलात्कार को बढावा देने मे लगी है। नेताओं ने कहा कि सभी अपराधियों की तुरंत पहचान कर उनकी गिरफ्तारी हो। अज्ञात भीड़ के नाम पर उन्हें बचाने की कोशिश नहीं चलेगी। साथ ही, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस्तीफा दें। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में नारीवादियों और वकीलों की एक टीम तत्काल मणिपुर भेजी जाए। यह टीम मामले की संपूर्णता में जांच करे। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाइयों पर भी गौर करे। प्रतिरोध सभा को मीना तिवारी, शशि यादव, सरोज चौबे, अनीता सिन्हा, अभ्युदय, रणविजय कुमार, आइसा नेता विकास यादव, विनय कुमार आदि ने संबोधित किया। मौके पर भाकपा माले की राज्य कमेटी सदस्य जितेंद्र कुमार, इन्साफ मंच की आसमा खान, किसान नेता राजेंद्र पटेल, कुमार दिव्यम सहित बड़ी संख्या में छात्र-युवा और महिलाएं शामिल थे।

लोजपा रा ने मनाई स्व रामचंद्र पासवान की पुण्यतिथि

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी के पूर्व सांसद एवं दलित सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र पासवान की पुण्यतिथि के अवसर पर लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान जी दिल्ली स्थित अपने आवास पर दिवंगत नेता स्व रामचन्द्र पासवान के तैल चित्र पर पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि अर्पित की। वही इस मौके पर पार्टी के बिहार प्रदेश कार्यालय श्री कृष्णापुरी पटना में कार्यक्रम आयोजित की गई। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं ने उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता राजेष भट्ट ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी के दिवंगत नेता रामचंद्र पासवान बेहद मिलनसार स्वभाव उदार व्यक्तित्व और कुशल संगठनकर्ता थे। देश के निर्माण में उनके अहम योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता राजेश भट्ट ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य रूप से पार्टी के राष्ट्रीय सचिव कृष्ण कुमार सिंह मुख्य प्रदेश प्रवक्ता राजेश भट्ट, किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष रामाज्ञा यादव, एससी एसटी प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव संजय पासवान, उपाध्यक्ष कन्हैया लाल पासवान, कार्यालय प्रभारी ओम प्रकाश भारती, सुरेश पासवान, पप्पू पासवान, गोलू सिंह, सौरभ कुमार समेत दर्जनों नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे। उक्त आशय की जानकारी लोजपा (रा) के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन पसवान ने दी।

मोदी हटाओं खुद को बचाओं का सपना नहीं होगा पूरा : चौरसिया

पटना। दीघा विधायक डॉ संजीव चैरसिया ने बेंगलुरु मे हुई विपक्षी दलो की बैठक पर तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष का गठबंधन असल में ठगबंधन है। इनका एक ही नारा है मोदी हटाओं खुद को बचाओं विपक्ष का यह सपना कभी पूरा नहीं होने वाला। इंडिया नाम रखने वालों ने इंडिया का 20 लाख करोड़ रूपया का घोटाला किया है। इन लोगों की जो दिमागी हालत है, उससे स्पष्ट है कि विपक्ष अपना मानसिक संतुलन खो बैठा है। अब यह इंडिया नाम रख के अपने मानसिक दिवालियापन का परिचय दिया है। यह तो वही बात हो गई जैसे कोई बहुत बड़ा झूठा व्यक्ति अपना नाम हरिश्चंद्र रख ले। जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार केंद्र में आई है तब से ही विपक्ष छटपटा रहा है। विपक्ष को समझ में ही नहीं आ रहा है कि करना क्या है, बुरी तरह से हताश और निराश और बौखलाया हुआ विपक्ष मोदी जी का विरोध करते करते, कब देश और जनता के विरोध पर उतर आया, इसका उसे कुछ पता नहीं चला और अब हालत यह है कि इंडिया के यह टॉप घोटालेबाज इंडिया का नाम रखकर इंडिया के नाम को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन जनता उनकी इस कोशिश को पूरी तरह से नाकामयाब बनाकर छोड़ेगी।

सभी 40 लोकसभा सीटों पर भाजपा को शिकस्त देना लक्ष्य : उमेश कुशवाहा

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा है कि 2024 का लोकसभा चुनाव हमारा मुख्य मिशन है और इस मिशन की कामयाबी के लिए पूरी एकजुटता से धरातल पर कार्य करने की आवश्यकता है। शुक्रवार को मुंगेर प्रमंडल के संगठनात्मक समीक्षा बैठक में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के खिलाफ देशभर में भारी आक्रोश का माहौल है। सभी लोग अब महापरिवर्तन चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं को दो करोड़ नौकरी देने का वादा किया था मगर उनका यह वादा भी जुमला साबित हुआ। प्रधानमंत्री ने सिर्फ वोट बटोरने के लिए देश के युवाओं को ठगने का काम किया है। केंद्र सरकार को देश के नौजवान, किसान, महिला और छोटे छोटे व्यापारी वर्गों की कोई चिंता नहीं है। इनकी नीतियों से देश का हर वर्ग त्रस्त हो चुका है। खासतौर पर महंगाई की मार से देश के गरीब वर्गों का जीवन मोदी सरकार ने तबाह करने का काम किया है। श्री कुशवाहा ने कहा कि भाजपा के लोग गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी के बुनियादी सवालों पर चुप्पी साध लेते हैं क्योंकि इनके पास कुछ जवाब नहीं होता है। भाजपा के पास जाति और धर्म के अलावे दूसरा कोई मुद्दा नहीं है, यह लोग भावनाओं को भड़काने वाली बातें कहकर जनता का ध्यान गंभीर मुद्दों से भटकाना चाहते हैं और समाज को बांटना चाहते हैं। अगर विपक्ष का कोई भी नेता केंद्र की गलत नीतियों के खिलाफ कुछ कहता है तो जांच एजेंसियों का बेजा इस्तेमाल कर उन्हें परेशान किया जाता है। सरेआम संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही है, लोकतंत्र को लहूलुहान किया जा रहा है और सत्ता के लोलुपता में भाजपा नैतिकता का गला घोट रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र में बैठे निकम्मी सरकार को 2024 में विदाई सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने संविधान में आस्था रखने वाले सभी विपक्षी दलों को एक मंच पर इकट्ठा किया है और मुख्यमंत्री का प्रयास आज रंग ला रहा है। सभी विपक्षी दल भाजपा मुक्त भारत बनाने की मुहिम में जुट चुके हैं, चुकी विपक्षी एकजुटता का पहल बिहार से शुरू हुआ है इसलिए हम सभी पर अत्यधिक जिम्मेदारी है। 2024 लोकसभा चुनाव सम्बंधित संगठन के कार्यों की समीक्षा के लिए हमनें प्रमंडलवार दौरा का आयोजन किया है। 2024 में हमें बिहार के सभी 40 सीटों पर भाजपा को करारी शिकस्त देना है।

दलितों और गरीबों के मुखर आवाज थे रामचन्द्र पासवान : पारस

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

दलित सेना के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद रामचन्द्र पासवान की पूण्यतिथि राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी कार्यालय में रालोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केन्द्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस एवं प्रदेश अध्यक्ष सांसद प्रिंस राज पासवान की उपस्थिति में पार्टी के नेताओं एवं कार्यकताओं के द्वारा मनायी गई। इस अवसर पर पार्टी के सभी नेताओं ने रामचन्द्र पासवान की तैल्य चित्र पर माल्यापर्ण कर उनकों नमन किया। इस अवसर पर श्री पारस ने कहा कि रामचन्द्र पासवान दलितों, शोषितों, कमजोर वर्ग के मुखर आवाज थे, वे काफी मृदभाषी और मिलनसार व्यक्ति थे, समस्त राजनीतिक दलों के नेता एवं कार्यकर्ता उनका काफी सम्मान करते थे उनका पूरा राजनीतिक, सामाजिक, संसदीय जीवन गरीब, दलित, और आम जनमानस के जीवन के उत्थान और कल्याण के लिए समर्पित रहा। इस अवसर पर सांसद प्रिंस राज पासवान ने कहा कि उनका पूरा जीवन संघर्षपूर्ण रहा। वे पार्टी कार्यकताओं के बीच काफी लोकप्रिय थे उनका सहज स्वभाव सभी को आकर्षित करता था। इस अवसर पर कृष्ण राज पासवान, यश राज पासवान, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विरेश्वर सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रवण कुमार अग्रवाल, राष्ट्रीय महासचिव रामजी सिंह, राष्ट्रीय महासचिव एल्विस जोसेफ, राष्ट्रीय सचिव जियालाल, के एल रजौरा, आनन्द कुमार, अफाक सलानी, रूजिदा शर्मा, राष्ट्रीय सचिव विनोद चैधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष अम्बिका प्रसाद बिनू, प्रदेश प्रवक्ता ललन कुमार चन्द्रवंशी, ई विजय सिंह, रणजीत कुमार, रंजीत पासवान, डॉ स्मिता शर्मा, चन्दन सिंह, मनीष आनन्द सहित पार्टी के नेताओं ने दिवगंत नेता को सच्ची श्रद्धांजली अर्पित की तथा स्व रामचन्द्र पासवान के बताये हुए रास्ते पर चलने की कसमें खायी।

आखिर व्यवसायी आदित्य सचदेवा की हत्या किसने की थी? : मोदी

पटना। गया में रोडरेज की बहुचर्चित घटना में मारे गये व्यवसायी पुत्र आदित्य सचदेवा की हत्या के आरोपियों के रिहा होने पर पूर्व उपमुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा है कि नीतीश कुमार को बताना चाहिये कि 20 साल के छात्र आदित्य सचदेवा को किसने मारा था। सरकार ने सत्ताधारी दल से जुड़े हत्या के आरोपियों को साफ बरी क्यों करा दिया। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की सरकार सत्तारूढ दल से जुड़े हत्यारे को साफ बरी करा सकती है। आजीवन कारावास पाये बाहुबलियों की रिहाई के लिए कानून बदल सकती है। लेकिन यदि कोई व्यक्ति विपक्षी दल का हो, तो उसकी हत्या को हर्ट अटैक बताने वाली पोस्टमार्टम रिपोर्ट जारी कर सकती है।

मगही कवि घमंडी राम के निधन पर शोक

पटना। हिन्दी व मगही के चर्चित साहित्यकार कवि रामदास आर्य उर्फ घमंडी राम का शुक्रवार को निधन हो गया। उनके निधन की खबर सुनते ही साहित्य जगत में शोक की लहर दौड़ पड़ी। उनके निधन पर प्रोफेसर डॉ आचार्य मुन्ना प्रसाद कुशवाहा ,डॉ दिलीप कुमार ,प्रोफेसर अवधेश कुमार सिन्हा ,राकेश कुमार, वीरेंद्र आजाद ,कृष्ण कुमार उर्फ कवि जी ,रजनीकांत के साथ दर्जनों साहित्यकारों ने उनके निधन पर गहरा शोक संवेदना व्यक्त किया है। श्री मुन्ना कुशवाहा ने कहा है कि उनके निधन से साहित्य जगत को अपूरणीय क्षति हुई है। श्री घमंडी राम ने अपने जीवन काल में दर्जनों पुस्तक हिन्दी और मगही में विभिन्न विधाओं पर लिखा है। हंसमुख एवं मिलनसार प्रवृत्ति के कवि थे। मगही साहित्य के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। वे जनवादी लेखक संघ एवं साहित्य जगत के विभिन्न संगठनों से जुड़े हुए रहे हैं। उन्हें बिहार सरकार व विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं ने उन्हें पुरुस्कृत किया है।

अर्द्ध विक्षिप्त महिलाओं के आंखों की निःशुल्क जांच

पटना। महिला पुनर्वास केंद्र राजीव नगर में रहने वाली 46 मानसिक रूप से अर्द्ध विक्षिप्त महिलाओं के आंखों की निःशुल्क जांच शिविर का आयोजन राधादेवी मोहनका ट्रस्ट द्वारा संचालित नाला रोड स्थित श्री बालाजी नेत्रालय में किया गया। आंखों की जांच ट्रस्ट के अध्यक्ष वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ शशि मोहनका द्वारा किया गया। डॉ मोहनका ने जांच के बाद बताया कि आठ महिलाओं के आंखों का मोतियाबिंद काफी अधिक बढ़ा हुआ है जिससे वे देख नही पा रही थी। डॉ मोहनका ने बताया कि इन आठ महिलाओं के आंखों के मोतियाबिंद का निःशुल्क फेको विधि से रविवार 23 जुलाई को किया जाएगा। मौके पर ट्रस्ट के सचिव एम पी जैन ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा प्रत्येक माह के चौथे रविवार को मरीजो की निःशुल्क जांच की जाती है। मौके पर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष बिनोद अग्रवाल, इंजीनियर अनिल गुप्ता सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

स्वच्छ भारत अभियान अनूठा व प्रशंसनीय है : विरेंद्र

स्वच्छता अभियान : उपेंद्र महारथी संस्थान में चलाया गया स्वच्छ सर्वेक्षण कार्यक्रम

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

नगर निगम स्वच्छता जागरूकता अभियान की टीम द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में पटना के युवाओं और कला प्रेमियों की भागीदारी को बढ़ाने के उद्देश्य से उपेंद्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान पाटलिपुत्र कॉलोनी में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय हिन्दी परिषद् के अध्यक्ष और भारत सरकार हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य वीरेंद्र कुमार यादव ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान अपने आप में अनूठा है और प्रशंसनीय है। अपने आसपास के परिवेश को साफ सुथरा रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है और हम सब को इस बात का एहसास रहना चाहिए। घर साफ हो और गलियां गंदी, तो फिर यह हम सब के लिए शर्मिंदगी की बात है। पटना नगर निगम द्वारा चलाया जा रहा मेरा शहर मेरी जवाबदेही अभियान हम सब को प्रेरित कर रहा है कि अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ और सुंदर रखें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कहा था कि स्वच्छता स्वतंत्रता से ज्यादा अहम है। स्वच्छ और स्वस्थ भारत हम सब की प्राथमिकता है। इसके लिए सरकारी संस्थानों के साथ-साथ हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना पड़ेगा। स्वच्छता जागरूकता अभियान की ब्रांड एंबेसडर और लोक गायिका डॉक्टर नीतू कुमारी नवगीत ने कहा कि पटना से जितने अधिक लोग स्वच्छता सर्वेक्षण में हिस्सा लेंगे, स्वच्छता रैंकिंग में पटना का स्थान उतना ऊंचा रहेगा। उन्होंने कहा कि सिटीजन फीडबैक भी एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। नौ आसान सवालों का उत्तर देकर स्वच्छता सर्वेक्षण में भाग लेना है और पटना शहर को नंबर वन बनाना है। इस अवसर पर स्वच्छता सर्वेक्षण से जुड़ी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। श्वेता कुमारी, रंजन चौधरी, श्रेया कुमारी, अतुल पांडे, शिवानी राज, पल्लवी चौधरी, सुप्रिया, नेहा कुमारी, काजल कुमारी, जयप्रकाश, शुभम ने प्रतियोगिता में भाग लिया और उन्हें पटना नगर निगम स्वच्छता जागरूकता टीम द्वारा प्रमाण पत्र एवं इनाम दिया गया। स्वच्छता जागरूकता टीम द्वारा मेरा पटना मेरी जवाबदेही विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें अमन राज ने प्रथम पुरस्कार,पल्लवी चौधरी ने द्वितीय पुरस्कार और सोनाली कुमारी ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

24 से शक्तिधाम में पांच दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

पटना। पतंजलि योग समिति बिहार के संरक्षक गणेश खेतरीवाल द्वारा पतंजलि वेलनेस सेंटर के सौजन्य से शक्तिधाम में सोमवार 24 जुलाई से पांच दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन होगा। गणेश खेतरीवाल ने कहा कि योग एवं प्राणायाम के नियमित अभ्यास से शरीर को पूर्णतः स्वस्थ रखा जा सकता है। साथ हीं योग शरीर, मन एवं आत्मा को भी नियंत्रित करने में मदद करता है। खेतरीवाल ने बताया कि इस योग शिविर में जोड़ों के दर्द, मधुमेह, हृदय रोग, मोटापा, पाचनतंत्र रोग आदि सुधार का प्रशिक्षण योगऋषि रामदेव के कृपापात्र वरिष्ठ योग गुरु अजित कुमार द्वारा दिया जाएगा। प्रशिक्षण बैंक रोड स्थित शक्तिधाम में प्रातः 6 बजे से 7:30 बजे तक दिया जाएगा।

छात्र-छात्राओं को दी गई सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना राशि

पटना। पिछड़ावर्ग एवं अति पिछड़ावर्ग कल्याण विभाग द्वारा अत्यंत पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक व आर्थिक उन्नयन एवं असैनिक सेवाओं में प्रतिनिधित्व बढ़ाने से संबंधित बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री अत्यंत पिछड़ावर्ग सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत इस वर्ष यूपीएससी 2023 में प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण बिहार के अत्यंत पिछड़ा वर्ग समुदाय के छात्र-छात्राओं से सही पाये गये 48 प्राप्तआवेदनों के आधार पर कुल-39 अभ्यर्थियों को प्रति अभ्यर्थी 1 लाख की दर से लाभान्वित किया गया है तथा 9 अभ्यर्थी का प्रोत्साहन राषि स्वीकृति कर अंतरण की प्रक्रिया में है। पिछड़ावर्ग एवं अति पिछड़ावर्ग

संक्षिप्त खबरें

करंट लगने से महिला की हुई मौत

कल्याणपुर, समस्तीपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के पुरुषोत्तमपुर पंचायत बखरी सीमान टोल में बिजली के करंट लगने से एक महिला की मौत हो गई। जिसकी पहचान गांव के ही बिरजू राय के 45 वर्षीय पत्नी ललिता देवी के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही अपर थानाध्यक्ष राजकिशोर राम ने मौके पर पहुंचकर मृतक महिला के शव को जब्त कर सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया।

निशुल्क जांच शिविर का हुआ आयोजन

सरायरंजन, समस्तीपुर। सरायरंजन प्रखंड क्षेत्र के रायपुर बुजुर्ग पंचायत के महिषी गाँव में सामुदायिक भवन में मिथिला आँख हास्पीटल के सौजन्य से मुफ्त आँख जाँच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 100 लोगों को निःशुल्क जाँच तथा चश्मा प्रदान किया गया। साथ ही साथ जाँच के क्रम में मोतियाबिंद के 25 लाभार्थी को निःशुल्क ऑपरेशन के लिए व्यवस्था की गई। व्यवस्थापक ने बताया कि सरपंच अनीता देवी की पहल पर जाँच शिविर का आयोजन किया गया है। मौके पर डॉ० ललन कुमार मंडल, सरपंच प्रतिनिधि मुकेश कुमार, विकास कुमार राय, सुभाष राय, नकेश कुमार, दिपू राय, दिनेश राय आदि मौजूद रहे।

शराब से मौत के मामले में प्राथमिकी दर्ज

सरायरंजन, समस्तीपुर। मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के फतेहपुर वाला गांव के वार्ड 8 में जहरीली शराब पीने से एक युवक की मौत हो गई थी। उस मामले में मुसरीघरारी थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। मुसरीघरारी थाना कांड संख्या 107/23 के तहत दर्ज प्राथमिकी में मृतक विकास कुमार सिंह के पिता दीपक प्रकाश ने कहा है कि उनका पुत्र विगत 18 जुलाई की शाम में गंगापुर हाट से घरेलू सामान खरीदने गया था। लौटने के दौरान उसने एक दुकान से शराब पी ली थी। घर पहुंचते-पहुंचते उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। घर आकर वह अपने बिस्तर पर लेट गया। ज्यादा बेचैनी महसूस होने पर वह फर्श पर लेट कर वह कराहने लगा। घर के लोग जब तक कुछ समझ पाते, तब तक उसके प्राण पखेरू उड़ चुके थे। इस संबंध में थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि उक्त दुकान से शराब समेत कारोबारी की गिरफ्तार हो चुकी है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कंटेनर से शराब की बरामदगी को ले 11 लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी

सरायरंजन, समस्तीपुर। मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के बरबट्टा पंचायत अंतर्गत सलेमपुर गांव से बुधवार की रात एक कंटेनर शराब बरामद हुई थी। इसका बाजार मूल्य करीब एक करोड़ रुपय आंका गया था। इस संबंध में मुसरीघरारी थाने में पदस्थापित पुअनि मो० फहीम के लिखित बयान पर मुसरीघरारी थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इनमें पांच कारोबारी समेत 11 लोगों को अभियुक्त बनाया गया है। अन्य नामजद अभियुक्तों में जब्त कंटेनर के मालिक व चालक, जब्त मालवाहक टाटा 407 के मालिक व चालक तथा फास्ट टैग के मालिक के नाम शामिल हैं। उक्त लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने के पश्चात पुलिस उनकी गिरफ्तारी में जुट गई है।

25 जुलाई को पटना स्थित कृषि मंत्री का आवास घेराव करेंगे कृषि सलाहकार

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड सहित पूरे बिहार के कृषि सलाहकार 6 जून से जनसेवक के पद पर समायोजन की मांग को लेकर हड़ताल पर है। जिससे कृषि संबंधित कार्य प्रभावित हो रहीं है। वहीं किसान सलाहकार अपनी मांग को लेकर संघ के आह्वान पर 25 जुलाई को आक्रोश मार्च निकालते हुए पटना कृषि मंत्री आवास का घेराव करने का निर्णय लिया है। जिसके लिए विभूतिपुर प्रखंड से दो किसान सलाहकार कन्हैया कुमार, सुरेंद्र ठाकुर को नामित किया गया है। ये दोनों किसान सलाहकार पटना आक्रोश मार्च में भाग लेंगे। उक्त बात की जानकारी किसान सलाहकार रंजीत कुमार प्रथम ने दी है।

प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी ने एएनएम से मांगा स्पष्टीकरण

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी ने स्वास्थ्य उपकेन्द्र राघोपुर में कार्यरत एएनएम रेणु कुमारी से पत्र प्राप्ति के दिन दिनों के अंदर स्पष्टीकरण मांगा है। बताया गया कि 13 जुलाई को पंचायत समिति भवन विभूतिपुर के प्रांगण में बाढ़ सुरक्षा सप्ताह मनाने हेतु प्रशिक्षण बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें कई विभाग के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में एएनएम रेणु कुमारी द्वारा अमर्यादित एवं अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया। जो अनुशासन हीनता को दर्शाता है।

बेतिया राज की भूमि का अतिक्रमण एवं नीलाम पत्र वादों की समीक्षा बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। विवेक कुमार सिंह, अध्यक्ष,सदस्य राजस्व परिषद , बिहार की अध्यक्षता में तिरहुत प्रमंडल अन्तर्गत बेतिया राज की भूमि पर हो रहे अतिक्रमण एवं अन्य मामले तथा निलाम पत्र वादों के प्रगति की समीक्षात्मक बैठक समाहरणालय सभागार में किया गया। अध्यक्ष, विवेक कुमार सिंह ने बेतिया राज के अन्तर्गत सभी भूमि का अभिलेख जमाबंदी दस्तावेज के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी। साथ ही आवश्यक निदेश भी दियें। राजस्व परिषद के तीन सदस्य विशेषज्ञ के रूप में वेतिया राज भूमि की प्रकृति, सूची तथा इसके न्यायिक पहलुओं के बारे में उपस्थित सभी जिलों के जिला पदाधिकारी और ए.डी.एम. को बताया गया। बेतिया राज की भूमि की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि जमींदारी उन्मूलन अधिनियम के साथ बेतिया राज के संबंध में अधिसूचना जारी नहीं किया गया था। कारण कि 1896 में अंतिम रूप से कानूनी वारिस महरानी जानकी कुँवर की मृत्यु के बाद बोर्ड ऑफ रेवन्यू के अध्यक्ष के संरक्षण में यह भूमि हो गयी। मुख्य रूप से सभी जिला पदाधिकारियों को निदेश दिया गया कि अपने अंचलों के माध्यम से जिले में बेतिया राज अन्तर्गत भूमि को चिन्हित एवं सूचीबद्ध करें। जिला पदाधिकारी विशेष तौर से इसकी मॉनिटरिंग करेंगे। अतिक्रमण और जमाबंदी के मामलें को भी नियमानुसार निष्पादन करेंगे। साथ ही सर्वेक्षण बंदोवस्त पदाधिकारी को भी शुद्ध सूची उपलब्ध करायेंगे। अंचलवार भूमि बंदोवस्ती की जानकारी बंदोवस्त पदाधिकारी को दें। सलाहकार एवं सदस्य राधामोहन ने बताया कि अंचलवार क्षेत्र बुझाहत पंजी और भूमि पंजी संधारित है, जिससे बेतिया राज की भूमि का सत्यापन करायें। शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में अतिक्रमण के अधिक मामले हैं। सत्यापन और अतिक्रमण मामलें में नियमानुसार प्राथमिकी दर्ज कर आरोप गठित करें और रद्दीकरण का प्रस्ताव अवर निबंधक को भी दें। समरूप प्रपत्र बनाकर बेतिया राज की भूमि का बंदोवस्ती और अतिक्रमण मुक्त करायें। निलाम पत्र वाद की समीक्षा में आयुक्त ने बताया कि सभी जिलों में केसों की संख्या ज्यादा है। लगभग दो हजार करोड़ निलाम वाद में बांकी है। उन्होंने कहा कि कई अधिकारियों के पास कांफी संख्या में केस लंबित है, जबकि कुछ पदाधिकारियों के पास मामले या वाद नहीं है, इसलिए सभी जिला पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि पदाधिकारियों के बीच सही ढ़ंग से वाद को वितरित करें। वरीय पदाधिकारी और संवेदनशील पदाधिकारी को अधिक मामले निष्पादन के लिए दें। बैठक में सदस्य, राधा मोहन, श्यामल किशोर पाठक, प्रमंडलीय आयुक्त गोपाल मीणा, जिलाधिकारी मुजफ्फरपुर प्रणव कुमार, जिलाधिकारी वैशाली यशपाल मीणा, जिलाधिकारी सीतामढ़ी मणेश मीणा, जिलाधिकारी पश्चिमी चम्पारण (वेतिया) दिनेश कुमार राय, जिलाधिकारी, पूर्वी चम्पारण, मोतीहारी सौरव जोरवाल, जिलाधिकारी शिवहर श्री राम शंकर आदि उपस्थित थें।

शिक्षा समिति की बैठक में विद्यालय के सौंदर्यीकरण एवं सांस्कृतिक समारोहों पर हुई चर्चा

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन प्रखंड के मध्य विद्यालय गंगापुर में शुक्रवार को लखींद्र पासवान की अध्यक्षता में विद्यालय शिक्षा समिति के सदस्यों की एक मासिक बैठक आयोजित हुई। इसमें पूर्व के बैठक में लिए गए निर्णय के कार्यान्वयन पर संतोष जताया गया। वहीं मध्याह्न भोजन योजना हेतु इस माह में होने वाले व्यय के वाउचर का संधारण करते हुए राशि को वेंडरों के खाते में भेजने के लिए प्रधानाध्यापक अखिलेश ठाकुर एवं सचिव नीलम देवी को अधिकृत किया गया। इसके अलावे विद्यालय के सौंदर्यीकरण एवं स्वच्छता को बरकरार रखने हेतु प्रस्ताव पारित किया गया। दिवस ज्ञान को समाहित करते हुए प्रासंगिक दिवस के समारोह को नियमित रूप से आयोजन हेतु प्रधानाध्यापक एवं खेल संस्कृति मंत्री रिया कुमारी की सराहना की गई। वहीं वरीय शिक्षक राजकुमार के संपादन में प्रकाशित मासिक पत्रिका नव सृजन के लिए उन्हें साधुवाद दिया गया मौके पर सोनाक्षी कुमारी एवं निक्की कुमार ने भी मीना मंच एवं बाल संसद का प्रतिनिधित्व किया। बैठक में पूनम देवी, निर्मला देवी, संगीता देवी, कंचन रानी, नीलम देवी आदि ने भी अपने विचार रखे।

भोला टॉकीज डकैती मामले में फरार चल रहे कुख्यात अपराधी बंठा को पुलिस ने किया गिरफ्तार

- डकैती का सामान खरीदने वाला भी हुआ गिरफ्तार, सोने के पांच सिक्के और एक लाख बरामद

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर भोला टॉकीज डकैती मामले में संलिप्त रहे एक कुख्यात अपराधी को समस्तीपुर नगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके पास से पुलिस ने डकैती कांड लूटे गए पांच सोने के सिक्के और एक लाख रुपए बरामद किया है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान सीतामढ़ी जिले के बेलसंड थाना क्षेत्र के कंग्सा निवासी लालबहादुर साह के पुत्र संजीव साह उर्फ बंठा के रूप में हुई है। बताया गया कि संजीव साह उर्फ बंठा जिले के टॉप टेन कुख्यात अपराधियों में से एक है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर डकैती का सामान खरीदने वाले एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान सीतामढ़ी जिले के कंग्सा थाना क्षेत्र निवासी लालदेव साह के पुत्र संजीव कुमार के रूप में हुई है। शुक्रवार को समस्तीपुर एसपी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए एसपी विनय तिवारी ने बताया कि पूर्व में भोला टॉकीज डकैती मामले का उद्भेदन किया गया था। जिसमें चार अपराधियों को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार अपराधियों से विस्तृत पूछताछ में कुख्यात अपराधी संजीव साह उर्फ बंठा की संलिप्तता सामने आई थी और पुलिस को पता चला था कि बंठा अपने साथियों को धोखा देकर डकैती किए गए सोने के सिक्के लेकर भाग गया है। पुलिस को यह भी पता चला कि उसने सीतामढ़ी में ही कहीं किसी के हाथों सोने के सिक्के बेचे हैं। से पुलिस के द्वारा अनुसंधान के क्रम में छापेमारी कर बंठा को गिरफ्तार कर लिया गया और डकैती के सोने के सिक्के खरीदने के आरोप में एक अन्य व्यक्ति को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस की छापेमारी टीम में एसआई आनंद शंकर गौरव, डीआईयू शाखा से एसआई राहुल कुमार एवं सिपाही संजीव कुमार, सिपाही रंजय कुमार एवं सिपाही रणविजय कुमार शामिल थे।

डोमिसाइल नीति निरस्त करने की मांग को लेकर रेल रोको आंदोलन कल

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । जन अधिकार पार्टी (लोकतांत्रिक) शिक्षक नियुक्ति नियमावली में डोमिसाइल नीति निरस्त करने की मांग को लेकर रविवार को रेल रोको आंदोलन करेगी ।इसकी तैयारियों को लेकर पार्टी की जिला इकाई द्वारा जिला कार्यालय पर पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई ।बैठक की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष राजीव कुमार ओझा ने की ।बैठक में मुख्य रूप से आगामी 23 जुलाई को शिक्षक नियुक्ति नियमावली में डोमिसाइल नीति को निरस्त करने के खिलाफ राज्यव्यापी रेल रोको कार्यक्रम पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में मणिपुर में जो घटना घटित हुई है उस पर सर्वसम्मति से इसकी घोर निंदा की गई एवं शनिवार को मुजफ्फरपुर के सरैयागंज टावर पर जाप की जिला इकाई द्वारा गृह मंत्री का पुतला दहन करने का भी निर्णय लिया गया। पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने मुजफ्फरपुर लोक सभा सीट पर अपनी दावेदारी पेश करते हुए जाप सुप्रीमो पप्पू यादव को इस सीट से चुनाव लड़ने का आमंत्रण भेजने का फैसला किया। मुजफ्फरपुर जिले में पार्टी द्वारा अगले महीने आयोजित होने वाली सभा के आयोजन की भी समीक्षा की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश ने जिला इकाई को लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाने का आह्वान करते हुए कहा कि इस माह के अंत तक पूरी जिला कमिटी ,प्रखंड एवं पंचायत कमिटी की संपूर्ण सूची घोषित कर दी जाएगी । उन्होंने कहा कि मुजफ्फरपुर जिला में संगठन काफी मजबूती की ओर अग्रसर है और हम इस सीट पर पूरी मजबूती से चुनाव लड़ने का विचार रखते हैं। उन्होंने कहा कि जन अधिकार पार्टी अकेला शिक्षकों के मुद्दे को लेकर पांचवी बार बड़े आंदोलन के लिए सड़कों पर खड़ी है और इस मुद्दे पर हमारी पार्टी समझौता की स्थिति में नहीं है। हमारी पार्टी यह मांग करती है राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित होकर जिस डोमिसाइल पॉलिसी को निरस्त किया गया है ,ऊसे अविलंब लागू किया जाए । बैठक में मुख्य रूप से जाप स्वर्ण प्रकोष्ठ के प्रांतीय अध्यक्ष राकेश कुमार गुड्डू, प्रदेश महासचिव रानू शंकर, रजनीश कुमार, नगर अध्यक्ष प्रभात रंजन झा, जिला उपाध्यक्ष राजीव कुमार ओझा, कटरा अध्यक्ष मुकेश कुमार राय, गायघाट अध्यक्ष धर्मेंद्र यादव औराई अध्यक्ष आलोक कुमार जिला सचिव चितरंजन कुमार चंद्रभूषण साह, मोहम्मद यासीन, कुणाल कुमार समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

ऑटो पलटने से दम्पति घायल, इलाज के दौरान पति की मौत

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन थाना क्षेत्र के तिसवारा हाट के निकट एनएच 322 पर गुरुवार की शाम ऑटो के पलटने से उसपर सवार दंपति गंभीर रूप से घायल हो गये। इलाज के दौरान पति की मौत हो गयी।

वहीं पत्नी का अभी इलाज जारी है। मृतक की पहचान नौआचक गांव निवासी बउए लाल पासवान (50) के रूप में की गयी है। घायल पत्नी की पहचान तारा देवी के रूप में हुई है। घटना के बाबत उक्त दंपति जंदाहा से इलाज करवा कर ऑटो से लौट रहे थे।

लौटने के दौरान तिसवारा हाट के निकट एनएच 322 पर बाइक चालक को बचाने के चक्कर ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गयी। ऑटो पर सवार दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने दोनों दंपति को ऑटो से बाहर निकाल कर इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान पति की मौत हो गई। वहीं पत्नी का इलाज जारी है। उसके बाद ग्रामीणों द्वारा घटना की जानकारी सरायरंजन पुलिस को दी गई।

घटना की जानकारी मिलने के बाद सरायरंजन पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन करते हुए मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल में भेज दिया। वहीं पुलिस ने दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहन पर जब्त कर ली है। मृतक का शव पहुंचते ही गांव में कोहराम मच गया। वहीं मृतक की पत्नी पति के मौत की खबर सुनकर पूरी तरह से बेसुध हो गई हैं। अपना आपा खो बैठी है।

बिजली कटौती पर उठे सवाल तो आया ये बड़ा कारण

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। एक तो करैला और दूसरा नीम चढ़ा वाली कहानी तो आपने सुनी ही होगी, ये बिल्कुल अभी रक्सौल के फिट बैठ रहा है। मतलब एक तो बारिश नही हो रही और गर्मी प्रचंड है तो दूसरी ओर विद्युत व्यवस्था काफी चरमरा गई है। शहर में विद्युत की अनियमितता से हर कोई परेशान है, इनवर्टर से काम नहीं चल रहा, बिना विद्युत के कूलर और एसी शोभा की वस्तु बन जा रही है। सोशल मीडिया पर भी अब शहर के युवा सवाल उठा रहे हैं। अब हमने भी इसे काफी गंभीरता से लिया और लोगों की परेशानियों को देखते हुए विद्युत विभाग के एक अधिकारी से बात किया तो उन्होंने कई बातों को उन्होंने हमारे सामने रखा। उन्होंने बताया कि दिन-प्रतिदिन जनसंख्या में बढ़ोतरी हो रही है, मौसम भी अभी प्रचंड रूप दिखा रहा है, ऐसे में 24 घंटे पंखे चल रहे हैं, लोग एसी और कूलर का प्रयोग लगातार कर रहे हैं और खास कर ये बात कि भू-जलस्तर काफी नीचे चला गया है, जिससे मोटर से पानी कम आ रहा है, जिसके कारण आधे से एक घंटा तक चलने वाला मोटर अब 6 घंटो तक चलाए जा रहे हैं, जिससे आपूर्ति पर लोड बढ़ा है। ये तो हुआ आपूर्ति का उपयोग, परंतु उन्होंने आगे बताया कि सभी ट्रांसफार्मर पहले के लगे हैं, जिनके लोड का भी एक पैमाना होता है, उपभोक्ता लगातार बढ़ रहे हैं, पर ट्रांसफार्मर वही है तो उसमे लगातार तकनीकी समस्या उत्पन्न हो रही है, जिन्हे बनाने के लिए आपूर्ति को ठप करना पड़ता है। वहीं उन्होंने आगे बताया कि जो तार लगे हैं, उनकी गारंटी भी 4-5 साल ही होती है, लगातार कहीं न कहीं तार लोड बढ़ने के कारण गिर रहे हैं, ये विद्युत काटने का एक कारण है और कभी-कभार मेंटेनेंस के लिए भी आपूर्ति ठप करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि उनके कर्मी देर रात तक काम में लगे रहते हैं ताकि लोगों को आपूर्ति मिल सके, चाहे गर्मी हो, ठंड हो या फिर बरसात, वे लगातार सेवा देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी मुहल्ले में कोई समस्या उत्पन्न हो जाती है तो उसे ठीक करने के लिए विद्युत काटना ही पड़ता है, अन्यथा इस मुहल्ले के लोग काफी परेशान हो जाएंगे। हमारी सोच है कि किसी को तकलीफ न हो। उन्होंने शहरवासियों से अपील किया कि इस मजबूरी को समझे और आवश्यकतानुसार ही बिजली का प्रयोग करें, ताकि सभी लोग समस्या से बचें।

हमारे सुझाव

बहरहाल कारण जो हो, उपभोक्ताओं को इस बेचैन करने और उमस वाली गर्मी से राहत चाहिए, जिसके लिए बिजली विभाग को अपनी व्यवस्था दुरुस्त करने की जरूरत है। पुराने जर्जर तारों को बदलकर नए तार बदलना होगा। कम पॉवर वाले ट्रांसफार्मर को बदलकर और अधिक पॉवर वाले ट्रांसफार्मर लगाने होंगे और कम लोड वाले स्थानों पर पुराने ट्रांसफार्मर को भेज देना चाहिए। ताकि इससे विभाग की व्यवस्था भी दुरुस्त होगी और उपभोक्ताओं को राहत भी मिलेगी।

पीएम पोषण योजना में धांधली पर की गई निलंबन की अनुशंशा

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय कल्याणपुर मुसहरी टोल के प्रधानाध्यापक राजेश कुमार साह द्वारा पीएम पोषण योजना में अनियमितता के खिलाफ प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने जिला कार्यक्रम पदाधिकारी पीएम योजना को पत्र भेजकर प्रधानाध्यापक के कृत को लेकर आर्थिक दंड सहित निलंबन की अनुशंसा की है। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि 14 जुलाई को मेरे द्वारा उक्त विद्यालय का निरीक्षण किया गया। जिसमें पीएम पोषण योजना पंजी के अनुसार 85 छात्र-छात्राओं को लाभ दिया गया जबकि विद्यालय में मात्र 60 बच्चे उपस्थित पाए गए। वहीं बच्चों को गुणवत्तापूर्ण मध्याह्न भी नही दिया जाता है। इससे स्पष्ट होता है कि प्रधानाध्यापक राजेश कुमार साह के द्वारा पीएम पोषण योजना में अनियमितता बरती जा रही है।

बिस्किट चोरी के आरोप में बच्चे की पिटाई मामले में मुखिया पति गिरफ्तार, भेजा गया जेल

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर जिले के सिंघिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बिस्किट चोरी के आरोप में बच्चे को रस्सी से बांधकर पिटाई किए जाने के मामले में पुलिस ने सिंघिया थाना क्षेत्र के माहे निवासी राजेश्वर प्रसाद सिंह के पुत्र व माहे मुखिया पति दिलीप सिंह को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को एसपी कार्यालय में मामले के संबंध में जानकारी देते हुए एसपी विनय तिवारी ने बताया कि बिस्किट चोरी के आरोप में बच्चे की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसके बाद पुलिस ने वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे दो लोगों को गिरफ्तार किया था। उन्होंने बताया कि चोरी की घटना के बाद माहे पंचायत के मुखिया मुखिया पति दिलीप सिंह को पंचायती को लेकर बुलाया गया था। जिसमें मुखिया पति दिलीप सिंह ने 50 हजार रुपए जुमार्ने की बात कही थी। जिसके बाद जुमार्ना नहीं देने पर मुखिया पति की मौजूदगी में बच्चे को रस्सी में बांधकर मारपीट की गई थी। उन्होंने बताया कि जांच और घटनास्थल पर उपस्थित लोगों के बयान के आधार पर मुखिया पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

सरायरंजन भाजपा दक्षिणी मंडल के मोर्चा व प्रकोष्ठ समेत 61 सदस्यीय कार्यसमिति गठित

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन भाजपा दक्षिणी मंडल के मोर्चा एवं प्रकोष्ठ समेत 61 सदस्यीय कार्यसमिति का गठन प्रखंड के मनिका गांव में शुक्रवार को किया गया। इसमें मंडल महामंत्री विरजु राय, राम विष्णु चौरसिया उपाध्यक्ष, कुंदन सिंह, दीपक महाराज, महेश रजक, रामजी महतो, सुनीता देवी, मणिकांत झा मंत्री, गर्ग सनातन ऋषिकेश, पंकज झा, शिवचंद्र सहनी, संतोष साह, धनंजय सिंह, तारा देवी प्रवक्ता, कपिल सिंह, शशिकांत झा मीडिया प्रभारी, संजीत कुमार ठाकुर, संतोष पासवान सोसल मीडिया प्रभारी, प्रदीप कुमार महतो एवं कोषाध्यक्ष नीलम साह को बनाया गया। इस अवसर पर मोर्चा एवं प्रकोष्ठ की भी घोषणा की गई, जिसमें युवा मोर्चा में अंकुश राय, महिला मोर्चा में रेखा देवी, किसान मोर्चा में शिवकुमार झा, अनसूचित मोर्चा में राजकुमार दास, पंचायती राज प्रकोष्ठ में रजनीश कुमार सिंह, अतिपिछड़ा मोर्चा में दिनेश सहनी, सहकारिता मोर्चा में धीरेंद्र कुमार झा सहित 61 सदस्यीय मंडल कार्यसमीति एवं आमंत्रित सदस्यों और विशेष आमंत्रित सदस्यों की भी सूची जारी की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा दक्षिणी मंडल के अध्यक्ष बबलू झा ने की। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेता रूपनारायण झा, प्रदेश किसान मोर्चा मंत्री शशिधर झा, विधानसभा प्रभारी प्रो० अमरेंद्र कुमार, राम सागर सिंह कुशवाहा, अमरेश झा, राजीव झा, विनोद वाजपेयी, रामयाद शांडिल्य, वीणा साह, रवींद्र सिंह, नंद किशोर झा, सानू ठाकुर आदि लोग मौजूद थे।

मुखिया संघ ने बीडीओ व बीपीआरओ को ज्ञापन सौंपा

प्रात : किरण संवाददाता

शिवाजीनगर, समस्तीपुर। शिवाजीनगर प्रखंड के राजौर रामभद्रपुर पंचायत के मुखिया सह मुखिया संघ अध्यक्ष रामचंद्र सिंह की अध्यक्षता में दस मुखियाओं ने एक लिखित आवेदन बीडीओ व बीपीआरओ को सौंपा। जानकारी देते हुए मुखिया संघ अध्यक्ष रामचंद्र सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायत के वार्ड सदस्यों द्वारा कार्य कारणी समिति के बैठक में उपस्थित नहीं होने, उपस्थित होने वाले वार्ड सदस्यों के द्वारा विरोधाभास करने को लेकर बीडीओ एवं बीपीआरओ को ज्ञापन सौंपा गया है। जिसमें विभागीय मार्गदर्शन उपलब्ध करवाने की मांग की है। जिससे वार्ड सदस्यों को उनके अधिकारों की जानकारी हो सके। मौके पर मुखिया नटवर कुमार राय, अनीता देवी, रिंकू देवी, रेखा देवी, संजीव कुमार पासवान, सरिता देवी, विभा कुमारी, अशर्फी साहनी, गजेंद्र प्रसाद गजरू आदि मुखिया थे।

मुहर्रम पर्व को पर्व की तरह मनाएं : बीडीओ

प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन, समस्तीपुर। सरायरंजन थाना परिसर में शुक्रवार को मुहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। बैठक को संबोधित करते हुये बीडीओ नीतू प्रियदर्शिनी गुप्ता ने कहा की मुहर्रम पर्व को पर्व की तरह मनाएं। इसके लिए सभी वर्गों को मिलजुल कर शांति पूर्वक मनाएं। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने भी शांति पूर्ण ठंग से मनाने के लिए अधिकारियों को आश्वासन दिया। बैठक में इंस्पेक्टर उमाशंकर राय, बीडीओ नीतू प्रियदर्शिनी गुप्ता, उपप्रमुख संजीव ठाकुर, थानाध्यक्ष रविकांत कुमार, हरेराम सहनी, मुकेश राय, विशुनदेव पासवान, कुमार विशनाथ, मो० इरसाद, मो० शहादत, जयप्रकाश राय, बिनोद वाजपेयी, मो० मोसीम, मोहन झा, सदानंद झा आदि मुहर्रम कमिटी के लोग मौजूद थे।

अगले 5दिनो तक उत्तर बिहार में कमजोर रहेगा मानसून

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सूखे का संकट झेल रहे उत्तर बिहार के किसानों के लिए बुरी खबर है। अगले 5 दिनों तक मानसून के कमजोर रहने के कारण बर्षा की सम्भावना नहीं है ।जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा द्वारा 22 से 26जुलाई तक के लिए जारी मौसम पूवार्नुमान में यह जानकारी दी है ।इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। बारिश के लिए किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए हुए हैं। मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमश 25.8 एवं 26.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्दता 34 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 61 प्रतिशत, हया की औसत गति 53 फिल्मी प्रति घंटा एवं दैनिक थापन 5.7 मिमी तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 10.6 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 35.8 एवं दोपहर में 26.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में वर्षा नहीं हुई। ।ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 22 26 जुलाई 2023 तक के मौसम पूवार्नुमान के अनुसार, पूवार्नुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में मानसून के कमजोर बने रहने का अनुमान है जिसके कारण वर्षा की सम्भावना बहुत कम है। हालांकि, कहीं-कहीं हल्की वर्षा होने की संभावना है। इस अवधि में अधिकतम तापमान सामान्य तापमान से 3-4 डिग्री सेल्सियस अधिक रह सकता है और यह 34-37 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 27-29 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहने की सम्भावना है।

संक्षिप्त खबरें

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाकर निष्पक्ष जांच हो : जिला उपाध्यक्ष

गया ।मणिपुर हिंसा मामले में जिला जनता दल यूनाइटेड के उपाध्यक्ष जितेंद्र कुमार अधिवक्ता, मो0 शमीम अहमद, अरुण राव, महानगर जदयू अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रणधीर रजक ने इस घटना को घोर निंदा करते हुए कहा कि मणिपुर में 79 दिनों से लगातार हिंसा भड़का हुआ है,और महिलाओं के साथ अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है और नग्न करके घुमाया जा रहा है, इस घटना को जितना भी निंदा की जाए वह काम है। कुमार ने कहा कि इस घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने भी स्वतःसंज्ञान लेकर कहा है कि सरकार अगर अभिलंब इस पर कार्रवाई नहीं करती है तो मजबूरन होकर कोर्ट कार्रवाई करेंगे। कुमार ने कहा कि मणिपुर में डबल इंजन की सरकार है लेकिन केंद्र के नरेंद्र मोदी सरकार मणिपुर में हिंसा रोकने में असफल साबित हो रहे हैं। कुमार ने वैसे स्थिति में राष्ट्रपति शासन लगाने की जरूरत बताया है।

10 दिवसीय थल सैनिक शिविर का हुआ समापन

गया।एनसीसी लाइन एरिया में गया ग्रुप मुख्यालय द्वारा आयोजित दस दिवसीय एनसीसी थल सैनिक शिविर के समापन समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर 6 बिहार बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल एमके शुक्ला ने कहा कि शिविर ने कैडेटों को मैप रीडिंग, फायरिंग,बाधा प्रशिक्षण, आदि जैसे विभिन्न विषयों में गहन प्रतियोगिताओं प्रशिक्षण दी गई। उन्होंने कैडेटों को जीवन के हर क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने, देशभक्ति की भावना विकसित करने और खुद पर विश्वास रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि एनसीसी देश के युवाओं को रोमांच, अनुशासन और सम्मान से भरे जीवन का अनुभव कराता है और शिविर उनमें नेतृत्व और सौहार्द की भावना पैदा करते हैं। कार्यक्रम के समापन उत्कृष्ट करने वाले कैडेटों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर 27 बिहार बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर अमर परकर , एडम ऑफिसर श्री कृष्णा वी सहित कई कैडेट्स मौजूद थे।

जिला पदाधिकारी के द्वारा अधिकार अधिनियम -2015 के तहत की गई अपील की सुनवाई

छपरा। शुक्रवार को जिला पदाधिकारी अमन समीर के द्वारा बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम- 2015 के तहत विभिन्न अपीलार्थियों के द्वारा किए गए द्वितीय अपील वाद की सुनवाई समाहरणालय परिसर अवस्थित कार्यालय कक्ष में की गई। कुल 11 मामलों के लोक शिकायत निवारण से संबंधित मामलों की सुनवाई कार्यालय कक्ष में उपस्थित एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उपस्थित संबंधित पदाधिकारियों के साथ की गई। इनमें से 03 मामलों पर अंतिम रूप से आदेश पारित करते हुए शेष 08 मामलों पर वरीय पदाधिकारियों से प्रतिवेदन की मांग करने का आदेश जिला पदाधिकारी महोदय के द्वारा दिया गया।

जदयू नेता सहित तीन लोगों के घर में चोरों ने की चोरी

बेगूसराय। भगवानपुर थाना क्षेत्र के दहिया गांव में गुरुवार की रात अज्ञात चोरों ने तीन घरों में चोरी कर करीब 50 हजार नगदी एवं एक लाख मूल्य के मोबाइल व सोने की अंगूठी चोरी कर ली। इस संबंध में दहिया निवासी हिमांशु शेखर के किराएदार गणपति नर्सिंग होम के संचालक डॉक्टर पल्लव कुमार ने बताया कि हम लोग भोजन कर सो गए थे। रात्रि में अज्ञात चोरों ने छत पर जाने वाली सीढ़ी का ताला तोड़कर मेरे घर में घुस गया और घर में रखे 31 हजार नगद कैश एवं सोना की अंगूठी ले लिया। वही दहिया निवासी जदयू राष्ट्रीय परिषद के सदस्य अमरजीत कुमार उर्फ डब्लू ने बताया कि घर के बगल के गेट के ऊपर से अज्ञात चोर मेरे घर में घुस गया और घर में रखे मोबाइल एवं रुपए चोरी कर लिया। शुक्र यही रहा की घर का लॉकर तोड़ने का प्रयास किया पर तोड़ने में चोर विफल रहा। वहीं रामाशीष पुजारी ने बताया कि मेरे घर में रखे मोबाइल और नगद ले लिया। शुशांत शेखर उर्फ फीती लाल का करीब 5 हजार रुपया नगद उसके घर से चोरी कर ली। विदित हो कि इसी माह संजात गांव में तीन दिन लगातार चोरी होने के बाद अब तक उसका उद्भेदन नहीं होने से चोरों का मनोबल बढ़ता जा रहा है। इस चोरी की घटना से चोरों के प्रति आक्रोश देखा जा रहा है। इधर चोरी की घटना की सूचना पाकर तेघड़ा इंस्पेक्टर राजीव कुमार लाल, भगवानपुर थाना के पीएसआई शोभा कुमारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की जांच की। इधर थाना अध्यक्ष प्रतोष कुमार ने बताया कि पुलिस हर बिंदुओं पर जांच कर रही है। जल्द ही चोरों को चिन्हित कर कर्रवाई की जाएगी।

जनता दरबार आए 150 फरियादियों की सुनी गई समस्या

प्रात : किरण संवाददाता

गया । जनता दरबार स्थगित रहने के बावजूद समाहरणालय में कई व्यक्तियों को आए देखते हुए जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम ने उनकी समस्याओं को सुना गया है। आज जनता दरबार में आये हुए लगभग 150 व्यक्तियों के मामले को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को जांच यथाशीघ्र कराते हुए जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

आवेदकों के कई मामलों में जिला पदाधिकारी द्वारा जिले के वरीय पदाधिकारी उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी संबंधित प्रखंड के नामित जिला स्तरीय पदाधिकारी आदि द्वारा मामले को जांच करने का भी जिम्मा दिया गया है। प्रधानमंत्री आवास ,मुख्यमंत्री आवास योजना से संबंधित आए मामलों को जिला पदाधिकारी ने उप विकास आयुक्त को संबंधित आवेदनों को यथाशीघ्र जांच करते हुए पात्रता रखने वाले व्यक्तियों को प्रधानमंत्री,मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ देने हेतु आगे कार्य करने का निर्देश दिया गया है।कई व्यक्तियों ने भूमि विवाद, आपसी बटवारा, अतिक्रमण, जमीन संबंधी दिक्कते आदि से संबंधित आवेदन दिए हैं। उन सभी आवेदन के आलोक में जिला पदाधिकारी ने संबंधित अंचलाधिकारी और थानाध्यक्ष एवं अनुमंडल पदाधिकारी,अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के अध्यक्षता में थाना स्तर एवं अनुमंडल स्तर पर हर शनिवार को आयोजित होने वाले जनता दरबार में दोनों पक्षों के व्यक्तियों को बुलाकर संबधित मामलों को प्राथमिकता देते हुए निराकरण कराने का निर्देश दिए हैं । जमीन से संबंधित अत्यधिक मामले को देखते हुए जिला पदाधिकारी ने आए आवेदनों को सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता को निर्देश दिया कि अच्छे तरीके से आए आवेदनों को जांच करते हुए संबंधित अधिकारियों द्वारा नियमानुसार उचित कार्रवाई करने हेतु आदेशित करें। इसके साथ ही प्राप्त कई आवेदनों के विरुद्ध वरीय पदाधिकारी नामित कर जांच हेतु निर्देशित किया है। साथ ही जांच पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि प्राप्त आवेदन को अधिकतम सात दिनों में जांच करते हुए दोषी कर्मी, पदाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई हेतु प्रेषित करे।जनता दरबार में कई व्यक्ति परिमार्जन के संबंध में आवेदन दिए जिसपर जिला पदाधिकारी ने संबंधित अंचलाधिकारी एवं राजस्व पदाधिकारी को सख्त निर्देश दिया कि परिमार्जन हेतु लंबित आवेदनों को तेजी से निष्पादन करें।आपदा विभाग के तहत विभिन्न लंबित आवेदन के विरुद्ध जांच करते हुए जिला आपदा पदाधिकारी उसे तेजी से अनुपालन करवाये। बिजली विभाग के बिजली बिल ज्यादा आने, घर का बिजली कनेक्शन जोड़ने सहित अन्य मामले पर जिला पदाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता बिजली पदाधिकारी को प्राप्त आवेदनों को जांच करते हुए अग्रेतर कार्रवाई करने का निर्देश दिए हैं। बिजली बिल ज्यादा आना तथा एवरेज बिल आना इत्यादि के मामले ज्यादा आ रहे हैं, जिला पदाधिकारी ने कहा कि उस एरिया के संबंधित जे०ई० से जांच करवाएं तथा खराब बिजली मीटर को बदलवाने का कार्य करे। जहां भी ज्यादा बिल आने की शिकायत है उसे जांच करवाकर मीटर बदले।जिले के कई जल स्रोतों यथा आहार, पइन, पोखर इत्यादि के जमीन को भरकर अतिक्रमण करने की लगातार शिकायत प्राप्त हो रही है। जिला पदाधिकारी ने सभी अंचलाधिकारी को सख्त निर्देश दिया कि यदि आपके क्षेत्र से जल स्रोत में अतिक्रमण होने की सूचना मिलती है तो उसे तुरंत जांच कराएं इसके अलावा जिला पदाधिकारी एवं अन्य माध्यम से जो आवेदन प्राप्त हो रहे हैं उसके आलोक में निश्चित तौर पर भौतिक रूप से निरीक्षण करें।जल स्रोत के जमीन में कहीं अतिक्रमण पाया जाता है तो निरीक्षण के पश्चात तुरंत प्राथमिकी दर्ज करते हुए संबंधित जल स्रोत के भूमि को अतिक्रमण मुक्त करावे। इस कार्य में थोड़ी सी भी शिथिलता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मसौढ़ी में पटना पुलिस के द्वारा खोला गया नया ओपी

प्रात : किरण संवाददाता

मसौढी। मसौढ़ी के लहसुना गांव में पटना पुलिस के द्वारा शुक्रवार को लहसुना ओपी थाने का उद्घाटन सिटी एसपी पूर्वी पटना संदीप सिंह के द्वारा किया गया। मौके पर मसौढ़ी एएसपी शुभम आर्य समेत मसौढ़ी थाना के थानाध्यक्ष संजय कुमार समेत सभी पदाधिकारी मौजूद थे।बता दें कि, ओपी थाना खोलने का मुख्य उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच एक नजदीकी रिश्ता बनाया जा सके ताकी इलाके में कोई भी गलत गतिविधि या कोई भी आपराधिक गतिविधि न घट सके। मौके पर पहुंचे सिटी एसपी पूर्वी पटना संदीप सिंह ने कहा कि हमारा शुरू से ही यह प्रयास रहा है

कि हम जनता के बीच नजदीक से रहकर उनकी समस्याओं का समाधान कर सकें।इसी के मद्देनजर आज यह ओपी का अनावरण किया गया है। ओपी खुलने की वजह से यहां आस-पास के लोगों को काफी सहूलियत होगी। क्योंकि इस इलाके का मसौढ़ी थाना यहां से 15,16 किलोमीटर दूरी पर है। जिसकी वजह से लोगों को अपनी समस्याओं को पुलिस तक पहुंचाने में काफी समय लग जाता है।वहीं नजदीक में ओपी होने की वजह से लोग अपनी समस्याओं का निवारण जल्द से जल्द करवा सकेंगे। साथ ही गांव में ओपी होने की वजह से पुलिस और जनता के बीच एक नजदीकी रिश्ता भी कायम हो सकेगा। जिससे कि अपराध पर पूरी तरह से नियंत्रण लग सकेगा।

युवाओं के सहयोग से वर्ष 2047 तक विकसित भारत का सपना होगा साकार: एसडीओ

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। शुक्रवार कोयुवाओं की सामाजिक टीम फेस ऑफ फ्यूचर इंडिया एवं नेहरू युवा केंद्र छपरा (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार) के संयुक्त तत्वाधान में छपरा शहर के भागवत विद्यापीठ स्कूल में युवा संवाद इंडिया/-2047 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित एसडीओ सदर छपरा संजय कुमार राय सचिव रामकृष्ण मिशन आश्रम स्वामी अतिदेवानंद महाराज पुलिस सार्जेंट प्रभा कुमारी महिला हेल्पलाइन की परियोजना प्रबंधक श्रीमती मधुबाला महिला थाना छपरा की थानाध्यक्ष हेमलता यूथ आइकन इंजीनियर चांदनी प्रकाश रिबेल स्पोकन इंग्लिश के संस्थापक विक्की आनंद एडवोकेट राजीव कुमार सिंह भागवत विद्यापीठ के प्रचार्य अमरेंद्र कुमार नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी रश्मि शबनम गुप्ता लेखापाल सत्यनारायण प्रसाद यादव फेस ऑफ फ्यूचर इंडिया के अध्यक्ष मंटू कुमार यादव ने

संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर एवं युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद के तैल्य चित्र पर माल्यार्पण कर किया आगत अतिथियों के स्वागत में भागवत विद्यापीठ के बच्चों ने स्वागत गान की प्रस्तुति दी तत्पश्चात आगत अतिथियों के स्वागत फेस ऑफ फ्यूचर इंडिया के सदस्यों द्वारा प्रतीक चिन्ह देकर किया गया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण जिला युवा अधिकारी रश्मि शबनम गुप्ता ने दिया जिसमें उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में यदि सभी युवा एक साथ मिलकर एक नए भारत के सपने को साकार करने के लिए कार्य करें तो हम वर्ष 2047 हमने जो विकसित भारत का सपना देखा है उसे अवश्य पा लेंगे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित एसडीओ सदर छपरा संजय कुमार राय ने कहा कि युवाओं के हाथ में ही देश का भविष्य है अगर युवा चाहे तो भारत को गुलामी की दास्तां से वह गुलामी जो आज भी आजादी के इतने वर्ष बाद भी हमें जकड़ी हुई है से मुक्ति दिला सकते हैं वही स्वामी अतिदेवानंद महाराज जी ने कहा कि युवा यदि विवेकानंद के रास्ते पर चले तो हम भारत को सशक्त भारत बना सकते हैं यूथ आइकन चांदनी प्रकाश ने कहा कि हम सबको अभी से ही अपने देश निर्माण के बारे में सोचना होगा तभी जाकर हम वर्ष 2047 तक पंच प्रण का जो लक्ष्य है उसे हासिल कर पाएंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से फेस ऑफ फ्यूचर इंडिया के कोषाध्यक्ष प्रिंस कुमार जिला संयोजक मकेशर पंडित राष्ट्रपति से सम्मानित कुमारी अनिषा गिरजा कुमारी मयंक कुमार पूर्व एनवाईवी संजीव कुमार काजल कुमारी कृष्णा कुमारी नंदनी कुमारी प्रियंका कुमारी अनु कुमारी अंजली कुमारी निधि कुमारी सहित सैकड़ों युवा उपस्थित थे कार्यक्रम में मंच संचालन प्रसिद्ध संचालक संजय भारद्वाज ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन नेहरू युवा केंद्र के लेखापाल सत्यनारायण यादव ने किया।

मढ़ौरा में धान की रोपनी नहीं हो सकी है अब तक पांच प्रतिशत भी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। मढ़ौरा प्रखंड छेत्र में अभी तक 5 प्रतिशत तक भी नहीं हो पाई है धान की रोपनी धान की फसल को लेकर किसान काफी परेशान और चिंतित हैं उनकी चिंता और बढ़ती जा रही है। क्योंकि जून में तो थोड़ी बारिश हुई लेकिन जुलाई में अभी तक बारिश नहीं हो पाई है। सिर्फ बादल ही मंडरा रहे हैं।

मढ़ौरा प्रखंड के किसानों का कहना है कि मढ़ौरा प्रखंड ग्रामीण क्षेत्रों में कोई भी सरकारी नलकूप ठीक ढंग से काम नहीं करता है और कुछ किसानों के पास बिजली चालीस बोरिंग का है। किंतु किसान फीडर में बहुत कम बिजली की सप्लाई किए जाने की वजह से बोरिंग से उनकी सिंचाई नहीं हो पा रही है। किसानों का मानना है कि अगर समय से किसान फीडर को समुचित बिजली की आपूर्ति की जाए तो किसानों को कुछ राहत मिल सकती है वरना डीजल पंप से सिंचाई कर रोपनी करना काफी महंगा होगा मढ़ौरा के किसानों का कहना है। डीजल मांगा होने के कारण खेतों में पानी के लिए किसानों को काफी परेशानी हो रही है उन्हें करीब 150 रुपए प्रति घंटा की दर से लेवाही के लिए खेत में पानी खरीदना पड़ रहा है जिस कारण किसानों को समस्याएं हो रही है। मढ़ौरा के समाजसेवी हर्षवर्धन दीक्षित का कहना है कि सरकारी स्तर पर रोपनी के झूठे आंकड़े प्रस्तुत किए जा रहे हैं किंतु हकीकत में मढ़ौरा प्रखंड क्षेत्र में धान की रोपनी फिलहाल 5 से 6 प्रतिशत तक भी नहीं हो सकी है यहां के किसान धान के बिचड़ा को बचाने के लिए रात और दिन पानी खरीद कर पटवन कर जीवित रख रहे हैं। और सभी किसान बारिश के इंतजार में जुटे हैं ताकि समय रहते धान की रोपनी हो सके।

कुलपति की अध्यक्षता में विकसित बिहार के 7 निश्चय के अन्तर्गत एक कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। शुक्रवार को जय प्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ फारूक अली की अध्यक्षता में विकसित बिहार के 7 निश्चय योजना के अंतर्गत एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसके तहत डीआरसी सी से काउंसिलिंग दल में संतोष कुमार सहायक प्रबंधक योजना, रोहित रंजन एवं गोविंद कुमार झा उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं आगत अतिथियों का स्वागत प्रोफेसर हरिश्चंद्र ने किया। औपचारिक उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रोफेसर फारूक अली ने सलाह दिया कि हमारे विश्वविद्यालय में विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र पीएचडी कर रहे हैं। क्या उनको यह लाभ मिलेगा? कुलपति ने कहा कि यदि सरकार से बात करके इन छात्रों को इस योजना का लाभ मिल सकता

तो जयप्रकाश विश्विद्यालय के लिए बहुत बडी उपलब्धि होती।संतोषकुमार सहायक प्रबंधक (योजना)ने कहा कि मुख्यमंत्री ने 34 नये कोर्स को शामिल किया है एक बार पत्र मिलने के बाद ही बता पाना सम्भव होगा।उन्होने बताया कि 2 अक्टूबर 2016 से यह योजना प्रारंभ है। इस योजना का हिस्सा बनने के लिए पीजी इतिहास विभाग से एनएसएस एनसीसी के कैडेट और स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं से आह्वान किया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर यू एस ओझा डायरेक्टर आई क्यू ए सी, प्रोफेसर विश्वामित्र पांडेय स्पोर्ट्स डायरेक्टर, प्रोफेसर सैयद रजा अध्यक्ष इतिहास विभाग, प्रोफेसर अनीता अध्यक्ष स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग प्राचार्य रामजयपाल महाविद्यालय प्रोफेसर इरफान अली भी मौजूद थे।

11 सूत्री मांगों को ले आशा का आंदोलन जारी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। मांझी में बिहार में मानदेय वृद्धि समेत 11 सूत्री मांगों को लेकर चल रहा आशा बहनों का आंदोलन जायज है। हम इनका समर्थन करते हैं। महागठबंधन की सरकार ने विधान सभा चुनाव के वक्त वादा किया था कि आशा के साथ न्याय करेंगे। महागठबंधन की सरकार को हम बाहर से समर्थन दे रहे हैं। आशा बहनें आज सड़क पर खड़ी हैं।

बिहार सरकार अपने वादे को पूरा करे। उक्त बातें शुक्रवार को मांझी सीएचसी पर हड़ताली आशा से मिलने के बाद स्थानीय माकपा विधायक डॉ सत्येंद्र यादव ने कही। इस दौरान आशा, ममता व कुरियर कर्मियों ने संयुक्त रूप से मांगों से सम्बंधित एक ज्ञापन भी विधायक को

दिया। डॉ सत्येंद्र यादव ने मांग का समर्थन करते हुए कहा कि आशा की उचित मानदेय, राज्य-कर्मी का दर्जा समेत सभी मांगों को स्वास्थ्य मंत्री एवं मुख्यमंत्री को मान लेनी चाहिए। विधायक ने आशा समेत हड़ताली सभी कर्मियों के मांग को पूरी मजबूती के साथ बिहार सरकार के समक्ष रखने के लिए आश्वस्त किया। वहीं उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि भाजपा हॉस्पिटल, स्कूल- कॉलेज समेत सभी संस्थान को प्राइवेट कंपनी को दे रही है। अगर वैसी स्थिति आई तो आपकी नौकरी भी सलामत नही रहेगी। भाजपा कर्मचारियों की सबसे बड़ी शत्रु है। मौके पर शैलेश यादव, बटेश्वर कुशवाहा, कन्हैया यादव, रंजन कुमार ,विकेश कुमार, विनय यादव ,आबिद हुसैन ,पप्पू सिंह, छोटू लाल, प्रह्लाद यादव आदि लोग मौजूद थे।

मोटा अनाज है श्री अन्न: कुलपति

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जयप्रकाश विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई नंदलाल सिंह महाविद्यालय जैतपुर में वनस्पति विभाग द्वारा इंटरनेशनल मिलेट ईयर 2023 के अवसर पर बोलते हुए जेपीयू के कुलपति प्रोफेसर फारूक अली ने बताया कि मोटे अनाज श्री अन्न के रूप में होते हैं। साथ ही मिलेट के औषधीय गुणों तथा विभिन्न बीमारियों के रोकथाम में इनकी उपयोगिता पर भी कुलपति ने प्रकाश डाला। वही प्रोफेसर श्वेता मिश्रा राजेंद्र केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के द्वारा पोषक अनाज के विभिन्न आयामों पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया गया। वेबीनार के दूसरे सत्र का संचालन राकेश कुमार के द्वारा किया गया जिसमें प्रोफेसर रत्नेश कुमार झा के द्वारा पोषक अनाज पर जलवायु परिवर्तन, बाढ़, भूमि, खनिज पदार्थ आदि पारिस्थितिक तंत्र के प्रभाव एवं उपयोगिता पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया। इस वेबीनार में की नोट के स्पीकर का डॉ. रूबी चंद्र द्वारा किया गया। बताते चलें कि डॉ. चंद्रा अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के प्रारंभ एवं उसके वर्तमान पर प्रकाश डाला। वेबीनार में मुख्य रूप से डॉ शेखर कुमार, डॉ जी डी राठौर, डॉ. एस बी ठाकुर, डॉ उपेंद्र कुमार, डॉ सी बी राम, डॉ प्रवीण पंकज, डॉ. धनंजय कुमार सिंह, डॉ. सुनील कुमार सिंह, डॉ. इंदु कुमारी, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. राकेश रंजन एवं अन्य की सहभागिता रही। वेबीनार के अंत में डॉ आशीष कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कुलपति द्वारा कॉलेज के सभी शिक्षकों के प्रशंसा के साथ अच्छा कार्यक्रम संपन्न कराने के लिए आभार व्यक्त किया गया। वहीं इस वेबीनार की अध्यक्षता नंदलाल सिंह महाविद्यालय कॉलेज के प्राचार्य डॉ केपी श्रीवास्तव ने किया।

राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन द्वारा भाजपा जिलाध्यक्ष का अभिनंदन एवं मिलन समारोह पर हुई चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

गया ।राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन कार्यालय में 24 जुलाई को अटल सभागार पटना में मिलन समारोह के तैयारी हेतु हुए बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश उर्फ चिंटू का हार्दिक अभिनन्दन किया गया है। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष मनीष पंकज द्वारा माला पहनाकर, विष्णु चरण चिन्ह, देकर स्वागत किया गया है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए युवाओं को आगे आने की जरुरत है और मानवाधिकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मनीष पंकज के भाजपा में शामिल होने से मगध में पार्टी काफी मजबूत होगी और वर्तमान सरकार को उखाड़ फेंकने में मील का पत्थर साबित होगी। इस अवसर पर सुनील बम्बई, कुंदन सिंह, मुन्ना यादव, प्रदीप कुमार मंटु,, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सरयु ठाकुर, राजकुमार राजु, आशीष कुमार, धर्मेन्द्र गुप्ता, अशोक लाल , मिथलेश मांझी इत्यादि मौजूद थे।

विभाग के मनमानी के कारण नहीं मिल रही बिजली

प्रात : किरण संवाददाता

मसौढी। मसौढ़ी प्रखंड के खरॉट पंचायत में ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ता बिजली कटौती से लगातार परेशान हैं। दरियापुर पावरग्रिड के कर्मियों की मनमानी रवैया ने उपभोक्ताओं को लगातार रुलाने का काम कर रहा है। उपभोक्ताओं की शिकायत है कि पावरग्रिड में कार्यरत कर्मी ग्रामीण क्षेत्र की बिजली को काट देते हैं , लोगों का कहना है कि बगल के फिल्टर शाहाबाद में अच्छा बिजली आपूर्ति होता है लेकिन दरियापुर रीड का इन दिनों विद्युत आपूर्ति का कुछ और ही कहानी है विद्युत उपभोक्ता का कहना है कि इस भीषण गर्मी के कारण एक तो भगवान के मार से किसान परेशान हैं दूसरी और विद्युत कर्मी किसानों उपभोक्ता को परेशान कर रहे हैं। बिजली की आपूर्ति लगातार शानित रहने से घरों में लगे समरसेबल भी नहीं चल पा रहे हैं। जिससे लोगों को पानी पीने में भी परेशानी हो रही है। खरॉट पंचायत के मुखिया कुमारी बबिता सिन्हा ने विद्युत एसडीओ को इस जन समस्या के निवारण के लिए पत्र दिया है आगरा किया गया है कि मेरे पंचायत वासियों को इस कष्ट से छुटकारा जल्द दीया जाए।

लोगों का कहना है कि लगातार बिजली कि आंख मिचौनी से उपभोक्ताओं का विभाग के प्रति आक्रोश देखा जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली विभाग के कर्मियों की मनमानी रवैये के कारण कभी ब्रेक डाउन या फिर कभी शट डाउन कहकर ग्रामीण इलाकों में प्रतिदिन बिजली बाधित कर दी जाती है।उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि व्यवस्था में सुधार नहीं लाई गई तो आंदोलन किया जाएगा।

एमएलसी के मां के निधन पर राज्यसभा सांसद,युवा राजद नेता ने शोक संवेदना व्यक्त किया

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। मधुबनी राजद जिला अध्यक्ष बीर बहादुर राय एवं युवा राजद के प्रदेश महासचिव आसिफ अहमद ने युवा राजद के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह विधान पार्षद सदस्य कारी सोहेब की माता जी साबरा खातून के निधन की खबर पाकर उनके पैतृक गॉव पहुँचकर शोक संतप्त परिजनों से मिलकर संवेदना प्रकट किया। एवं विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित कर ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने की कामना की।

शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि लंबी बीमारी के बाद इलाज के दौरान दिल्ली में निधन की खबर अत्यंत दुखद है! वे एक धर्म परायण महिला थी।उन्होंने एमएलसी के मां साबरा खातून के निधन को दुखद बताते हुए अपने शोक संदेश में कहा कि मां का निधन असहनीय और अपूरणीय क्षति होता है।मां का स्थान दुनिया में दूसरा कोई नहीं ले सकता।उन्होंने दिवंगत आत्मा की चिर शांति की प्रार्थना की।वही पूर्व विधान पार्षद विनोद चौधरी के निधन पर राज्यसभा सांसद डॉ.फैयाज अहमद एवं युवा राजद के प्रदेश महासचिव आसिफ अहमद ने शोक जताया है।उन्होंने कहा कि विनोद चौधरी के निधन से राजनीति एवं सामाजिक क्षेत्रों में अपूरणीय क्षति हुई है जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती है। शोक व्यक्त करने वालों में युवा राजद के जिला अध्यक्ष इंद्रभूषण यादव,जिला प्रवक्ता इंद्रजीत राय,अरुण कुमार चौधरी, युवा जिला महासचिव जक्की अहमद,पम्मु, संजय कुमार यादव, जहागीर अली, मो. गुलजार अहमद, मिश्रीलाल यादव,धर्मेंद्र कुमार यादव,लालबाबू यादव,उमेश राम, मो असरफ,जितेंद्र कुमार जीतू, प्रखंड अध्यक्ष मनोज चौधरी, कार्यकारी अध्यक्ष रामबाबू यादव, प्रखंड अध्यक्ष जयजय राम यादव,अजीतनाथ यादव, मो.प्यारे,संजीव कुमार यादव, अरुण यादव,रामनरेश यादव, रमेश यादव,मो.कामिल, श्रवन कुमार यादव,विष्णु देव यादव, टेकन यादव,विनोद यादव,मनोज यादव, नसरुल्लाह साहब,अफरोज मदनी,रिंकू कुमार सहित अन्य शामिल हैं।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सदस्यता अभियान में उमड़ा जन सैलाब

बेगूसराय। शुक्रवार को जिला अध्यक्ष प्रेम कुमार पासवान ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास की सदस्यता अभियान चल रहा है। जिले के नगर निगम बेगूसराय वार्ड -45 के बाजितपुर में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) का सदस्यता अभियान चला। जिसमें हजारों लोगों ने पार्टी की सदस्यता ली। पूर्व विधायक राम विनोद पासवान ने कहा कि पद्म भूषण स्वर्गीय रामविलास पासवान के सपनों को साकार करना ही हम सबों लक्ष्य है। पंचायती राज के प्रदेश अध्यक्ष इंदिरा देवी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के विजन डॉक्यूमेंट और बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट को जन-जन तक पहुंचाना ही हमलोगों का कर्तव्य है। जिला अध्यक्ष प्रेम कुमार पासवान ने कहा कि पद्म भूषण रामविलास पासवान सभी धर्म के गरीब लोगों के प्रति जो स्नेह था। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सदस्य बनें। समस्याएं विभिन्न प्रकार के होते हैं। पार्टी में क्यों रहना चाहिए तो समझिए पार्टी कमजोर लोगों के लिए हर समय सहारा बनकर खड़ी रहती है।अगर कमजोर लोगों को कोई साथ आता है तो पार्टी मदद करती है। जब भी आम लोगों को पुलिस प्रशासन गलत तरफ से मजबूर कर देती है, तब लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) मदद के रूप में सबसे आगे आती है। उन्होंने लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) का सदस्य बनने और 24 घंटा सेवा में पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारी से लेकर वार्ड पदाधिकारी तक से सेवा लेने की अपील की। इस सदस्यता अभियान में पूर्व प्रदेश महासचिव बालमुकुंद सिंह, युवा जिला अध्यक्ष अजय कुमार, न्यूटन कुमार, कार्यकारी नगर अध्यक्ष कुंदन कुमार, जिला प्रवक्ता राजेश कुमार, जिला महासचिव अजीत कुमार, मटिहानी विधानसभा अध्यक्ष संजय चौधरी, जिला सचिव राजेश रंजन उर्फ भोला, दीपक पासवान, मोहम्मद कासिम, रंजन पासवान, बेगूसराय प्रखंड अध्यक्ष शिवकुमार शर्मा, मटिहानी प्रखंड अध्यक्ष गोपाल सिंह, युवा प्रखंड अध्यक्ष सनी कुमार सहित बाजितपुर के तमाम महिला व पुरुष मौजूद थे।

सम्पादकीय

विपक्षी गठबंधन की सीमाएं

यह हमारा सरोकार नहीं है कि विपक्ष को गठबंधन के मोर्चे तक लाने वाले नीतीश कुमार इंडिया से नाखुश हैं और असहज भी हैं। खुद उन्होंने ऐसी अटकलों को खारिज किया है और दोहराया है कि विपक्ष एकजुट आगे बढ़ेगा और 2024 की लड़ाई जीतेगा। अलबत्ता विपक्षी गठबंधन के कुछ चेहरे और बयान दो दिन में ही सार्वजनिक होने लगे हैं कि राज्यों के राजनीतिक गठबंधन और उनके संतुलन भिन्न होते हैं, लिहाजा राज्यों में चुनावी गठबंधन स्थानीय नेता और काडर ही तय करेंगे। बड़ा सहज सवाल है कि राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया की स्थापना के तुरंत बाद, बेंगलुरु में ही, सीपीएम के महासचिव सीताराम येचुरी को यह बयान देने की क्या जरूरत थी कि पश्चिम बंगाल में हम लोकतंत्र की हत्या करने वाली तृणमूल कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं कर सकते? येचुरी अपनी पार्टी के शीर्षस्थ नेता हैं, लिहाजा उनके बयान के मायने समझे जा सकते हैं। कुछ ऐसे ही बयान पंजाब से आए हैं, जिनमें राज्य में आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के बीच गठबंधन की किसी भी संभावना को खारिज किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और उनके पार्टी प्रवक्ता कह रहे हैं कि हमने राज्यों के सामंजस्य को एक तरफ रखा है। इंडिया की लड़ाई देश, संविधान, लोकतंत्र बचाने की है।

उसके मद्देनजर ही समविचारक दल एक साझा मंच पर जमा हुए हैं और यह मोर्चा बना है। हम एक हकीकत स्पष्ट कर दें कि न तो देश को कुछ हुआ है और न ही संविधान, लोकतंत्र खत्म होने जा रहे हैं। इनसे ज्यादा शक्तिशाली देश में और कोई ताकत नहीं है। प्रधानमंत्री भी हैं, तो इन्हीं की व्यवस्था के मुताबिक हैं। फिजूल मिथक थोपे जा रहे हैं। देश की विभिन्न सरकारों ने, अपने-अपने कालखंड में, ऐसे निर्णय जरूर लिए होंगे, जिनके मद्देनजर तत्कालीन विपक्ष ने भ्रामक व्याख्याएं कर जनता को डराया होगा! हमें तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का आपातकाल वाला तानाशाही ऐलान कभी नहीं भूलना चाहिए, क्योंकि तब पहली और आखिरी बार संविधान, लोकतंत्र बंधक बना लिए गए थे। न्यायपालिका में मनमाफिक हस्तक्षेप किए गए, भारतीय प्रेस परिषद को भंग कर उस पर ताले लटका दिए गए, विपक्ष के नेताओं और कुछ पत्रकारों को 19 महीने तक जेल में ठूंस दिया गया था। हम न तो अतीत को दोहराने के पक्षधर हैं और न ही प्रधानमंत्री मोदी को एक लचीला, समावेशी, सभी की सुनने वाला राष्ट्रीय नेता मानते हैं। फिलहाल देश का यथार्थ यह है कि संविधान, लोकतंत्र, अदालत, संवैधानिक संस्थाएं और समग्रता में भारत देश खतरे में नहीं है। यदि ह्यइंडियाह्न की गठबंधनकारी दलीलों को सुनें, तो संविधान और लोकतंत्र के लिए, राज्यों की जनता भी, वोट देगी।

वे लोग इंडिया को वोट देंगे अथवा तितर-बितर, विरोधाभासी दलों के पक्ष में मतदान करेंगे? यदि देश का जनमत ही विभाजित होता है, तो फिर विपक्ष की साझा, सामूहिक लड़ाई का निष्कर्ष क्या रहेगा? हमारा सवाल यह भी है कि कहीं इंडिया गांठों वाला गठबंधन तो साबित नहीं होगा? अंतर्विरोधों की स्थितियां और भी हैं। मसलन-शरद पवार, लालू यादव, अखिलेश यादव, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन आदि विपक्ष के बड़े नेताओं को, प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, बोलने का मौका नहीं दिया गया। स्टालिन की पार्टी द्रमुक 23 लोकसभा सांसदों के साथ दक्षिण भारत की सबसे बड़ी और इंडिया की दूसरे स्थान की पार्टी है। स्टालिन का रुख पटना, बेंगलुरु में एक जैसा ही रहा है। राजनीतिक और चुनावी सवाल यह भी है कि इंडिया का सीधा मुकाबला भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए से है और यह हिंदी पट्टी में कड़ा मुकाबला दिखेगा। तो उन राज्यों, इलाकों में इंडिया की स्वीकृति कितनी होगी? दरअसल हम देश को इंडियाऔर भारत में बांट कर देखने के आदी नहीं हैं। हमारी शहर बनाम गांव वाली सोच भी नहीं है। यह जरूर मानते हैं कि हमारे गांव अब भी बहुत पिछड़े हैं। तो फिर अंग्रेजी बनाम हिंदी से उनके क्या सरोकार हो सकते हैं? इंडिया और भारत के मायने उनके लिए देश से ही हैं, जिसके हम सभी नागरिक हैं। बहरहाल इंडिया मीडिया में छपने लगा है और नई दिल्ली के बाराखंभा रोड के थाने में एक शिकायत भी दर्ज कराई गई है।

शिक्षा के मंदिर में भेदभाव की भावना

सोनम लववंशी

शिक्षा व्यक्तित्व निर्माण का आधार स्तंभ है। शिक्षण संस्थान राष्ट्र निर्माण की मजबूत कड़ी है, लेकिन जब शिक्षा के मंदिर से ही जातिगत भेदभाव की नींव पड़ने लगे, तो समझा जा सकता है कि हमारी शिक्षण पद्धति और हम किस दिशा में आगे बढ़ चले हैं। हमारे देश के संविधान की प्रस्तावना हम भारत के लोग से शुरू होती है। संविधान में धर्मनिरपेक्ष, पंथनिरपेक्ष, समाजवादी और लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने की वकालत की जाती है। जिसका सीधा सा अर्थ है कि लोकतंत्र का मूल्य संविधान में निहित है और संविधान छुआछूत और जातिगत भेदभाव का निषेध करता है। पर विडंबना देखिए आजादी के अमृत काल में भी देश छुआछूत के भंवरजाल में फंसा हुआ है। जातिवाद की जड़ें हमारे राष्ट्र को कमजोर कर रही है। देश के उच्च शिक्षा संस्थान भी जातीय भेदभाव से पीड़ित हैं।

यही वजह है कि देश की न्यायपालिका को अब इस मुद्दे पर अपनी चिंता व्यक्त करनी पड़ रही है। बीते दिनों विश्वविद्यालयों में बढ़ती भेदभाव की घटनाओं पर टिप्पणी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, विश्वविद्यालय परिसरों एवम शिक्षा संस्थानों में अनुसूचित जाति-जनजाति के छात्रों के साथ भेदभाव बंद करने की दिशा में कदम उठाने की आवश्यकता है। गौरतलब है कि यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट ने इंदिरा जयसिंह द्वारा दायर एक याचिका की सुनवाई के दौरान की। साथ ही कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ऐसे दुर्भाग्यपूर्ण रवैये पर अंकुश लगाने बाबत प्रस्ताव पारित करे। दरअसल याचिकाकर्ता के अनुसार, 2004 से लेकर अब तक उपेक्षित वर्ग के 20 से अधिक शोधार्थी एवम छात्रों ने आत्महत्या की है और यही वजह है कि अब विश्वविद्यालय और शिक्षण संस्थान की गरिमा रसातल में जा रही है।

संविधान के अनुच्छेद-14 और 15 में समता, समानता व व्यक्तित्व सम्बंधी स्वतंत्रता की बात कही गई है। इतना ही नहीं अनुच्छेद-21 सभी नागरिकों को सम्मानपूर्वक जीवन जीने की स्वतंत्रता प्रदान करता है, लेकिन जब शिक्षण संस्थानों में ही समता, समानता और अधिकारों की अवहेलना होनी शुरू हो जाए। फिर सभ्य समाज और उसके नैतिक मूल्यों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। शिक्षा, मूल्यों पर आधारित होनी चाहिए, लेकिन शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव मूल्यों, नैतिकता और संस्कारों को धूमिल कर रहे हैं। उच्च शिक्षा ही व्यक्ति में आत्मसम्मान और जागरूकता का निर्माण करती है। यही वजह है कि दलित, आदिवासी और पिछड़ी जातियों के बच्चे बड़े सपने लेकर आईआईटी, आईआईएम, आईआईएमसी और एम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में पढ़ाई करने का सपना सँजोते है। उन्हें लगता है कि शिक्षित हो कर वे जातिगत भेदभाव की खाई को कम कर देंगे। ये संस्थाएं उन्हें समाज में बराबरी का दर्जा दिलाएगी, लेकिन अनुभव इसके विपरीत दिखते है। कई बार तो छात्र अपनी पढ़ाई तक पूरी नहीं कर पाते है और उन्हें आत्महत्या जैसे कदम तक उठाने को मजबूर कर दिया जाता है। 2008 में हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी में छह दलित छात्रों ने आत्महत्या की। स्कूल ऑफ फिजिक्स के एक दलित पीएचडी छात्र पी. सेंथिल ने 2008 में जहर खाकर जान दे दी। 2013 में मदारी वेंकटेश नामक छात्र ने आत्महत्या की, क्योंकि उन्हें विश्वविद्यालय में शामिल होने के ढाई साल बाद भी उनके शोध की निगरानी के लिए कोई पर्यवेक्षक उपलब्ध नहीं कराया गया था। 2016 में पीएचडी स्कॉलर रोहित वेमुला और 2019 में डॉ. पायल तड़वी ने आत्महत्या की। साल 2007 में, नई दिल्ली में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में एससी/एसटी छात्रों के उत्पीड़न के आरोपों की जांच के लिए एक कमेटी गठित की गई थी। केंद्र सरकार द्वारा गठित इस समिति ने इन छात्रों के खिलाफ बड़े पैमाने पर भेदभाव पाया।

यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष सुखदेव थोराट की अध्यक्षता वाली समिति ने एम्स में एससी/एसटी छात्रों का सर्वेक्षण किया और पाया कि शिक्षक भी इस भेदभाव में भागीदार हैं। देश भले आजादी के 75 वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है, लेकिन संकीर्ण और सामंतवादी सोच विश्वविद्यालय परिसरों में भी घर कर चुकी है। वर्ष 2012 में यूजीसी इक्विटी नियम लागू किया गया था। जिसका उद्देश्य जाति उत्पीड़न को रोकना था, लेकिन यह प्रयास भी भेदभाव रोकने में नाकाफी साबित हुआ। ऐसे में अब सामूहिक चेतना में बदलाव से ही शैक्षणिक संस्थान भेदभाव से मुक्त हो पाएंगे। वरना मंगल, चांद कहीं भी मानव पहुँच जाए, लेकिन संविधान, नैतिकता और मानवीय मूल्य धरे के धरे ही रह जाएंगे।

राजनीतिक चंदे की पारदर्शी व्यवस्था बनाना जरूरी

लोकतंत्र की एक बड़ी विसंगति या कहे समस्या उस धन को लेकर है, जो चुपचाप, बिना किसी लिखा-पढ़ी के दलों, नेताओं और उम्मीदवारों को पहुंचाया जाता है, यानी वह काला धन, जिससे देश के बड़े राजनीतिक आयोजन चलते हैं राजनैतिक रैलियां, सभाएं, चुनाव प्रचार होता है। उम्मीदवारों के साथ-साथ मतदाताओं को लुभाने एवं उन्हें प्रलोभन देने में इस धन का उपयोग होता है। जब से चुनावी बॉन्ड से राजनीतिक दलों को चंदा देने का प्रचलन शुरू हुआ है, राजनीतिक दलों को इससे मिलने वाली राशि में काफी इजाफा हुआ है। देश के सात राष्ट्रीय और चौबीस क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की ओर से सार्वजनिक किए गए आमदनी के ब्योरे से यह खुलासा हुआ है। एडीआर द्वारा किए गए इस ब्योरे के विश्लेषण से पता चला है कि वर्ष 2017-18 में जब से चुनावी बॉन्ड योजना शुरू हुई, तब से अब तक राजनीतिक दलों को प्राप्त चंदे की कुल रकम 16,347 करोड़ रुपए में 55.9 फीसदी हिस्सा चुनावी बॉन्ड का है। कारपोरेट चंदे का हिस्सा महज 28.7 फीसदी और अन्य स्रोतों से प्राप्त रकम मात्र 16.03 फीसदी है। किसी भी कीमत पर चुनाव जीतना आज राजनीति का सामान्य लक्षण हो गया है। अगर कोई चुनाव जीत जाता

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

वर्ष 2024 के आम चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं,राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे का मुद्दा एक बार फिर गरमा रहा है। लोकतंत्र की एक बड़ी विसंगति या कहे समस्या उस धन को लेकर है, जो चुपचाप, बिना किसी लिखा-पढ़ी के दलों, नेताओं और उम्मीदवारों को पहुंचाया जाता है, यानी वह काला धन, जिससे देश के बड़े राजनीतिक आयोजन चलते हैं राजनैतिक रैलियां, सभाएं, चुनाव प्रचार होता है। उम्मीदवारों के साथ-साथ मतदाताओं को लुभाने एवं उन्हें प्रलोभन देने में इस धन का उपयोग होता है। जब से चुनावी बॉन्ड से राजनीतिक दलों को चंदा देने का प्रचलन शुरू हुआ है, राजनीतिक दलों को इससे मिलने वाली राशि में काफी इजाफा हुआ है। देश के सात राष्ट्रीय और चौबीस क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की ओर से सार्वजनिक किए गए आमदनी के ब्योरे से यह खुलासा हुआ है। एडीआर द्वारा किए गए इस ब्योरे के विश्लेषण से पता चला है कि वर्ष 2017-18 में जब से चुनावी बॉन्ड योजना शुरू हुई, तब से अब तक राजनीतिक दलों को प्राप्त चंदे की कुल रकम 16,347 करोड़ रुपए में 55.9 फीसदी हिस्सा चुनावी बॉन्ड का है। कारपोरेट चंदे का हिस्सा महज 28.7 फीसदी और अन्य स्त्रोतों से प्राप्त रकम मात्र 16.03 फीसदी है।

किसी भी कीमत पर चुनाव जीतना आज राजनीति का सामान्य लक्षण हो गया है। अगर कोई चुनाव जीत जाता है तो उसने चाहे जितने गलत और चाहे जितने क्षुद्र तरीके अपनाए हों, चाहे जिन हथकंडों का सहारा लिया हो, उसे कुछ भी गलत नजर नहीं आता, उसे कोई अपराध-बोध नहीं सताता, वह मान कर चलता है कि उसके गुनाहों पर परदा पड़ गया है। जबकि लोकतंत्र तभी फूलता-फलता है जब चुनाव ईमानदार, स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी हों। दोहरा राजनीति चरित्र लोकतंत्र के लिये सबसे घातक है और ऐसे ही चरित्र की निष्पत्ति है राजनीतिक चंदे का एक नया स्वरूप चुनावी बॉन्ड। चंदा देने वाले कॉरपोरेट ऐसे धारक बॉन्ड खरीद सकते हैं और बिना पहचान बताए राजनीतिक दलों को चंदे के रूप में दे सकते हैं। चुनावी बॉन्ड आरबीआई जारी करता है। राजनीतिक पार्टियों को दान देने वाला बैंक से बॉन्ड खरीद सकेगा और दान देने वाला किसी भी पार्टी को बॉन्ड दे सकेगा। राजनीति चंदे पर नियंत्रण एवं उसकी पारदर्शिता कैसे संभव होगी? समस्या और गहरी होती हुई दिखाई दे रही है। गौरतलब है कि वर्ष 2017 में वित्त अधिनियम में बदलाव कर कंपनियों के लिए तीन साल के कुल लाभ का 7.5 फीसदी चुनावी चंदा देने की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई थी। उसके बाद कॉरपोरेट चंदे में कमी और चुनावी बॉन्ड से चंदे में बढ़ोतरी का ट्रेंड दिख रहा है। चुनावी चंदा 748 फीसदी (2017-18 से 2021-22 तक) बढ़ा है तो कॉरपोरेट चंदा मात्र 48 फीसदी। इस ट्रेंड से इतना तो कहा ही जा सकता है कि कॉरपोरेट चंदे की रकम अब बॉन्ड की ओर शिफ्ट हो रही है। जाहिर है, नियम में बदलाव से कंपनियों को अपनी सफेद कमाई का हिस्सा चुनावी चंदे में खर्च करने की अनिवार्यता समाप्त हो गई है। इन्हें पारदर्शिता की कमी के चलते चुनावी बॉन्ड से राजनीतिक दलों को उपकृत करना मुफीद लगने लगा है। उद्योग जगत के सहयोग के बिना चुनावी बॉन्ड के हिस्से में इतनी बड़ी रकम आना संभव नहीं है। तथ्य यह भी है कि चुनावी बॉन्ड से किसने किस दल को कितनी रकम दी है, इसका खुलासा करने का प्रावधान है ही नहीं। पिछले छह साल में चुनावी बॉन्ड से भाजपा को 5271.97 करोड़ रुपए (52 फीसदी), कांग्रेस को 952.29 करोड़ रुपए (61.54) और तृणमूल कांग्रेस को 767.88 करोड़ रुपए (93.27 फीसदी) रकम हासिल होना दानदाताओं की सहूलियत को ही दशार्ता है। इसे अच्छा चलन माना जा सकता था, बशर्ते समूची प्रक्रिया पारदर्शी होती, लेकिन राजनीतिक दलों की सुविधा के लिये ऐसी पारदर्शिता देखने को नहीं मिलती है।

अधिकतर राजनीतिकों का मकसद बस किसी तरह चुनाव जीतना और सत्ता हासिल करना हो गया है। चुनाव जीतने के लिए पानी की तरह पैसा बहाया जाता है, और सत्ता में आने पर पैसा बनाने के सारे हथकंडे अपनाए जाते हैं। देश के धन को जितना अधिक अपने लिए निचोड़ा जा सके, निचोड़ लो। देश के सौ रुपये का नुकसान हो रहा है और हमें एक रुपया प्राप्त हो रहा है तो बिना एक पल रुके ऐसा हम कर रहे हैं। भ्रष्ट आचरण और व्यवहार अब हमें पीड़ा नहीं देता। सबने अपने-अपने निजी सिद्धांत बना रखे हैं, भ्रष्टाचार की परिभाषा नई बना रखी है। देश में गहराई तक धंसी भ्रष्टाचार की जड़ों को राजनेताओं-कारोबारियों-बिचौलियों की ह्यतिकड़ीह्न खाद-पानी देती है। भ्रष्टाचार के खात्मे के लिए इस तिकड़ी को तोड़ना जरूरी है। चुनावी बॉन्ड व्यवस्था का एक उद्देश्य राजनीति में भ्रष्टाचार समाप्त करना था तो राजनीतिक दलों को चंदों में पारदर्शिता से दूर रखने की व्यवस्था आखिर क्यों कर की गई? बात-बात में तलवारें खींचते रहने वाले राजनीतिक दल अपने आर्थिक हित-अहित का ध्यान मिल-जुलकर ही रखते हैं। इस तरह तो भ्रष्टाचार का खात्मा मुश्किल है।

तात्कालिक राजनीतिक लक्ष्यों की पूर्ति के लिये दीर्घकालिक मूल्यों को नजरअंदाज कर देना वर्तमान राजनीति संस्कृति का केन्द्रीय भाव बन गया है। राजनीति का अपराधीकरण इसी प्रक्रिया के दौरान हुआ है। पहले सिर्फ कांग्रेस को इसका दोषी समझा जाता था, लेकिन आज शायद ही कोई राजनीति दल इससे बचा हो, जिस पर दाग नहीं लगा हो। एक जमाने में राममनोहर लोहिया कांग्रेस को भ्रष्टाचार की गंगोत्री कहा करते थे। लेकिन आज कौन-सी पार्टी है जो सार्वजनिक जीवन में शुचिता का पालन कर रही है? शोचनीय बात यह है कि अब भ्रष्टाचार के दोषी शर्मसार भी नहीं होते। इस तरह का राजनीतिक चरित्र देश के समक्ष गम्भीर समस्या बन चुका है। राजनीति की बन चुकी इस मानसिकता और भ्रष्ट आचरण ने पूरे लोकतंत्र और पूरी व्यवस्था को प्रदूषित कर दिया है। स्वहित और स्वयं की प्रशंसा में ही लोकहित है, यह सोच हमारी राजनीति में घर कर चुकी है। यह रोग राजनीति को इस तरह जकड़ रहा है कि हर राजनेता लोक के बजाए स्वयं के लिए सब कुछ कर रहा है। बीस हजार के नगद चंदे को दो हजार तक सीमित करने एवं चंदे की पारदर्शिता की वकालत करने वाली सरकार क्या सोचकर चुनावी बॉण्ड लेकर आयी थी? इससे हमारी राजनीति को चंदे के जरिए प्रभावित करने की कॉरपोरेट जगत की ताकत और बढ़ है। राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे में कॉरपोरेट जगत का हिस्सा बढ़ता गया है। पूर्व में कंपनियों के लिए राजनीतिक चंदा दे सकने की एक कानूनी सीमा तय थी, अब उन्हें चुनावी बांड के रूप में असीमित चंदा दे सकने की छूट है और इसका ब्योरा छिपाए रखने की इजाजत भी, तो राजनीतिक दलों पर किसका अंकुश होगा- जनता और कार्यकताओं का, या धनकुबेरों का?

राजनीति करने वाले सामाजिक उत्थान के लिए काम नहीं करते बल्कि उनके सामने बहुत संकीर्ण मंजिल है, वोटों की। ऐसी रणनीति अपनानी, जो उन्हें बार-बार सत्ता दिलवा सके, ही सर्वोपरि है। वोट की राजनीति और सही रूप में सामाजिक उत्थान की नीति, दोनों विपरीत ध्रुव हैं। एक राष्ट्र को संगठित करती है, दूसरी विघटित। अब जबकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में सक्रिय है तो उनके प्रयत्नों, नीतियों एवं योजनाओं में भी वैसा होता हुआ दिखाई देना चाहिए। कहीं उनकी भी कथनी और करनी में अन्तर न आ जाये? राजनीतिक चंदे को नियंत्रित करते एवं उसे पारदर्शी बनाने की वकालत करते-करते चुनावी बॉण्ड कहां से आ गया? क्योंकि यहां सवाल दुहरे मानदंडों का उतना नहीं, जितना संवैधानिक संस्थाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति राजनीतिक वर्ग के रवैये का है। इस समय प्रत्येक राजनीति पार्टी चाहती है कि जब वह सत्ता में हो, उसके ऊपर किसी का अंकुश न हो, न किसी संविधान का, न कानून का, न किसी तरह की लोकतांत्रिक मयार्दा का। ये सब उसे तभी याद आते हैं जब वह सत्ता से बाहर होती है। अपनी सब बुराइयों, कमियों को व्यवस्था प्रणाली की बुराइयां, कमजोरियां बताकर पल्ला झाड़ लो और साफ बच निकलो। राजनीतिक चंदे के नाम पर लोकतंत्र को दूषित करने की कोशिशों पर विराम लगना जरूरी है।

वैश्विक बाजारी शक्तियां भारत के संयुक्त परिवारों को तोड़ने में सफल हो रही

सनातन भारतीय संस्कारों के अनुसार भारत में कुटुंब को एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में स्वीकार किया गया है एवं भारत में संयुक्त परिवार इसकी परिणती के रूप में दिखाई देते है। परंतु, पश्चिमी आर्थिक दर्शन में संयुक्त परिवार लगभग नहीं के बराबर ही दिखाई देते हैं एवं विकसित देशों में सामान्यत : बच्चों के 18 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही, वे अपना अलग परिवार बसा लेते हैं तथा अपने माता-पिता से अलग मकान लेकर रहने लगते हैं। इस चलन के पीछे संभवत आर्थिक पक्ष इस प्रकार जुड़ा हुआ है कि जितने अधिक परिवार होंगे उतने ही अधिक मकानों की आवश्यकता होगी, कारों की आवश्यकता होगी, टीवी की आवश्यकता होगी, फ्रिज की आवश्यकता होगी, आदि। लगभग समस्त उत्पादों की आवश्यकता इससे बढ़ेगी जो अंतत : मांग में वृद्धि के रूप में दिखाई देगी एवं इससे इन वस्तुओं का उत्पादन बढ़ेगा। ज्यादा वस्तुएं बिकने से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की लाभप्रदता में भी वृद्धि होगी।

प्रह्लाद सबनानी
स्वतंत्र पत्रकार/स्तम्भकार

बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में भी प्रयासरत हैं कि किस प्रकार भारत में संयुक्त परिवार की प्रणाली को तोड़ा जाये ताकि परिवारों की संख्या बढ़े एवं विभिन्न उत्पादों की मांग बढ़े और इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री बाजार में बढ़े। सनातन भारतीय संस्कारों के अनुसार भारत में कुटुंब को एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में स्वीकार किया गया है एवं भारत में संयुक्त परिवार इसकी परिणती के रूप में दिखाई देते है। परंतु, पश्चिमी आर्थिक दर्शन में संयुक्त परिवार लगभग नहीं के बराबर ही दिखाई देते हैं एवं विकसित देशों में सामान्यतः बच्चों के 18 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही, वे अपना अलग परिवार बसा लेते हैं तथा अपने माता-पिता से अलग मकान लेकर रहने लगते हैं। इस चलन के पीछे संभवत आर्थिक पक्ष इस प्रकार जुड़ा हुआ है कि जितने अधिक परिवार होंगे उतने ही अधिक मकानों की आवश्यकता होगी, कारों की आवश्यकता होगी, टीवी की आवश्यकता होगी, फ्रिज की आवश्यकता होगी, आदि। लगभग समस्त उत्पादों की आवश्यकता इससे बढ़ेगी जो अंततः मांग में वृद्धि के रूप में दिखाई देगी एवं इससे इन वस्तुओं का उत्पादन बढ़ेगा। ज्यादा वस्तुएं बिकने से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की लाभप्रदता में भी वृद्धि होगी। कुल मिलाकर इससे आर्थिक वृद्धि दर तेज होगी। विकसित देशों में इस प्रकार की मान्यताएं समाज में अब सामान्य हो चलीं हैं। अब बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में भी प्रयासरत हैं कि किस प्रकार भारत में संयुक्त परिवार की प्रणाली को तोड़ा जाये ताकि परिवारों की संख्या बढ़े एवं विभिन्न उत्पादों की मांग बढ़े और इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री बाजार में बढ़े। इसके लिए बहुराष्ट्रीय कम्पनियां इस प्रकार के विभिन्न सामाजिक सीरियलों को बनवाकर प्रायोजित करते हुए टीवी पर प्रसारित करवाती हैं जिनमें संयुक्त परिवार के नुकसान बताए जाते हैं एवं छोटे छोटे परिवारों के फायदे दिखाए जाते हैं। सास बहू के बीच छोटी छोटी बातों को लेकर झगड़े दिखाए जाते हैं एवं जिनका अंत परिवार की टूट के रूप में बताया जाता है। भारत एक विशाल देश है एवं विश्व में सबसे बड़ा बाजार है, बहुराष्ट्रीय कम्पनियां यदि अपने इस कुचक्र में सफल हो जाती हैं तो उनकी सोच के अनुसार भारत में उत्पादों की मांग में बेतहाशा वृद्धि हो सकती है, इससे विशेष रूप से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को सीधे सीधे फायदा होगा। इसी कारण के चलते आज जॉर्ज सोरोस जैसे कई विदेशी नागरिक अन्य कई विदेशी संस्थानों एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के साथ मिलकर भारतीय संस्कृति पर हमला करते हुए दिखाई दे रहे हैं एवं भारतीय संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं।

आज यदि भारत विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बन जाता है, जिसके लिए लगातार प्रयास भारत में किए जा रहे हैं, तो इसका सबसे अधिक बुरा असर इन बहुराष्ट्रीय कम्पनियों पर होने वाला है। क्योंकि, इससे इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की मांग भारत में कम हो जाएगी और आज केवल भारत ही पूरे विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है। यदि भारत में इन बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के उत्पादों की मांग कम हो जाती है तो ये कम्पनियां अपने उत्पादों को बेचेंगी कहां एवं कैसे अपनी लाभप्रदता में वृद्धि दर्ज करेंगी। इसलिए इन बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने भारत की महान संस्कृति पर अपने हमलों के तेज कर दिया है।

विकसित देशों में आज सामाजिक तानाबाना छिन्न भिन्न हो गया है। शादी शुदा जोड़ों के बीच तलाक की दर लगभग 50 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जिससे छोटे छोटे बच्चे केवल अपने माता अथवा पिता के साथ रहने को मजबूर हैं। यदि माता अथवा पिता में से कोई एक पुनः विवाह कर लेता है तो उस बच्चे को सौतेले पिता अथवा सौतेली माता के साथ रहना होता है, जहां उसकी पर्याप्त देखभाल नहीं हो पाती है तथा उस बच्चे का मानसिक विकास ठीक तरीके से नहीं हो पाता है। ये बच्चे अक्सर मानसिक तनाव के दौर से गुजरते हैं और इसका पूरा असर इन बच्चों की पढ़ाई पर भी पढ़ता है। आज अमेरिका में अमेरिकी मूल के नागरिकों के बच्चे विज्ञान एवं गणित जैसे विषयों में बहुत कम रुचि ले रहे हैं, इससे वहां के मूल नागरिकों के बच्चे न तो डॉक्टर बन पा रहे हैं और न ही इंजिनीयर। डॉक्टर एवं इंजिनीयर के साथ-साथ प्रबंधन के क्षेत्र में भी एशियाई मूल के नागरिकों के बच्चे आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी प्रकार, विकसित देशों में विवाह पूर्व बच्चों का गर्भ धारण करना भी आम रिवाज होता जा रहा है तथा बगैर विवाह किये लिव इन रिलेशनशिप में साथ रहना भी आम बात हो गई है। लिव इन रिलेशनशिप के दौरान पैदा हुए बच्चों को न केवल कई प्रकार की कानूनी समस्याओं का सामना करना होता है बल्कि इन बच्चों की देखभाल भी ठीक तरीके से नहीं हो पाती है। विकसित देशों में बच्चों का सही लालन पालन नहीं होने के चलते इन बच्चों में हिंसा की प्रवृति पैदा हो रही है। इसी कारण से आज अमेरिका में प्रति नागरिक जेलों की संख्या अन्य देशों की तुलना में बहुत अधिक है, स्वाभाविक रूप से प्रति नागरिक कैदियों की संख्या भी तुलनात्मक रूप से बहुत अधिक है।

सामाजिक ताना-बाना के छिन्न भिन्न होने के चलते आज अमेरिका में सबसे अधिक खर्च सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर करना पड़ रहा है। वृद्ध नागरिक, चूंकि अपने बच्चों से अलग रहते हैं एवं वृद्धावस्था में उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है अतः इनकी देखभाल पर सरकार को भारी भरकम राशि खर्च करनी होती है। इसी प्रकार जेलों के रख रखाव एवं इनमें निवास कर रहे कैदियों पर भी भारी भरकम राशि खर्च करनी होती है। इस प्रकार के खर्च उत्पादकता के श्रेणी में नहीं होने के चलते व्यर्थ खर्च ही माने जाते हैं। इससे कुल मिलाकर विशेष रूप से अमेरिका आज गम्भीर वित्तीय संकट के दौर से गुजर रहा है। अमेरिका के इस अवस्था में पहुंचने के पीछे विशेष रूप से वहां का सामाजिक ताना-बाना का छिन्न भिन्न होना ही माना जा रहा है।

इसके ठीक विपरीत भारतीय सनातन संस्कृति में कुटुंब व्यवस्था को ईश्वर प्रदत्त उपहार माना गया है। संयुक्त परिवार में बच्चों के रहने के चलते उनकी बचपन में देखभाल ठीक तरह से होती है एवं भारत के बच्चों के हिंसा की प्रवृत्ति लगभग नहीं के बराबर पाई जाती है। इन बच्चों का मानसिक विकास भी उच्च स्तर का हो जाता है। बुजुर्गों की देखभाल भी संयुक्त परिवार में बहुत अच्छी तरह से हो जाती है एवं सरकारों को किसी विशेष प्रकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर खर्च करने की आवश्यकता ही नहीं होती है। परंतु, पश्चिमी देशों द्वारा सनातन भारतीय संस्कृति पर प्रहार किए जा रहे हैं। इस प्रकार के प्रयासों से भारतीय नागरिकों को आज जागरूक करने की आवश्यकता है। पश्चिमी संस्कृति तो अपने आप में असफल सिद्ध होती दिखाई दे रही है। अब केवल सनातन भारतीय संस्कृति ही विकसित देशों में फैल रही अशांति को दूर करने में सक्षम दिखाई दे रही है। इस प्रकार, सनातन भारतीय संस्कृति को अपनाकर पूरे विश्व में शांति स्थापित की जा सकती है।

स्वं मण्ड?न और छद्म तर्नं के मध्यग दौलित्र लोकतन्त्रल

राकेश कुमार वर्मा

जो तन्त्र हमारी निजता में हस्तरक्षेप करने के बावजूद ऊँच-नीच, भेदभावपूर्ण वैमनस्यलता के दुराग्रह से मुक्त् नही करा सका वहाँ सुशासन जैसे शब्दद गौण हो जाते हैं। जिस तरह युधिष्ठिर को सदा सत्या बोलो का सबक याद करने में कठिनाई होती है वैसे ही चिरंतन अध्यतयन उपरान्तग सुशासन शब्द को हमारा अवचेतन तर्क करता है। पर्यावरण संरक्षण पर विमर्श करते समय जब हम उसे प्रभावित करने वाले वातानुकूलित विहीन साधनो के बिना नही रह सकते तब किस पर लागू करने के लिए ये नीतियां बनाई जा रही हैं जबकि यहां का बहुसंख्यतक वर्ग दो जून की रोटी के संघर्ष में यायावरी जीवन जीने को अभिशप्तह है। किसके लिए अन्नश्री(मिलेट्स) का आग्रह है? जिसने हरित क्रांति के नाम पर भू-जननी की उर्वराशक्ति को नष्ट कर दिया, या जो पहले से ही इससे पोषण का अभ्यवस्ते हैं। किसके लिए नमामि गंगे और पौधरोपण का आह्वान है? जिनकी उस तक पहुंच कठिन है या कथित विकास के नाम पर अंधाधुंध उत्ख नन, कारखाने स्मायर्ट सिटी जैसे कृत्योंभ की उगाही में मिलने वाला धन जिम्मेनदार है? जिस व्योवस्थार में एम्बूमलेंस की अनुपलब्धवता पर एक नागरिक दम तोड़ देता है, इसके बावजूद उस मृतक को ठेले पर ले जाते देख वह वायरल संवेदना तक सीमित रह जाता है। जिस मार्ग पर चलने के लिए दोहरे टैक्स की मार से गुजरने के बावजूद किसी राजनीतिक प्रतिनिधि, जुलूस, अनशन के कारण उस करदाता को उस पर चलने से वंचित कर दि

संक्षिप्त खबरें

पुलिस हिरासत में आरोपी की मौत

बेगूसराय। पुलिस हिरासत में आरोपी की मौत होने से इलाके में सनसनी फैल गई। बखरी थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में हुए झड़प के बाद एक व्यक्ति को बखरी थाना की पुलिस ने अपने हिरासत में लिया। जिससे गुरुवार की रात युवक की संदेहास्पद मौत हो गई है। दरअसल बखरी थाना क्षेत्र के बदिया गाँव निवासी हीरालाल यादव की मौत थाना में संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गई। जमीनी विवाद में हुई गोलीबारी के आरोप में उसे गुरुवार की शाम में गिरफ्तार कर बखरी थाना की पुलिस हाजत में बंद कर दिया था। घर के परिजनों ने आरोप लगाया है कि उसकी हत्या हुई है। उसे जहर खिलाया गया है। वहीं पुलिस का कहना है कि हार्ट अटैक से उसकी मौत हो गई है। पुलिस ने रात में ही शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। बखरी विधायक सूर्यकांत पासवान ने कहा कि पुलिस हिरासत में व्यक्ति की मौत हुई है। यह प्रश्नवाचक चिन्ह है। इसकी जांच होनी चाहिए। जांच में जो दोषी पदाधिकारी होंगे, उसपर कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं परिजनों ने पुलिस पर भी आरोप लगाया है कि जहर खिलाकर उसे मार दिया गया है।

ऑल इंडिया महिला सांस्कृतिक संगठन ने की मणिपुर घटना की निन्दा

मुजफ्फरपुर ।एआईएमएसएस की ऑल इंडिया कमेटी की महासचिव छवि मोहंती ने मणिपुर की घटना की कड़ी निंदा की, जहां 2 महिलाओं को पुलिस बल से छीन लिया गया, फिर नग्न घुमाया गया और बाद में उनके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। अपनी बहन को हमलावरों से बचाने की कोशिश में पीड़ित के भाई की बेरहमी से हत्या कर दी गई। जारी प्रेस बयान में कहा गया है कि यह वीभत्स घटना 4 मई को हुई और बुधवार को सामने आई है। यह पूरा प्रकरण केवल महिलाओं के लिए ही नहीं बल्कि देश की पूरी जनता के लिए बेहद परेशान करने वाला और अपमानजनक है। वहां की गंभीर स्थिति के लिए केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार हैं ।एमआईएमएसएस की मांग है कि अपराधियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए और कड़ी सजा दी जाए. एआईएमएसएस साथ ही देश के अच्छे लोगों से इस घटना का जोरदार विरोध करने और पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहने का आह्वान करती है।

दबंगों ने पिता-पुत्र को पीटकर किया घायल, जांच में जुटी पुलिस

जमुई जिला टाउन थाना क्षेत्र के मंझवे गांव में चुनावी रंजिश को लेकर पड़ोसियों ने पिता- पुत्र को बेरहमी से पीटकर बुरी तरह घायल कर दिया। दोनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से इलाज के बाद घायल पिता-पुत्र शुक्रवार को टाउन थाना पहुंचे और लिखित आवेदन देते हुए गांव के ही पंचम चौरसिया और नंदकिशोर चौरसिया पर मारपीट का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया। घायल की पहचान मंझवे गांव निवासी अनिल राम और उनके पुत्र मुकेश राम के रूप में हुई है। घायल अनिल राम ने बताया कि चुनावी रंजिश को लेकर पंचम चौरसिया और नंदकिशोर चौरसिया हमेशा गाली- गलौज करता था। जिसको लेकर वे भी गांव के कुछ लोगों को गाली-गालौज करने की बात कही थी। इसी रंजिश में पंचम चौरसिया और नंदकिशोर के साथ अन्य लोग आया और लाठी-डंडे व लोहे के रड से बेरहमी से दोनों पिता-पुत्र को मारकर घायल कर दिया। आवेदन देने के बाद पुलिस घटना की जांच में जुटी।

बीस सूत्री मागो को लेकर आशा कार्यकर्ताओ ने सेवा ठप कर गयी हड़ताल पर

अलीगंज प्रखंड के क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के तमाम आशा कार्यकर्ताओ एवं आशा फैनीलेटरो ने शुक्रवार को अलीगंज पीएचसी मे आशा कार्यकर्ताओ ने 20 सूत्री मांगो को लेकर शुक्रवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की घोषणा की। आशा फैसीलेटर रंभा रानी ने बताया कि आशा लोगो की जीवन रक्षक है ।जो क्षेत्र मे लगातार दिन रात मेहनत महिलाओ को प्रसव से लेकर उसके स्वास्थ्य संबंधित जानकारिया देने का काम करती है ।लेकिन सरकार के उदासी रवैये के कारण उनको वाजिब मजदुरी तक नही मिल पा रही है। उन्होने पुरे राजय मे अपनी 20 सूत्री मांगो को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का ऐलान किया है ।आज शुक्रवार से सभी आशा व आशा फैसीलेटर सभी हड़ताल पर रहेगी। उन्होने बताया कि हमारी मागे है कि सभी आशा कार्यकर्ताओ को सरकारी कर्मी का दर्जा दो,हमारी मानदेय कम से कम 25 हजार करो,पदाधिकारियो के द्वारा चयन मुक्त की मिलने वाली धमकी को बंद किया जाय ।सहित अन्य ज्वलंत समस्याओ को लेकर जब तक मागे पुरी नही होगी तब तक अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी। मौके पर बडी संख्या मे आशा कार्यकर्ताओ व आशा फैसीलेटर उपस्थित थे।

विधायक ने सुखाड़ एवं विकास पर आम जनता से की बातचीत

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी खजौली विधायक मीणा कामत ने शुक्रवार को खजौली प्रखंड़ क्षेत्र के सात पंचायत का भ्रमण किया गया.उन्होंने क्षेत्र भ्रमण कर प्रत्येक गांव टोले मुहल्ले में रुककर आम जनताओं की समस्या सुनी. इस भ्रमण के दौरान खजौली प्रखंड़ के पंचायत कंहौली ईनरवा सूक्का भकुआ चंद्रडीह चतरा गोबरौरा उत्तरी एव चतरा गोबरौरा दक्षिण पंचायतों का दौरा किया. वही क्षेत्र भ्रमण के दौरान चंद्रडीह पंचायत के मुखिया जयप्रकाश मंडल के शिकायत पर उत्क्रमित माध्यमिक उच्च विद्यालय महाराजपुर का निरीक्षण किया गया.निरीक्षण के दौरान हाई स्कूल महाराजपुर में शिक्षकों की कमी पायी गयी. वही विद्यालय के छात्र,छात्राओं द्वारा एचएम अशोक कुमार की शिकायत विधायक से की. विद्यालय के 10वी के छात्र,छात्राओं ने एचएम पर आरोप लगाया है कि मैट्रिक परीक्षा के फार्म भरने में सभी छात्रों से सरकार द्वारा निर्धारित शुल्क से ज्यादा 50 रुपये ज्यादा लेने की शिकायत पर विधायक ने एचएम को फटकार लगाते हुए सभी छात्रों का रुपये वापसी करने का निर्देश दिया गया.वही विधायक ने एचएम को निर्देश दिया कि यदि दूसरे दिन शिकायत मिलने पर करवाई की जाएगी. वही मुखिया जयप्रकाश मंडल ने हाई स्कूल में शिक्षकों कमी को पूरा करने को लेकर विधायक से गुहार लगाया. वही विधायक मीणा कामत ने चतरा गांव पहुँच कर एक व्यक्ति बिजली करेंट से मौत हो जाने से उनके परिवार से मिलकर उस परिवार को आपदा प्रबंधन विभाग से चार लाख रुपये की सहायता दिलाने की बात बताया. वही विधायक मीना कामत ने कहा कि क्षेत्र में सड़क,बिजली,जल जमाव एव सुखाड़ पर आम जनताओं समस्या सुनी.उन्होंने कहा कि यदि 15 दिन के अंदर बारिश नही होती है तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समस्त बिहार को सर्वेक्षण कराकर किसानों की हित मे किसानों के हित मे ठोस कदम उठाया जाएगा. वही चंद्रडीह पंचायत के मुखिया व प्रखंड़ मुखिया संध के अध्यक्ष जयप्रकाश मंडल ने हाई स्कूल महाराजपुर में शिक्षक की मांग की. .मुखिया जय प्रकाश मंडल ने विधायक मीना कामत से शिकायत किया कि महाराजपुर गांव में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर न तो एक भी चिकित्सक प्रतिनियुक्त है.वही इस हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर गांव की एक एएनएम प्रमिला कुमारी की प्रतिनियुक्ति रहने के वावजूद भी वे प्रतिदिन सेंटर पर डियूटी नही करके अपने घर मे आराम फरमाती है. विधायक ने मुखिया द्वारा शिकायत का संज्ञान में लेते हुए जिला पदाधिकारी से शिकायत करने की बात बतायी. उन्होंने ने कहा कि खजौली प्रखंड़ के सात पंचायत में विकास कार्यो की गति तेजी लाने को लेकर हर समय जनता एव जनप्रतिनिधियों से राय विमर्श कर विकास कार्य की गति तेज रप्तार से की जा रही है.उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुशासन की सरकार में विकास की गंगा बही है.उन्होंने विधान सभा क्षेत्र के आम जनताओं से अपील किया है कि यदि किसी जगहों पर कोई काम अधूरा रह गया है उस काम को तीन साल के अंदर पूरा करने का मेरा संकल्प है. इस मौके पर प्रखंड़ राजद अध्यक्ष राम सागर पासवान, प्रखंड़ राजद अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मनोज शर्मा, पूर्व जदयू अध्यक्ष पवन कुमार सिंह, विधायक सलाहकार पप्पू मिश्रा, बिंदु कामत,छोटेलाल साह, मुखिया जयप्रकाश मंडल,संजय कुमार झा,मुकेश कुमार मिश्रा,बेचने यादव,पंसस पप्पू कुमार यादव,सरपंच जयजय राम यादव, नवीन कुमार चौधरी,अमरेश जैसवाल, राम कुमार सिंह,रंदेग पासवान, रंजय कुमार सिंह,देवनाथ ठाकुर,राम विलक्षण सिंह,विकास मिश्रा, नितिन कुमार,मनोज झा सहित दर्जनों कार्ययकर्ता मौजूद थे।

ट्रक ने बाइक मे मारी जोरदार टक्कर, बाइक सवार घायल दोनो युवको को किया गया रेफर

प्रात : किरण संवाददाता

झाझा-झाझा गिद्धौर मुख्य मार्ग स्थित केशोपुर भंवरा पुल के समीप हनुमान मंदिर के पास एक बाईक में एक अनियंत्रित ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दिया जिससे बाइक पर सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गया ।वही लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस और अस्पताल को दिया जिसके बाद पुलिस और मेडिकल टीम मौके स्थल पर पहुँचकर दोनो घायलों को एंबुलेंस से रेफरल अस्पताल लाया जहाँ डॉ सदाब अहमद के द्वारा दोनो घायलों का इलाज किया गया लेकिन दोनो युवको की स्थिति नाजुक होने पर दोनो घायलों का प्राथमिकी इलाज करने के बाद बेहतर इलाज के लिये जमुई रेफर कर दिया ।घायल युवक की पहचान झाझा थानाक्षेत्र के डुमर पोखर गांव के रहने वाले मगरू पासवान तथा तेलिया चोराट गांव के रहने वाले संतोष मुर्मू के रूप मे हुई है ।बताया जाता है कि दोनो बाइक युवक एक ही बाइक पर सवार होकर गिद्धौर जरूरी काम से जा रहा था और जमुई दिशा से एक ट्रक तेज रफ्तार आकर बाइक मे टक्कर मार दिया जिससे बाइक सवार दोनो युवक मौके स्थल पर ही गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

जनता के दरबार मे जिलाधिकारी कार्यक्रम में कई मामलों का हुआ निष्पादन

- प्राप्त शिकायतों में भूमि अतिक्रमण भूमि विवाद नल-जल योजना आपसी विवाद जनवितरण आदि से संबंधित मामले अधिक।

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता के दरबार मे जिलाधिकारी कार्यक्रम में आये 160 से अधिक परिवादियों से मिलकर उनकी समस्यायों को सुना जिसमें कई मामलों में स्वयं सबंधित पदाधिकारियो से दूरभाष पर बात कर त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया शेष आवेदनों को संबधित विभाग के पदाधिकारियो को ससमय निष्पादन को लेकर अग्रसारित कर कृत करवाई से अवगत कराने का निर्देश दिया।

प्राप्त शिकायतों में भूमि अतिक्रमण भूमि विवाद नल-जल योजना आपसी विवाद जनवितरण आदि से संबधित मामले सबसे अधिक पाए गए। इसके अतिरिक्त समजिक सुरक्षा योजना बाल विकास परियोजना शिक्षा सहित अन्य कार्यालय में लंबित मामले भी प्राप्त हुए।

राजेश कुमार मंडल प्रखण्ड-घोघरडीहा ग्राम-मझौरा के निवासी ने जमीनी विवाद को लेकर शिकायत करते हुए कहा कि हमे जान से मारने की धमकी भी मिल रही है। राधा प्रसाद से0नि0प्र0अ0 वाटशन उच्च विद्यालय मधुबनी ने जिला शिक्षा पदाधिकारी मधुबनी के कार्यालय द्वारा अभी तक उनके कार्य को नही किये जाने के संबंध में शिकायत किया वही प्रखण्ड- बिस्फी ग्राम-जफरा के एक व्यक्ति ने .डी0आर0सी0सी0 द्वारा बोनाफाईड प्रमाण पत्र में दी गई राशि से कटौती करने एवं भुगतान नहीं होने के संबंध में अपनी शिकायत किया जिलाधिकारी ने न केवल आए हुए परिवादियों की समस्याओं को सुना बल्कि, उन समस्याओं के संदर्भ में संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश भी दिए। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त जनशिकायतों को पूरी गंभीरता से लेकर सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ उसका त्वरित निष्पादन करे। उक्त अवसर पर अपर समाहर्ता नरेश झा सहित कई अधिकारी भी उपस्थित थे।

संविधान में निहित प्रावधान के मुताबिक महिलाओं को है समानता का अधिकार-एडीजे

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय। शुक्रवार को विष्णुपुर स्थित ओमर बालिका उच्च विद्यालय के प्रांगण में राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग से नालसा के द्वारा महिलाओं को कानूनी अधिकार की जानकारी देने के लिए विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया ।इस विधिक जागरूकता शिविर का विधिवत उद्घाटन जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव व अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सदनलाल प्रियदर्शी, सदर बाल विकास परियोजना पदाधिकारी संगीता कुमारी, रिसोर्स पर्सन संगीता कुमारी सिन्हा, महिला हेल्पलाइन की अध्यक्ष वीणा सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम की शुरूआत में विद्यालय के शिक्षक राजेश रंजन भारती ने अतिथियों को पौधा देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विद्यालय के प्राचार्य दिनेश प्रसाद सिंह ने कहा कि आज बहुत ही हर्ष का दिन है, कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव व अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सदनलाल प्रियदर्शी का आगमन हमारे विद्यालय में हुआ है। वे यहां छात्राओं को कानून के बारे में विस्तृत रूप से बताने के लिए आए हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्राओं के द्वारा स्वागत गीत गाकर विद्यालय में आए हुए अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सदनलाल प्रियदर्शी ने कहा कि आज राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग से छात्राओं को कानून के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी देने के लिए यहां आए हैं। सर्वप्रथम मैं विद्यालय में उपस्थित सभी शिक्षकों का धन्यवाद करता हूं कि वह इन छात्राओं की देखरेख कर रहे हैं। उन्हें पढ़ा लिखा रहे हैं और उन्हें समाज के बारे में भी बता रहे हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सदनलाल प्रियदर्शी ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा इस विद्यालय में लीगल लिटरेसी क्लब की स्थापना भी की गई है, जहां शिक्षक बच्चों को कानून की जानकारी देते हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सदनलाल प्रियदर्शी ने छात्राओं को कहा कि आप सभी गुड टच और बैड टच को समझें। अपने आसपास अपने घर में यदि कोई आपसे गलत व्यवहार करता है, तो इसकी जानकारी अपनी मां को दें, अपने विद्यालय के शिक्षक को दें, अपने दोस्तों को दें और इससे भी यदि बात नहीं बनती है तो आप महिला हेल्पलाइन में जाएं वहां आप फोन करके या पोस्टकार्ड पर अपनी शिकायत लिखकर भी दे सकती हैं। यदि इससे भी बात ना बने तो आप जिला विधिक सेवा प्राधिकार आए वहां आपकी मदद की सभी व्यवस्थाएं की जाएंगी। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि कानून में बहुत सारे प्रावधान हैं। जिसमें प्रथम जिला विधिक सेवा प्राधिकार से आप मुफ्त कानूनी मदद ले सकती हैं। घरेलू हिंसा के खिलाफ सभी महिलाओं एवं छात्राओं से कहा कि धारा 498 के अंतर्गत घरेलू हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने का अधिकार उन्हें हैं। यदि कोई पुरुष अपनी पत्नी को अपने साथ नहीं रखता तो उसकी पत्नी को उससे भरण-पोषण लेने का अधिकार है। अपने बच्चों के भरण-पोषण के लिए भी वे न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकती हैं। वही छात्राओं को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव व अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि पहले अशिक्षा के कारण हमारे समाज में बच्चियों को पढ़ने लिखने नहीं दिया जाता था। जिससे वे समाज में अपना स्थान नहीं बना पाती थी।

गिद्धौर के प्राथमिक विद्यालय रजनबांध सेवा में स्वच्छ्ता पखवारा का हुआ आयोजन

स्कूली छात्रों को स्वच्छ्ता से जुड़े गुड़ बातों की दी गयी जनकारी

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर : प्रखंड के सेवा पंचायत अंतर्गत पड़नेवाले प्राथमिक विद्यालय रजनबांध में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय छात्रों द्वारा प्रभारी प्रधानाध्यापक विकाश कुमार केशरी के देखरेख मे स्वच्छ्ता से जुड़े जरूरी बातों की जानकारी दी गयी। वहीं जीवन में स्वच्छ्ता के महत्व को समझाने का प्रयास किया गया। इस मौके पर स्कुली बच्चों को स्वच्छता की उपयोगिता से जुड़ी भी कई जरूरी विषयों की विद्यालय प्रधान श्री केशरी द्वारा जानकारी दी गयी। इधर विद्यालय प्रबंधन के शिक्षकों द्वारा बच्चों को भोजन से पूर्व हाथों की सफाई अपने आस पास के वातावरण को स्वच्छ रखने से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं कीवजानकारी दी गयी। साथ ही स्वच्छ्ता के मूल मंत्रों को अपने जीवनशैली में आत्मसात करने को लेकर उनका मार्गदर्शन भी किया गया। इस अवसर पर प्रभारी प्रधानाध्यापक विकास कुमार केशरी, शिक्षा सेवक रविन्द्र रजक के अलावे विद्यालयी छात्र छात्राएं मौके पर मौजूद थे।

लायंस क्लब ऑफ रक्सौल के सत्र 2023-2024 की प्रथम मासिक बैठक हुई सम्पन्न

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। लायंस क्लब ऑफ रक्सौल, डिस्ट्रिक्ट 322ई के सत्र 2023-2024 की प्रथम मासिक बैठक महिलाओं को अग्रणी पंक्ति में लाने के उद्देश्य से अध्यक्ष लायन शम्भु प्रसाद चौरसिया के सार्थक पहल पर सर्वसम्मति से क्लब की बैठक संयुक्त सचिव लायन सीमा वर्णवाल के संयोजन एवं उपाध्यक्ष लायन प्रियंका सोनी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसकी जानकारी मिडिया प्रभारी लायन बिमल सर्राफ ने देते हुए बताया कि बैठक की कार्यवाही प्रारंभ होने से पूर्व क्लब के अध्यक्ष लायन शम्भु प्रसाद चौरसिया एवं लायन रमेश पूजन का जन्मदिन सभी लायन सदस्यों ने पुष्पगुच्छ प्रदान करते हुए एवं केक कटवा कर अध्यक्ष को आश्चर्यचकित कर दिया। उन्होंने कहा कि सदस्यों के द्वारा किया गया जन्मदिन का अभिनन्दन सदैव याद रहेगा। तत्पश्चात बैठक की कार्यवाही प्रारंभ करते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि दिनांक 22-07-2023 दिन शनिवार को सुबह 10.30 बजे कस्तूरबा बालिका+2उच्च विद्यालय, रामजानकी मन्दिर रोड, रक्सौल के प्रांगण में स्थापित स्कूली बच्चियों के समुचित स्वास्थ्य के मद्देनजर सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन का उद्घाटन विधायक प्रमोद कुमार सिन्हा के कर-कमलों द्वारा जल-जीवन हरियाली अभियान को अग्रसर करते हुए वृक्षारोपण के साथ सु-सम्पन्न होगा। जिसके लिए विधायक सिन्हा से लायंस क्लब के प्रतिनिधिमंडल ने एक ज्ञापन देते हुए सहमति भी प्राप्त कर लिया गया है। वहीं पूर्व की भाँति इस वर्ष भी महिला लायंस सदस्यों द्वारा सावन महोत्सव आयोजित करने का निर्णय भी लिया गया, जिसकी तिथि शीघ्र ही घोषित की जाएगी। समय-समय पर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विधालयों में बच्चों को पठन-पाठन की साम्रगी वितरण करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। क्लब में नए सदस्यों लायन संजय कुमार गुप्ता, लायन रंजीत कुमार उर्फ राजन जी को क्लब प्रतीक चिन्ह लायंस लेपल पीन लगाकर सदस्यता ग्रहण तथा सम्मानित किया गया। बैठक में सचिव पवन किशोर कुशवाहा, कोषाध्यक्ष लायन मोहम्मद निजामुद्दीन, उपाध्यक्ष लायन गणेश धनोठिया, लायन राजू कुमार गुप्ता, लायन सुशीला धनोठिया लायन नारायण रुंगटा, लायन रेणु रुंगटा, लायन रमेश कुमार, लायन हरीश खत्री,लायन सरिता खत्री,लायन अजय हिसारिया, लायन नीलम हिसारिया,लायन साइमन रेक्स,लायन पंकज वर्णवाल, लायन डॉ. प्रदीप कुमार, लायन डॉ.भावना चौहान, लायन नीतीश कुमार, लायन गीता देवी कुशवाहा, लायन पूनम सर्राफ, लायन रोबैदा खातून आदि सदस्यों की सक्रिय उपस्थिति रही।

गिद्धौर के पूर्वी गुगुलडीह पंचायत में विभिन्न योजनाओं का उप विकास आयुक्त ने किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर : प्रखंड के पूर्वी गुगुलडीह पंचायत में उप विकास आयुक्त द्वारा सरकार द्वारा संधारित विभिन्न तरह के विकासोन्मुखी योजनाओं का पंचायत में औचक निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर निरीक्षण के क्रम में उप विकास आयुक्त शशि शेखर चौधरी ने पूर्वी गुगुलडीह पंचायत में किये जा रहे विकास कार्य का जायजा लिया व विधि व्यवस्था को दुरुस्त करने पर विशेष बल दिया। साथ ही संबंधित विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मियों को कार्यों के मानकों के अनुरूप संधारन व निष्पादन से जुड़े कई आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कचरा प्रबंधन यूनिट में आने वाले विभिन्न प्रकार के कचरों का वर्गीकरण करें। वहीं निरीक्षण के क्रम में कई वार्ड के घरों में जाकर कचरा निस्तारण को दिए गए बकेट का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उत्क्रमित मध्य विद्यालय केवाल का भी निरीक्षण उप विकास आयुक्त श्री चौधरी द्वारा किया गया व विद्यालय में सरकार के प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत संधारित बच्चों को दिए जाने वाले दोपहर भोजन योजना को मानक के अनुरूप बच्चों को उपलब्ध कराने का प्रभारी प्रधानाध्यापक को सख्त निर्देश दिया। उन्होंने इस क्रम में कहा कि सरकार जनहित से जुड़ी योजनाओं को जमीनी स्तर पर संधारण को ले गंभीर है। इसका अक्षरसः अनुपालन नही होने व मामले में लापरवाही एवं उदासीनता बरते जाने पर संबंधित विभाग के कर्मियों पर कारवाई की जाएगी। इस मौके पर मुखिया प्रतिनिधि के अलावे कई कर्मी व पदाधिकारी निरीक्षण के मौके पर मौजूद थे।

राजा ठाकुर हत्याकांड का आरोपी अपने सहयोगियों के साथ गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

गुजफ्फरपुर। पिछले साल अक्टुबर महीने में हूई राजा ठाकुर हत्याकांड के आरोपी संजीत कुमार को पूलिस ने गिरफ्तार कर लिया है ।इसके साथ दो अन्य अपराधकर्मी भी गिरफ्तार किए गए हैं ।यह जानकारी देते हुए एसएसपी राकेश कुमार ने बताया कि जिलान्तर्गत जिले के बांछित, फरार एवं कुख्यात अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी हेतु बिहार एसटी०एफ० के साथ विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत गुप्त सूचना मिली कि राजा ठाकुर की हत्या कांड का बांछित अभियुक्त अहियापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नाजीरपुर बांध की तरफ देखा गया है। इस सूना पर एस०टी०एफ० एवं गुजफ्फरपुर पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए नाजीरपुर बाँध हनुमान चौक के पास से तीन सक्रिय अपराधकर्मी संजीत कुमार, पिता स्व० विन्देश्वर यादव, सा०-नाजीरपुर जियालाल चौक, थाना-अहियापुर, जिला-मुजफ्फरपुर को उसके सहयोगी रंजीत राय पिता राजेश राय थाना अहियापुर, जिला-मुजफ्फरपुर, एवं आयुष कुमार उर्फ सन्नी झा, पिता अशोक झा, ग्राम-नाजीरपुर बँक कॉलनी, थाना-अहियापुर, को अवैध हथियार, मादक पदार्थ ,मोटरसाइकिल एवं मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में अहियापुर थाना कांड सं0-897 / 23, दिनांक- 19.07.23, धारा-25 (1-बी) /26/35 Arms Act & 8(c) 21 (b) Ndps Act अंत किया गया है। उल्लेखनीय है कि संजीत कुमार सक्रिय अपराधी है। विगत वर्ष अक्टूबर माह में राजा ठाकुर की हत्या हुई थी जिसका प्राथमिकी अभियुक्त है, अनुसंधान से इसके विरुद्ध कांड सत्य पाया गया है, जिसमें वह फरार चल रहा था।

एनसीसी कैम्प में बदलने लगी कैडेट्स की दिनचर्या

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । कुढनी प्रखंड के यदुनंदन हाईस्कूल,बागी में आयोजित एनसीसी कैम्प में रह रहे कैडेट्स रोज सुबह सेना की तरह सवेरे जग कर विद्यालय परिसर की साफ सफाई कर रहे है ।शारीरिक व्यायाम, योगा, ड्रिल, क्वार्टरगार्ड प्रैक्टिस, नाइट मार्च पास्ट और मैप रीडिंग इनकी दिनचर्या बन गई है। कैडेट्स ने शुक्रवार को राइफल चलाने के तरीके सीखे ।उस्ताद हवलदार योगेश गुरुंग ने बताया कि सही निशाना लगाने के लिए हथियार को मजबूती से पकड़ना चाहिए, दुरुस्त शिस्त लेना चाहिए और सही से ट्रिगर को दबाना चाहिए। जी ए सीनियर सेकेंडरी स्कूल लालगंज के एनसीसी ऑफिसर टी ओ संजय कुमार ने कैडेट्स को जी 20 के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि भारत किस प्रकार विश्व में अपना योगदान दे रहा हैं और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना प्रभुत्व स्थापित कर रहे हैं,ये हमे स्पष्ट जी 20 की अध्यक्षता करने में ही दिख रहा है। पहली दिसंबर 2022 से 30 नवम्बर 2023 तक भारत जी 20 की अध्यक्षता कर रहा है ।इस वर्ष का थीम है वसुधैव कुटुम्बकम। रात्रि में कैडेट्स को सांस्कृतिक कार्यक्रम का पूर्वाभ्यास जी सी आई घुंघरू कुमारी तथा यू ओ पायल कुमारी द्वारा कराया गया ।मौके पर उपस्थित एनसीसी स्टाफ अनिल कुमार,राज कुमार,आकाश कुमार,राजेश कुमार,कुणाल कुमार और अर्चना कुमारी ने कार्यक्रम की प्रशंसा की।

संक्षिप्त खबरें

अपनी मांगों को लेकर किया धरना प्रदर्शन

भागलपुर ।अपनी नौ सूत्री मांगों को लेकर आशा कार्यकर्ता संघ के बैनर तले जिला समाहरणालय स्थित डीएम कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान काफी संख्या में आशा कार्यकर्ता एवं आशा फेसिलेटर द्वारा अपनी नौ सुत्री मांगों को लेकर जमकर हल्ला बोल प्रदर्शन किया ।धरनार्थी आशा कार्यकताओं ने बताया कि सरकार के खिलाफ लगातार सरकारी सेवक एवं वेतन सहित नौ सूत्री मांगों को लेकर विगत एक सप्ताह से प्रखंड में मांग को लेकर हड़ताल कर प्रदर्शन कर रहे थे ।वहीं आज आशा कार्यकर्ता एवं आशा फेसिलेटर काफी संख्या में जिला मुख्यालय पहुंचे हैं, जहां डीएम कार्यालय के समक्ष सरकारी सेवक और वेतन में बढ़ोतरी की मुख्य मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया है ।वहीं प्रदर्शन कर रहे आशा कार्यकताओं ने कहा कि जबतक हमारी मांगों को सरकार पुरी नहीं करती है तबतक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

आपसी वर्चस्व को लेकर मारपीट

असरगंज। थाना क्षेत्र के बस स्टैंड के पास दो चालकों के बीच आपसी वर्चस्व को लेकर मारपीट हो गया। मारपीट के इस घटना में एक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, घायल का इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र असरगंज में कराया गया। घायल चालक के द्वारा असरगंज थाना में लिखीत आवेदन दिया गया है। इस संबंध में असरगंज थाना अध्यक्ष कौशलेंद्र कुमार ने बताया कि घायल चालक के द्वारा आवेदन प्राप्त हुए हैं। आवेदन में चालक ने चालक के विरुद्ध कार्रवाई करते का अनुरोध किया है। घटनास्थल पर पहुंच कर पुलिस द्वारा जांच किया जा रहा है। जांच के बाद दोषी चालक पर कार्रवाई की जायेगी।

शिक्षा पदाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

टेटिया बम्बर ।जगन्नाथ उच्च विद्यालय एवं राजकीय बुनियादी विद्यालय टेटिया बंबर का जिला शिक्षा पदाधिकारी मुंगेर द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में राजकीय बुनियादी विद्यालय टेटिया बम्बर के भवन का हाल देखकर पदाधिकारी द्वारा अभिलंब शिक्षा विभाग को प्रस्ताव भेजने की बात कहीं गई। इस अवसर पर प्रभारी प्रधानाध्यापक सुजीत कुमार टेटिया पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि जितेंद्र कुमार सिंह , नीरज कुमार सहित ग्रामीण जनता उपस्थित थे।

मणिपुर में जारी हिंसा के विरोध में राजद नेताओं ने जमालपुर में फूंका पीएम का पुतला

मुंगेर। भाजपा समर्थित मणिपुर की सरकार में पिछले 80 दिनों से दो संप्रदाय के बीच जारी खूनी खेल के विरोध में राजद बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष राजेश रमन उर्फ राजू , जमालपुर नगर अध्यक्ष राजद बमबम यादव, जिला कोषाध्यक्ष नागेश्वर यादव राज, परिषद सदस्य गोरेलाल सिंह, महिला नगर अध्यक्ष जमालपुर उषा कुमारी, लटोरी मंडल संयुक्त नेतृत्व में साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया। पुतला दहन के दौरान राजद नेताओं ने कहा कि लाखों लोग इससे प्रभावित हो चुके हैं। मणिपुर में महिलाओं की इज्जत के साथ खुलेआम हो रहे खिलवाड़ ने देश का माथा शर्म से झुका दिया है। इस अमान्य घटना से पूरा देश गुस्से और आक्रोश से भरा हुआ है। यह दिखाता है कि भाजपा के राज्य में कोई सुरक्षित नहीं है, विशेषकर महिलाओं में जबरदस्त आक्रोष का माहौल है। घटना के लिए भाजपा की उन्मादी राजनीति को जिम्मेदार ठहराते हुए भाजपा को हटाया जाना ही उचित है। संपूर्ण मानवता का सरेआम कत्ल हो रहा है। मणिपुर में लोकतंत्र,लोक लाज, विश्वास,संस्कृति,सौहार्द,संवाद और मानवता का सरेआम कत्ल हो रहा है। भाजपा के लोगों को प्रेम, प्यार,इंसानियत, सामाजिक एकता, एवं भारतीय सभ्यता और संविधान से कोई लेना देना नहीं है। नफरत और हिंसा फैलाने वाली पार्टी और उनके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कंबल ओढ़ कर घी पी रहें हैं। आज पूरा देश देख रहा है कि मणिपुर के सीएम शर्मनाक बयान दे रहे हैं और प्रधानमंत्री चुप होकर सुन रहे हैं।

लेबर चेतना मंच का एक शिष्टमंडल डीएम से मिला

पूर्णिया ।पूर्णिया लेबर चेतना मंच पूर्णिया की एक प्रतिनिधि मंडल जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार से मिले। इस प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व मनोज कुमार सिंह, पूर्व प्रखंड विकास पदाधिकारी ने किया। श्री सिंह ने जिला पदाधिकारी से मिल कर अपनी दस सूत्री मांग रखी जिसमें प्रमुख हैं आश्रित प्रमाण पत्र अंचलाधिकारी द्वारा बनाया जाना चाहिए, मनरेगा के जॉब कार्ड की जांच होनी चाहिए, मजदूरों के खड़े होने के लिए सड़क के किनारे शेड बनाया जाना चाहिए। इसके अलावा सेवानिवृत्त श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी के बकाया वेतन का भुगतान और पूर्ण पेंशन का भुगतान अबिलम्ब किया जाना चाहिए, निबन्धित मजदूरों को सभी योजनाओं का लाभ अबिलम्ब मिलना चाहिए, चौकीदारों की बहाली में उनके उत्तराधिकारियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को अपग्रेड किया जाना चाहिए ताकि मजदूरों को उनके घर के आसपास इलाज की सुविधा मिल सके ।

पुलिस ने किया मिनीगन फैक्ट्री का सफल उदभेदन : एसएसपी

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। इन दिनों जिले भर में अवैध रूप से हथियार की निर्माण कार्य की गतिविधियां लगातार सामने आ रही है। इसी कड़ी में एक और एक मिनी गन फैक्ट्री उद्भेदन के साथ पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। मामले को लेकर एसएसपी कार्यालय बेस में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान एसएसपी आनन्द कुमार ने जानकारी साझा करते हुए कहा कि लोदीपुर थाना परिक्षेत्र अंतर्गत अवैध रूप से संचालित एक मिनी गन फैक्ट्री का पुलिस टीम ने उद्भेदन करते हुए मौके से कई देसी पिस्तौल, अर्ध निर्मित सामान और हथियार बनाने का उपकरण वृहत मात्रा में बरामद किया है ।गौरतलब हो कि वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार को विगत 19 जुलाई को दूरभाष पर सूचना प्राप्त हुई थी, कि लोदीपुर थाना परिक्षेत्र अन्तर्गत उस्तु गांव में कुछ व्यक्तियों के द्वारा अवैध रूप से मिनी गन फैक्ट्री का संचालन किया जा रहा है। उक्त प्राप्त सूचना के आलोक में त्वरित मामले की सत्यता जांच कर कार्रवाई करने की दिशा में पुलिस उपधीक्षक, विधि-व्यवस्था डॉ. गौरब कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित छापामारी टीम को संबंधित सूचना स्थल पर पहुंच कार्रवाई हेतू निर्देशित किया गया था। वही छापामारी दल पुलिस के द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर लोदीपुर थानान्तर्गत उस्तु गांव इलाके में पहुंच तकनीकी रूप से रणनीति तैयार कर अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर अवैध अग्नेयास्त्र एवं अग्नेयास्त्र बनाने वाले उपकरण की बरामदगी की, साथ ही पुलिस टीम ने मौके से 2 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। वही पुलिस ने छापेमारी के दौरान 5 देशी पिस्तौल, 2 अर्द्धनिर्मित दो नाली- देशी राईफल, 7 पीस देशी कट्टा का अर्द्धनिर्मित बट बॉडी, अर्द्धनिर्मित देशी कट्टा का बैरल 2 पीस, बैरल 8 पीस, दो नाली बन्दूक का बैरल 1 पीस, एक नाली बन्दूक का बैरल 2 पीस, खोखा 3 पीस, सहित हथियार के पार्ट्स बनाने में उपयोग होने वाली ट्रीगरनुमा लोहे का टुकड़ा 15 पीस, लोहे का बना बेस 2 पीस, छेनी 2 पीस, हैन्ड ब्लोवर (भाँती) मशीन 1 पीस, 16 पॉइंट के ड्रील मशीन 1 पीस, हथौड़ा 1 पीस 14 पॉइंट हेक्सा ब्लेड 1 पीस, रेती 1 पीस, मोबाईल 2 पीस को बरामद किया है। उक्त आशय की जानकारी वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार ने दी साथ ही उन्होंने बताया कि उक्त सघन छापेमारी अभियान क्षेत्र इलाके में निरंतर जारी रहेगी।

ज्ञात हो कि उक्त इलाके में विगत कई माह पूर्व एक मिनी गन फैक्टरी का उद्भेदन हुआ था लेकिन उक्त इलाके में पुनः संबंधित फैक्टरी का उद्भेदन किसी बड़ी वारदात की गतिविधियों का संशय बना हुआ है। वही जिला परिक्षेत्र में अबतक नवगछिया, नाथनगर व लोदीपुर के इलाके में कुल चार मिनी गन फैक्टरी का उद्भेदन किया गया था, और कितने हथियार निर्माण से संबंधित जानकारी प्राप्त होती हैं, ये तो आने वाले समय ही बताएगा।

गलत बिलिंग को लेकर उपभोक्ता ने किया विरोध प्रदर्शन

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिले भर में जबसे स्मार्ट मीटर लगा है तब से अपनी विधुत बिल को लेकर उपभोक्ता काफी परेशान दिखाई दे रहे हैं, वही मामले को लेकर विभाग द्वारा तैयारी के पूर्व विभाग समिति स्मार्ट मीटर लगाने को अग्रसर हुए है, लेकिन इसका कोई फायदा उपभोक्ता को नहीं मिल पा रहा है, इसी बाबत कचहरी चौक स्थित बिजली ऑफिस में सैकड़ों उपभोक्ताओं ने अनाप-शनाप बिजली बिल आने से त्रस्त हो एक जुट हो कार्यालय परिसर में जमकर हंगामा किया। इस दौरान उपभोक्ताओं का साफ तौर पर कहना था कि बिजली विभाग उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट मीटर जबरन लगा कर मोटी रकम वसूल कर रही हैं जो कही से सही नहीं है, विभाग के द्वारा लगाये गये विधुत स्मार्ट मीटर की बिलिंग से लोग त्रस्त हो परेशान चल रहे हैं, जितना कमाकर खाने में नहीं लगाते उससे ज्यादा बिजली बिल भरना पड़ रहा है। जिससे लोग काफी आक्रोशित मुद्रा में दिखाई दे रहे हैं। वही उपभोक्ताओं ने कहा कि कार्यालय में बिल की शिकायत लेकर आता हूं तो कोई भी अधिकारी मिलने के लिए तैयार नहीं होते हैं, और ना ही उचित मार्गदर्शन देते हैं। अगर विभाग का यही रवैया रहा तो हम उपभोक्ता लोग विभाग के विरोध में सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। ज्ञात हो कि स्मार्ट मीटर व गलत बिलिंग के विरोध में बिजली उपभोक्ता संघर्ष समिति के बैनर तले स्टेशन चौक स्थित धरना प्रदर्शन किया गया था, जिसे लेकर एक कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने विभाग के मंत्री से बात कर मसले को हल करने की बात कही गई थी।

दुकानदार ने ग्राहक पर फेंका खौलता हुआ चाय

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। इन दिनों कई तरह के घटनाक्रम सामने आते रहे हैं, इसी कड़ी में एक ऐसी घटना घटित होने की बात सामने आई हैं कि महज पांच रुपये के चलते एक चाय दुकानदार ने खौलता हुआ चाय ग्राहक के ऊपर फेंक दिया है। घटना को लेकर मिली जानकारी के मुताबिक जीरोमाइल के औद्योगिक थाना क्षेत्र स्थित एक चाय दुकानदार द्वारा पानी के बोतल का पैसा ज्यादा मांग किये जाने पर ग्राहक ने जब पैसा देने से मना किया तो उक्त दुकानदार ने चूल्हे पर चढ़ा हुआ खोलता चाय को ग्राहक के ऊपर फेंक दिया, जिससे ग्राहक युवक बुरी तरह झुलस गया। वही मौजूद अन्य लोगों के द्वारा आनन फानन में घायल झुलसे ग्राहक युवक को त्वरित इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सक द्वारा पूछताछ के क्रम में घायल युवक का नाम सुमित कुमार पिता नीतेश कुमार बताया गया है, वही घटना को लेकर घायल सुमित का कहना हुआ की मैंने पानी के बोतल लिया था,वही दुकानदार ने पानी की बोतल की कीमत बीस रुपये की मांग की, मैंने कहा पंद्रह रुपये दाम है फिर आप बीस रुपये क्यों ज्यादा ले रहे हैं, इस पर दुकानदार काफी गुस्से में आग बबूला हो गया और खोलता हुआ गर्म चाय का सस्पेंड मेरे ऊपर फेंक दिया, हालांकि घायल सुमित ने कहा कि उक्त दुकानदार का नाम मैं नहीं जानता मामले में घायल के परिजनों ने भागलपुर के औद्योगिक थाने में आवेदन दे कर चाय दुकानदार के विरुद्ध मामला दर्ज करने की बात कही है।

स्मार्ट सिटी के तहत सैंडिस कंपाउंड में किए गए कार्यों का डीएम ने लिया जायजा

भागलपुर। जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन व उनकी विभागीय टीम ने स्थानीय सैंडिस कंपाउंड मैदान परिसर में चल रहे स्मार्ट सिटी के तहत कार्यों का जायजा लेने के लिए पहुंचे जहां उन्होंने संबंधित कार्यों का निरीक्षण किया साथ ही बने सभी विभागों को देखा। वही उन्होंने कहा कि शहर वासियों के लिए यह स्मार्ट सिटी के तहत बड़ी सौगात मिल रही है जहां बच्चे, बूढ़े, जवान व महिलाओं के लिए कई तरह की सुविधाएं हैं, साथ ही पार्क में युवाओं के लिए जिम, स्विमिंग पार्क, बैडमिंटन कोर्ट के अलावे कैफेटेरिया टॉय ट्रेन से लेकर कई मूलभूत सुविधाओं से लैस सैंडिस कंपाउंड मैदान परिसर में दी गई है, साथी यहां के कैफिटेरिया में विशेष थाली की भी व्यवस्था की गई है साथ ही इस कैपिटल या में अमीर हो या गरीब सभी लोगों के लिए ध्यान में रखते हुए इसका निर्माण कराया गया है जिससे सभी लोग उसका लाभ उठा सकें। वही जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि जहां जो कमी है उसे जल्द पूरा कर लिया जाया, यह उक्त काम को पहले ही हो जाना था।

एएसआई अर्जुन कुमार की हुई आकस्मिक मौत

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिला पुलिस लाइन में तैनात सहायक अवर निरीक्षक अर्जुन कुमार का अचानक मृत्यु होने की सूचना मिलते ही पूरे पुलिस लाइन में माहौल गमगीन हो गया। वही मामले को लेकर बताया जा रहा है कि विगत देर शाम अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के क्रम में उनकी मौत हो गई। मृतक जवान गया जिले के नादरगंज खजांची गली के रहने वाले है। वहीं जवान की हुई मौत के बाद मौत की खबर विभाग के अधिकारियों द्वारा परिजनों को दी गई।

जिसके बाद उनकी पत्नी और एक बेटे भागलपुर पुलिस लाइन पहुंचे हैं। वही मृतक अर्जुन के शव का पोस्टमार्टम कराया गया जिससे बाद उनके पार्थिव शरीर को पुलिस लाइन लेजाया गया जहां विभागीय अधिकारियों, पदाधिकारियों व अन्य सहयोगी पुलिस बलों ने उन्होंने अंतिम विदाई सलामी देकर दी गई। इस दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार और पुलिस लाइन डीएसपी सहित काफी संख्या में पुलिस के जवान मौजूद थे। वही जवान अर्जुन के पार्थिव शरीर पर सभी ने एक एक कर फूल चढ़ाएं इस दौरान पूरे पुलिस लाइन में मातम पसरा हुआ था। वही मृतक जवान अर्जुन के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक आवास पर परिवार के सदस्यों के साथ भेज दिया गया है।

स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ लिट्टी चोखा का स्वाद चखाने बुलाए थे बिहार : भाजपा प्रवक्ता

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। बेंगलुरु में विपक्षी दलों की हुई बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, लालू यादव और तेजस्वी यादव के प्रेसवार्ता से पूर्व ही वापस लौटने पर भाजपा एमएलसी सह पूर्व उद्योग मंत्री बिहार सरकार सैयद शाहनवाज हुसैन ने सवाल खड़े कर दिये हैं, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति वह सहानुभूति रखते हैं। मुख्यमंत्री ने बिहार में कांग्रेस के नेता सहित अन्य दल के लोगों को स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ-साथ लिट्टी चोखे का स्वाद चखाया है, लेकिन बेंगलुरु में कांग्रेस पार्टी के द्वारा उनका अपमान किया गया और बैठक से पूर्व ही मुख्यमंत्री के खिलाफ पोस्टर लगाए गए थे। वहीं उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को कनवेनर बनाए जाने की बात हुई थी, लेकिन कांग्रेस ने कनवेनर भी नहीं बनने दिया। वही उन्होंने कहा कि यह मुख्यमंत्री का अपना मामला है। नीतीश जी के साथ सहानभूति है हम लोगों की।

कीचड़ में जिंदगी जीने को मजबूर है रतनपुरा गांव निवासी

प्रात : किरण ब्यूरो

संग्रामपुर(मुंगेर)। जहां एक और बिहार सरकार लोगों के सुविधा के लिए गांव में गली-गली पक्की करण मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना प्रधानमंत्री सड़क योजना चलाने को लेकर के सरकार तत्पर्य है गर्भवती माताएं , छात्र छात्राएं , किसान व्यापारी आसानी से लोकल बाजार पहुंच सके आसानी से एंबुलेंस घर तक पहुंच सके गांव की सड़कें तो पक्की करण कराया गया है इसके बावजूद भी कुछ ऐसे गांव है जहां पर की सैकड़ा से अधिक लोग कीचड़ में जिंदगी जीने को हो रहे हैं मजबूर बताते चलें कि ऐसा मामला तारापुर विधानसभा क्षेत्र के प्रखंड के रतनपुरा गांव का देखा जा रहा है महादलित टोले की बस्ती में घुटने से अधिक कीचड़ बना हुआ है ग्रामीणों का कहना है यह सड़क केवल रतनपुरा गांव बांसी के लिए नहीं झिकुली में चंदनिया श्रीपुर मकनपुर चंद्रपुरा नौगांय जैसे कई गांव लोगों का आवागमन है आने जाने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है आज से एक वर्ष पूर्व महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना के तहत दो सड़क का तारापुर के विधायक राजीव कुमार सिंह के द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया था। इस योजना का नाम ग्राम रतनपुरा में संतोष सिंह घर तक पीसीसी कार्य इसका प्रचलन राशि 13 लाख 7 हजार 25 रुपैया था वही दूसरा सड़क मथुरा मांझी घर से लेकर के भोला मांझी घर तक पीसीसी कार्य जिसका प्राक्कलन राशि 05 लाख 99 हजार 737 रुपैया का था लेकिन 01 वर्ष बीत जाने के बावजूद भी सड़क में आज तक कोई काम नहीं हुआ है खास करके बरसात के दिनों में सड़क कीचड़ मय हो जाता है गाड़ी चलना तो दूर की बात है पैदल चलना भी आम जानता को मुश्किल हो जाता है इस सड़क को लेकर के पूरा गांव के लोगों में विधायक एवं जनप्रतिनिधि के ऊपर काफी आक्रोशित हो गए हैं इस संदर्भ तारापुर के विधायक राजीव कुमार सिंह के द्वारा करने वक्त बताया गया था कि सड़क बनाने का कार्य लगभग 06 महीने में पूरी कर ली जाएगी पर 06 महीना कौन पूछे 01 साल से अधिक समय बीत जाने के कारण आज तक सड़क का कार्य नहीं हो सका वही यहां के लगभग एक हजार से अधिक आबादी के लोग कीचड़ में चलने को मजबूर है इतना ही नहीं इस कीचड़ जगह पर स्कूल भी स्थापित है विद्यालय में लगभग तीन सौ से अधिक बच्चे का नामांकन है लेकिन सभी बच्चे कीचड़ में घुसकर विद्यालय जाते हैं इस संदर्भ में जब स्कूटी मुंगेर से बात किया गया तो उनके द्वारा बताया गया कि पूरा गांव में का कार्य हो रहा है एवं मैट्रियल गिराया जा रहे हैं वहीं ग्रामीण अंतर लाल मांझी फंटूश मांझी सुरेश मांझी चंद शेखर मांझी इत्यादि लोगों ने बताया कि पिछले कई वर्षो से स्थानीय विधायक एवं पदाधिकारी के द्वारा यही बहाना बनाया जाता है कि का टेंडर हो गया है, मटेरियल गिराया जा रहा है काम हो रहा है पर धरातल पर देखा जाए तो ऐसा कुछ नहीं हुआ है। ग्रामीणों ने कहा कि स्थानीय विधायक और संबंधित पदाधिकारियों का आश्वासन कोरा ही साबित हुआ है।

उर्वरक निगरानी समिति की बैठक में छाया रहा खुदरा खाद विक्रेता का मामला

प्रात : किरण ब्यूरो, मुंगेर

मुंगेर : जिले के जमालपुर प्रखंड कृषि पदाधिकारी विनय कुमार की अध्यक्षता में खुदरा खाद विक्रेताओं की समस्याओं से संबंधित प्रखंड व उर्वरक निगरानी समिति जमालपुर की बैठक साफिया सराय कृषि केंद्र में आयोजित की गई। बैठक में कुल 10 प्रस्ताव पारित किए गए । बैठक आरंभ होते ही सर्व प्रथम उपस्थित सदस्यों का कृषि पदाधिकारी के द्वारा स्वागत किया गया। बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया कि उर्वरक की बिक्री जीरो टॉलरेंस नीति के तहत की जाए। उपस्थित सदस्यों द्वारा बताया गया कि थोक विक्रेता उर्वरक नहीं देते हैं। उर्वरक के साथ जबरदस्ती यूरिया, जिंक, कैल्शियम, सल्फर आदि टैग कर दे रहा है। इसका मूल काफी अधिक रहता है । किसान लेना नहीं चाहते । खुदरा विक्रेता का पूंजी फस जाता है। जिला कृषि पदाधिकारी को इस दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने की जरूरत है। प्रखंड अध्यक्ष जदयू मुनीलाल मंडल द्वारा बताया गया कि थोक विक्रेता द्वारा जबरदस्ती उत्पाद देना उपभोक्ता संरक्षण कानून के खिलाफ है तथा उत्पादन नहीं देने पर उर्वरक नहीं देंगे। यह ब्लैकमेल है अपराध है। उपस्थित सदस्यों द्वारा बताया गया कि जमालपुर के किसानों का जमीन बरियारपुर, धरहरा तथा सदर प्रखंड में अधिक है, इसलिए जमालपुर प्रखंड का आवंटन बढ़ाने की अनुशंसा जिला कृषि पदाधिकारी करनी चाहिए। इसके अलावा दुकान समय पर खोलेंगे तथा पास में ही करेंगे। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जमालपुर प्रखंड के किसान को आवश्यकता अनुसार सदर प्रखंड के बिस्कोमान एवं अन्य विक्रेता के द्वारा भी उर्वरक दिया जाएगा। जिन उर्वरक प्रतिष्ठान पर उर्वरक प्राप्त होता है वह सूचित करें ताकि भौतिक सत्यापन किया जा सके। सभी खुदरा विक्रेता अपने दुकान पर निरीक्षण पंजी रखेंगे तथा जिसमें निरीक्षण करने वाले पदाधिकारी अपना पद नाम निरीक्षण की तिथि एवं निरीक्षण का विवरण अंकित करेंगे।

पुण्यतिथि पर याद किए गए पूर्व सांसद रामचंद्र पासवान

राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मनाया पुण्यतिथि

प्रात : किरण ब्यूरो , मुंगेर

मुंगेर : शहर के गुलजार पोखर में शुक्रवार को समस्तीपुर के पूर्व सांसद स्वर्गीय रामचंद्र पासवान का चौथा पुण्यतिथि दलित सेना जिलाध्यक्ष गणेश पासवान के नेतृत्व में मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के मुंगेर जिलाध्यक्ष अमित उपस्थित थें। सर्वप्रथम पार्टी कार्यकताओं ने दिवंगत सांसद रामचंद्र पासवान के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुएं श्रद्धा सुमन अर्पित किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के जिलाध्यक्ष अमित ने कहा कि दिवंगत सांसद रामचंद्र पासवान अपने बड़े भाई स्वर्गीय रामविलास पासवान के नक्शे कदम पर चलकर राजनीति को एक नई दिशा प्रदान की। उन्होंने कहा कि दिवंगत सांसद रामचंद्र पासवान के योगदान को पार्टी कार्यकर्ता कभी भुला नहीं सकती है। अध्यक्षीय संबोधन में दलित सेना के जिलाध्यक्ष गणेश पासवान ने कहा कि दिवंगत सांसद रामचंद्र पासवान व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति थे। पार्टी कार्यकताओं से दोस्त व भाई की तरह मिलते थे और उनकी समस्याओं को जानने का प्रयास करते थे। पुण्यतिथि पर उन्हें हम सभी पार्टी कार्यकर्ता सादर नमन करते हैं। युवा जिलाध्यक्ष विक्रम चंद्रवंशी ने अपने संबोधन में कहा कि दिवंगत सांसद रामचंद्र पासवान ने अपने संसदीय क्षेत्र समस्तीपुर में विकास की जो लकीर खींची है, उसे आगे बढ़ाने के कार्य उनके पुत्र प्रिंस राज कर रहे हैं। कार्यक्रम को राष्ट्रीय लोजपा के जिला उपाध्यक्ष अमन कुमार, पार्टी पदाधिकारी आयुष कुमार, सुदू सिंह सहित आदि कार्यकताओं ने भी संबोधित किया। मौके पर बड़ी संख्या मे पार्टी कार्यकर्ता कार्यकर्ता मौजूद थे।

जलजमाव पूर्णिया नगर निगम की बन चुकी है स्थायी पहचान, जनता वर्षों से बन रहे इसके साक्षी

नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से जनता को नहीं है कुछ खास विकास का भरोसा

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । मानसूनी बारिश के प्रवेश के अभी कुछ ही दिन गुजरे हैं, लेकिन इतने दिनों में ही पूर्णिया नगर निगम की अव्यवस्था की पोल खुल गयी है। पूर्णिया में अबतक मानसूनी बारिश काफी हल्की ही रही है, फिर भी काफी कम बारिश में ही सडक के साथ-साथ मुहल्लों में पानी का जमाव देखा जा रहा है। पानी व कीचड़ की स्थिति से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। इस तरह की स्थिति पूर्णिया नगर निगम के लिए कोई नयी नहीं है यह यहां वर्षो से चली आ रही एक परंपरा का रूप ले चुकी है और निगम की जनता अपनी इस समस्यानुमी परंपरा का वर्षो से साक्षी बनते आ रहे हैं और परेशानी से दो-चार हो रहे हैं। लेकिन इस दिशा में अबतक यहां के जनप्रतिनिधियों ने कोई पहल ही नहीं किया है। शुक्रवार को शहर में महज कुछ देर की बारिश से ही कई मुहल्ले जलमग्न दिखे। पूर्णिया नगर निगम के विभिन्न वार्डो में जलजमाव का सबसे बडा कारण है यहां नाला का अभाव। नाला के अभाव में बारिश का पानी सडक पर जमा हो जाता है और जलजमाव की स्थिति बनती है। विभिन्न मुहल्ले के लोगों ने बताया कि पूर्णिया नगर निगम का क्षेत्र तमाम तरह की कुव्यवस्थाओं का शिकार है और इसका सबसे बडा कारण है यहां के जनप्रतिनिधियों की शिथिलता और स्वार्थ सिद्धि। यहां के जनप्रतिनिधियों ने कभी जनता की परेशानियों के बारे में कुछ सोचा ही नहीं। क्षेत्र में नगर निगम के मौलिक सुविधाओं का अभाव स्पष्ट दिखाई पड़ता है। विकास के नाम पर जगह जगह कचरे की समस्या, जल नल योजनाओं का पता नहीं, सड़क एवं नाले की जर्जर स्थिति स्पष्ट दिखाई पड़ती है। लोगों ने बताया कि आज तक नगर निगम, नगरपालिका में जो भी काबिज रहा, उसने सरकारी संपत्ति का दुरुपयोग ही किया है। इसका खामियाजा यहां के लोगों को भुगतान पड रहा है। लोगों से जब पूछा गया कि इस बार नगर निगम की जनता द्वारा यहां के बडे से लेकर छोटे स्तर तक के जनप्रतिनिधियों का चुनाव किया गया है, ऐसे में नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से लोगों की भलाई हेतु कार्य की उम्मीद की जा सकती है तो लोगों ने कहा कि नगर निगम चुनाव के कई महीने तो बीत चुके हैं लेकिन स्थिति यथावत ही है। ऐसे में जनप्रतिनिधियों से कुछ ज्यादा अपेक्षा करना खुद के साथ धोखा देने जैसा ही लगता है। खैर यूँ कहें तो बिल्कुल गलत नहीं होगा कि शहरी इलाके में थोड़ी सी भी बारिश से पानी का जमाव यहां की स्थायी पहचान बन चुकी है।

टीबी मुक्त पंचायत पहल कार्यक्रम की सफलता को लेकर जिला स्तरीय बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया। राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत "टीबी मुक्त पंचायत पहल" कार्यक्रम की सफलता को लेकर जिलास्तरीय बैठक राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय सह अस्पताल परिसर के जीएनएम सभागर में सिविल सर्जन डॉ अभय प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिला संचारी रोग पदाधिकारी डॉ मिहिरकान्त झा, जिला टीबी एड्स समन्वयक राजेश कुमार शर्मा, जिले के एसडीएच, रेफरल अस्पताल, सीएचसी एवं पीएचसी के एमओआईसी, जिले के सभी प्रखंडों के पंचायती राज पदाधिकारी, बीएचएम, बीसीएम, एसटीएस एवं एसटीएलएस सहित डब्ल्यूएचओ के डॉ मेजर अवकाश कुमार, केएचपीटी के डीएल अरुणेंदु झा, रीच इंडिया के डीएल चंदन कुमार, वर्ल्ड विजन इंडिया के डीएल अभय श्रीवास्तव, सिफार के धर्मेंद्र रस्तोगी सहित कई अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। सिविल सर्जन डॉ अभय प्रकाश चौधरी ने कहा कि जिले के सभी क्षेत्रों में टीबी मरीजों का नोटिफिकेशन अधिक से अधिक बढ़ाया जाना चाहिए। मालूम हो कि आगामी 2025 तक देश को टीबी मुक्त करना है। किसी भी व्यक्ति में टीबी बीमारी से संबंधित लक्षण की जानकारी मिलती है तो उसे अविलंब स्थानीय हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (एचडब्ल्यूसी) पर ले जाएं और जांच कराकर संपूर्ण उपचार कराएं। वहीं बैठक के दौरान सभी एसटीएस को निर्देश दिया गया कि टीबी रोग की पहचान होते ही एसटीएस उसके घर का भ्रमण जरूर करें। गृह भ्रमण के दौरान छह वर्ष उम्र तक के बच्चों को जेएनएच की गोली देना सुनिश्चित करें। वहीं अगर गृह भ्रमण के दौरान उनके घर के किसी व्यक्ति में भी टीबी के लक्षण पाए जाते हैं तो शीघ्र ही उनके बलगम जांच की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। जिला संचारी रोग पदाधिकारी डॉ मिहिरकान्त झा ने बताया जिले के चयनित प्रखंड के चयनित पंचायत के वार्ड एवं ग्राम को टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के लिए कई प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है। रोगियों के इलाज के साथ ही आमजनों के बीच जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। जिसको लेकर अभियान की शत प्रतिशत सफलता के लिए प्रक्रिया तेज कर दी गई है। टीबी मुक्त पंचायत बनाने के लिए संबंधित पंचायत जनप्रतिनिधि, चिकित्साकर्मी, टीबी चैंपियन, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सेविका, जीविका समूह से जुड़ी दीदी और स्थानीय स्तर के सामाजिक कार्यकताओं की ओर से सामुदायिक स्तर पर बैठक का आयोजन किया जाएगा। डब्ल्यूएचओ के डॉ मेजर अवकाश कुमार ने

संक्षिप्त खबरें

मुखिया ने टीवी मरीज को लिया गोद

चरपोखारी। चरपोखारी में प्रधानमंत्री द्वारा टीवी निश्चय मित्र राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन के तहत प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस दौरान टीवी मरीज मकुंदपुर निवासी सीजग राम को इलाज में मदद के लिए एवं कुपोषण से बचाव के तहत मुकुंदपुर पंचायत के मुखिया प्रवीण कुमार उर्फ राजू ने मरीज को गोद लिया इस दौरान मुखिया ने कहा कि टीवी मरीज को आवश्यकता अनुसार महीने में उनके ऊपर जो भी पैसे खर्च होंगे उसका वहन उनके द्वारा किया जाएगा इस दौरान मुखिया ने एक महीना का टीवी मरीज को खाने पीने के लिए पौष्टिक भोजन सेव अनार केला उपलब्ध कराया गया इस अवसर पर चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर संजय कुमार प्रखंड विकास पदाधिकारी मोनिका कुमारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी चरपोखरी राधिका रमन डॉक्टर मनीषा कुमारी वरीय उपचार पर्यवेक्षक प्रकाश कुमार गुप्ता निरंजन कुमार सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

कई दिनों से गड़हनी में बीएसएनएल फेल, परेशान हैं उपभोक्ता

गड़हनी।भोजपुर के गड़हनी प्रखंड के 8 पंचायत व गड़हनी नगर में में पिछले के दिनों से सरकारी नेटवर्क बीएसएनल फेल होने से सरकारी कार्यालय एवं गैर सरकारी कार्यालय सहित व्यवसाइयों की दुकान शिक्षण संस्थान सहित आम लोगो को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं।नेटवर्क न होने के कारण अपने सगे संबंधी सहित दोस्त मित्र से कनेक्सन खत्म हो गया हैं।गड़हनी के आसपास के इलाको में नेटवर्क अचानक नहीं रहने से लोगो में खौफ का माहौल उत्पन्न हो गया हैं।लोगो का कहना हैं कि बीएसएनएल के सरकारी कर्मी ध्यान नहीं दिए तो चरणबद्ध आंदोलन करेंगे।वही गड़हनी बीएसएनएल सेंटर पर इसके बारे में जानना चाहा तो ताला लटका पाया।बतादें की अगर बीएसएनएल को एरियल टावर से जोड़ दिया जाए तो कभी भी नेटवर्क का प्रॉब्लम नही होगा।

जिलाधिकारी राजकुमार को राष्ट्रपति से सम्मानित होना गौरव का क्षण : इंदु देवी

आरा। मेयर इंदू देवी व मेयर प्रतिनिधि प्रेमपंकज ललन ने भोजपुर जिलाधिकारी राजकुमार को प्रभु श्रीराम का मोमेंटो फ्रूट बुके व अंग वस्त्र से सम्मानित किया।इस अवसर पर मेयर इंदु देवी ने कहा की हमारे जिलाधिकारी राजकुमार को देश की राजधानी दिल्ली में महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कर कमलों से सम्मानित होना हम सबके लिए गौरवपूर्ण क्षण हैं।जिलाधिकारी राजकुमार ने जिला में अपने उत्कृष्ट कार्य के बदौलत जो नाम कमाया हैं वह स्वर्ण अक्षरो में अंकित होगा।जिला के विकास का जो सपना हम सबका हैं उस सपने को साकार करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान हैं।ऐसे में उनका सम्मानित होना यह सभी जिला वासी का सम्मान हैं। वहीं मेयर प्रतिनिधि प्रेमपंकज ललन ने सम्मानित करते हुए कहा की देश के प्रथम नागरिक से सम्मानित होना कोई साधारण बात नहीं हैं जबसे जिलाधिकारी महोदय का आगमन भोजपुर की धरती पर हुआ हैं तबसे विकास का गति बढ़ा हैं क्योंकि बहुत सारे योजनाओं को उन्होंन साकार किया हैं आज उनके सम्मानित होने से हम सबको गर्व महसूस हो रहा हैं ऐसे ही वे नित्य गतिमान रहें और जिला का विकास करें।

पितृपक्ष मेला श्रेत्र को पांच जोनों में बाटा गया: नगर आयुक्त

गया।आगमी पितृपक्ष मेला को सफल आयोजन के लिए नगर निगम आयुक्त अभिलाषा शर्मा गया नगर निगम की अध्यक्षता में आगामी पितृपक्ष मेला की तैयारी हेतु बैठक की गई है।जिसमे सभी उप नगर आयुक्त, सहायक अभियंता, सभी कनीय अभियंता एवं मौजूद थे।जिला पदाधिकारी गया द्वारा पितृपक्ष मेला संबंधी बैठक में पंडा समाज द्वारा दिया गया मेला क्षेत्र के पथ, नाली, गली, नाली कवर, चैंबर कवर इत्यादि की सूची एवं जिला पदाधिकारी गया द्वारा नगर विकास एवं आवास विभाग को दिए गए सूची के कार्यों की समीक्षा की गई है।आगे यह भी निर्देश दिया गया की जो पथ आर. सी. डी, बुडको एवं जल संसाधन विभाग का है उसे अविलंब मर्रमती हेतु पत्राचार करें एवं जो नगर निगम का है उसका प्राकलन दें एवं सभी कनीय अभियंता को दो दिनों के अंदर, नगर निगम के पथ एवं नाली की मर्रमती, टूटे नाली स्लैब का कवर, चैंबर कवर का प्राकलन देने का निर्देश दिया गया है जिला पदाधिकारी द्वारा खराब लाइट्स का सर्वे कर जो सूची उपलब्ध कराई गई है।

निजी करण से मुक्त कराए बिना किसानों का पटवन होना मुश्किल : सी डी शर्मा

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। आज संदेश प्रखंड के सकड़ी नासरीगंज पथ बागा नहर पुल के पास कोइलवर राजवाहा में धान की रोपनी में पानी नहीं आने के कारण किसानों द्वारा अनिश्चितकालीन धरना का आयोजन किया गया। धरना के माध्यम से किसानों ने कहा कि कोईलवर राजवाहा को जब से सरकार जाली कृषक समूह को दे दिया है तब से कोईलवर राजवाहा जंगल झाड़ से भर गया है। वर्तमान में नहर की स्थिति पानी आने के लायक नहीं है। निजीकरण होने के बाद करीब 20 वर्षों से सफाई का काम नहीं हुआ नहर बिल्कुल ही पानी आने के लायक नहीं बचा है। पिछले सोमवार को भाजपा नेता सी डी शर्मा कृषक भोला सिंह चंदेश्वर सिंह एवं अरुण सिंह भीमपुरा ग्राम के अधीक्षण अभियंता सोन कैनाल से मिलकर जाली कृषक कमेटी की जांच करवा कर नहर के निजी करण से मुक्त कराने की बारे में विस्तार से रखा जिस पर अधीक्षण अभियंता ने तुरंत सहायक अभियंता को दूरभाष पर निर्देश दिया कि अभिलंब जाली कृषक समूह को जांच कर रिपोर्ट भेजें। तदोपरांत आज से किसानों ने अनिश्चितकालीन धरना प्रारंभ किया धरना में मुख्य रूप से ग्राम बागा भीमपुरा नूरपुर फुलारी खंडोल किरकिरी मेहनदौरा इत्यादि गांव के लोग शामिल हुए किसानों में काफी आक्रोश देखने को मिला जिसमें मुख्य रुप से किसान मौला शरण सिंह चंदेश्वर सिंह अरुण सिंह पूर्व मुखिया रामाकांत सिंह पैक्स अध्यक्ष वेंकटेश सिंह इत्यादि 500 की संख्या में किसान शामिल हुए।

धरना को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री सी डी शर्मा एवं जिलाध्यक्ष दुर्गा राज जी जिलाधिकारी भोजपुर से मिलकर धरना के बारे में विस्तार से बताया श्री शर्मा ने जिलाधिकारी को कहा कि कोईलवर राजवाहा की हालत खराब होने के पीछे नहर का निजीकरण होना प्रमुख बात है। सरकार का निर्देश है कि जो नहर बितरणी है उसी को कृषक समूह को दिया जाना है।जबकि कोईलवर राजवाहा है वितरणी नहीं है।लेकिन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा पैसा लेकर इस राजवाहा को गलत तरीके से वितरणी दिखाकर कृषक समूह को दे दिया गया। कृषक समूह की पूरी कमेटी जाली है इसको जांच करा करके अभिलंब नहर को निजी करण से मुक्त किया जाए।बातों की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने तुरंत अधीक्षण अभियंता को फोन करके निर्देश दिया कि मेरे यहां से दो जेसीबी मशीन और पोकलेन को ले जाकर नहर की सफाई कर किसानों का पटवन सुनिश्चित है।

स्वास्थ शिविर का आयोजन कर ग्रामीणों को किया गया जागरूक

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। रल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन अपने सामाजिक सरोकार के तहत लोगों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए चिकित्सा शिविर का आयोजन पटना के सदर प्रखंड के कोन कोठिया फतेहपुर गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर किया। शिविर में एलोपैथ होम्योपैथ आयुर्वेद के साथ नेत्र जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। शिविर में सैकड़ों लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई जिसमें महिला स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की कमी देखी गई। होम्योपैथ चिकित्सक डॉ अरुण कुमार सिंह ने महिलाओं को परामर्श के साथ निशुल्क दवा का वितरण भी किया। आयुर्वेद के चिकित्सक डॉ कुमार अंजनेयम ने कहा कि कोरोना काल के बाद लोगों में आयुर्वेद के प्रति विश्वास बढ़ा है। प्रभात मेमोरियल हॉस्पिटल के डॉ नरेंद्र कुमार, डॉ वली अहमद, एएसजी आई हॉस्पिटल के एरिया मैनेजर दीपनारायण आदि ने अपनी सेवा शिविर को दी।

शिविर में बीपी शुगर ईसीजी प्रदर रोग हृदय रोग हड्डी रोग आदि की जांच की गई। सभी लोगों को परामर्श के साथ दवा का भी वितरण किया गया. मौके पर अमृत पांडे, रंजीत कुमार नर्स सोना और रत्नाकुमारी, सुजीत कुमार झा ने लोगों को चिकित्सा परामर्श के साथ जागरूक भी किया। शिविर के सफल संचालन में धनंजय सिंह रविंद्र कुमार सिंह नलेश कुमार विनोद कुमार भूमिका निभाई।

ग्राम पंचायत के अधिकारों में कटौती बर्दाश्त नही : मुखिया संघ

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। बिहार सरकार और भारत सरकार के द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों के अधिकार को लगातार कटौती के खिलाफ 11 बजे दिन में मंगलमूर्ति रिसोर्ट चंदवा आरा में किया गया जिसकी अध्यक्षता श्री मनोज कुमार यादव प्रखंड अध्यक्ष संदेश ने किया।जिसमे प्रदेश अध्यक्ष श्री मिथलेश कुमार राय,प्रदेश के उपाध्यक्ष बिनय भूषण सिंहऔर इन्द्र जीत कुमार विशेष रूप से शामिल थे मंच संचालन मुखिया हरेन्द्र प्रसाद यादव, सनदिया,आरा(पूर्व कोषाध्यक्ष)मुखिया संघ भोजपुर ने किया।बैठक में सरकार के नीतिओ के खिलाख एक जुट होने का आहवान किया।सोलर लाइट, मनरेगा के अधिकार में कटौती, कबीर अंत्येष्टि,बृद्धा पेंशन, राशनकार्ड, जन्म-मृत्यू,पंचायत सरकार भवन तमाम मुद्दों पर आहवान किया।साथ ही प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भोजपुर जिला मुखिया संघ का गठन नही हुआ है आप लोग शीघ्र प्रखंड अध्यक्षो का मीटिंग कराकर संगठन का विस्तार कर ले। कराकर मुझे सूचना दे।उक्त अवसर पर शामिल मुखिया श्री अभय सिंह पूर्व सचिव मुखिया संघ भोजपुर, प्रखंड अध्यक्ष पिरो सत्येंद्र सिंह, प्रखंड अध्यक्ष तरारी श्री गौरी शंकर जी, प्रखड अध्यक्ष श्री रितेश सिंह बड़हरा, प्रखंड अध्यक्ष कोइलवर श्री विनय सिंह, प्रखंड अध्यक्ष आरा श्री मुकेश कुमार,प्रखंड अध्यक्ष श्री पपू साह चरपोखरी, मुखिया लालमुक्ति पासवान,आमोद कुमार राय, संतोष पांडेय, कृष्णा कान्त सिंह, प्रवीण कुमार ,पुजा देवी, गौरी शंकर, मुना कुमार, गौतम सागर, अनिल कुमार गुप्ता, महेन्द्र सिंह, हरिद्वार सिंह बबलु सुरेन्द्र सिंह भूपेंद्र कुमार सिंह, मोहन शर्मा, राहुल पाण्डेय, अमन कुमार, बिरेन्द्र कुमार साह बबन पंडित, गौरी शंकर प्रसाद, राजीव सिंह मुन्ना कुमार, बबलू पासवान, रंजीत कुमार, संजीव कुमार सिंह, उमेश कुमार ,अभय सिंह अखिलेश सिंह, मनोज कुमार ठाकुर ,इंद्रजीत कुमार, उमेश कुमार कुशवाहा ,पूजा देवी, मुकेश कुमार प्रसाद, आई१ सिंह विजयशंकर चौबे ,रितेश कुमार सिंह ,नागेन्द्र कुमार सिंह, संजय यादव ,विनय यादव, गंजेन्द्र सिंह, पप्पू कुमार ,दिनेश्वर, विनय प्रताप सिंह, चंद्रशेखर सिंह, हरेन्द्र यादव ,उदय सिंह, सुरेंद्र सिंह सोलंकी, सुमन कुमार, सत्येन्द्र नारायण सिंह उपस्थित थे।

इंस्पायर फेलोशिप के लिए वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के छात्र का किया गया चयन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। सोमांश का चयन भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किया गया है। सोमांश के चयनित होने पर घर-परिवार और विश्वविद्यालय में खुशी की लहर है।

इंस्पायर फेलोशिप योजना के तहत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा सोमांश को प्रत्येक वर्ष 4,80,000 (चार लाख अस्सी हजार) फेलोशिप के तौर पर किया जायेगा। भारत सरकार द्वारा जो सुविधा नेट जे० आर० एफ ०एस०आर०एफ ० के छात्रों को प्रदान करती है वही सुविधा सोमांश को भी प्रदान की जाएगी।

सोमांश गढ़हनी प्रखण्ड के करनौल चांदी निवासी डॉ रविन्द्र शहबादी के पुत्र हुए। सोमांश ने बताया की स्नातक और स्नातकोत्तर में भी इंस्पायर स्कॉलरशिप मिला था। सोमांश ने बताया की सत्र 2018-2020 स्नातकोत्तर में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के रसायनशास्त्र विभाग का गोल्ड मेडलिस्ट भी है।

सोमांश के पिताजी डॉ रविन्द्र शाहबादी भीम राव अम्बेडकर यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर कार्यरत है तथा उनकी माता डॉ चिंता सिंह शिक्षिका है।

सोमांश के इंस्पायर फेलोशिप मिलने पर उनके दोस्तो ने बधाई दी। इनमे विशाल सिंह, अमित सिंह(विशाल का भाई), छोटू सिंह, राज पांडे शामिल थे।

5 सूत्री मांग को लेकर जिलाधिकारी के पास धरना

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। सर्वविदित हो कि 5 सूत्री मांग को लेकर जिलाधिकारी के पास धरना हुई, जिसकी अध्यक्षता मोर्चा के अध्यक्ष गोरख नाथ अकेला ने किया व संचालन प्रवक्ता ललन प्रसाद नट ने किया। धरना को सम्बोधित करते हुवे अकेला ने कहा कि 14,07,2023 को बेलवनिया गाँव के 50 घर नट महा दलितों के दर्जनों महिलाये को वही के यादव परिवार के द्वारा मार पिट लूट पाट आगलगी की घटना की गई, नटनगार कहते हुवे गली दी गई एक 14 साल कि लड़की के साथ छेड़खानी की गई जिसका लिखित शिकायत थाना बिहिया मे दी गई लेकिन अभी तक प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई, जो सरा सर नाइंसाफी है, इससे साफ जाहिर होता है कि यहां कानून का राज नहीं है,अतः जल्द से जल्द प्राथमिकी दर्ज किया जय,एवं दोषियो को पकड़ कर जेल मे डाला जय, चाहे वह किसी भी जाति का हो, आगे प्रवक्ता ललन प्रसाद ने कहा कि लापरवाही के दोसी थाना प्रभारी बिहिया को निलंबित किया, प्रति बेयक्ति 4लाख रूपरा मुआवजा दिया जाय, एवं सुरक्छा कि गारंटी किया जय, नबलिक लड़की के साथ हुवे छेड़खानी के लिए पौक्सो धारा मे प्राथमिकी दर्ज किया जाय।

सरकार आशा कार्यकर्ता और फैसिलिटेटरों से करे वार्ता : माले

आरा। आशा संयुक्त संघर्ष मंच के आह्वान पर चल रहे हड़ताल का समर्थन में आज भाकपा - माले के केंद्रीय कमिटी सदस्य व जिला सचिव जावाहर लाल सिंह ने उदवंतनगर, तरारी विधायक सुदामा प्रसाद ने आरा, जगदीशपुर, अगिआंव विधायक मनोज मंजिल ने उदवंतनगर, गड़हनी, चरपोखरी, केंद्रीय कमिटी सदस्य राजू यादव ने बिहियां, शाहपुर, जगदीशपुर प्रखंडों में पहुंच कर हड़ताल को सम्बोधित किया और एकजुटता जाहिर किया। नेताओं सम्बोधित करते हुए सरकार से मांग किया कि तत्काल हड़ताल कर्मियों से वार्ता किया जाए। सरकार 40 प्रकार का कार्य करवाती है।लेकिन जब मानदेय या वेतन की बात आती है तो हाथ खरा कर एक हजार रुपया मासिक मानदेय देने की बात करती है।जो न्यूनतम मजदूरी से काफी कम है यानी सरकार इन्हें बंधुआ मजदूर समझती है इस लिए हमलोंगो का मांग है कि कर्मियों को न्यूनतम मजदूरी 18 हजार मानदेय, व राज्यकर्मी का दर्जा दे।

नेताओं में कहा कि भाकपा - माले आशा कार्यकर्ता और फैसिलिटेटरों के हडताल के समर्थन में मजबूती के साथ खड़ी है।

भाजपा के प्रतिनिधि मंडल ने किसानो के लिए नहर की सफाई और पानी देने के लिए डीएम से मिले

आरा। भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष दुर्गा राज के नेतृत्व मे एक प्रतिनिधि मंडल भोजपुर जिलाधिकारी राजकुमार से मिलकर संदेश प्रखंड के बागा मे धान की रोपनी के लिए नहर की सफाई और पानी छोड़ने के लिए अनुरोध किया गया। जिलाधिकारी महोदय ने भाजपा प्रतिनिधि मंडल के अनुरोध को स्वीकार करते हुए अधीक्षण अभियंता को आदेश देते हुए कहा कि दो पोकलेन और जेसीबी मशीन ले जाकर अतिशीघ्र नहर की सफाई कराकर पानी पहुंचाने का कार्य करे। भाजपा प्रतिनिधि मंडल द्वारा जिलाधिकारी महोदय के तुरंत कार्वाई पर प्रसन्नता ब्यक्त करते हुए आभार ब्यक्त किया गया। ज्ञात हो कि संदेश प्रखंड के बागा और आस-पास के गाँवो के किसानो द्वारा नहर का अतिक्रमण और पानी के लिए धरना दिया गया था। भोजपुर जिला मे अल्पवृष्टि होने के कारण धान की रोपनी मे देरी हो रहा है और साथ मे नहर मे समुचित पानी नही होने के कारण भी किसानो के सिर पर चिन्ता पकड़ा हुआ था।

सड़क हादसे में दो युवक की हुई मौत

जगदीशपुर (भागलपुर)। जगदीशपुर परिक्षेत्र के बायपास टीओपी थाना क्षेत्र अंतर्गत मुख्य सड़क मार्ग के बैजानी पेट्रोल पंप के समीप एक इंधन कंटेनर से बाइक की जबरदस्त टक्कर हो गई। जिससे मौके पर ही बाइक सवार सहित चालक युवक की मौके पर मौत हो गई। वही घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे स्थानीय थाना पुलिस की टीम ने मृतक युवकों की पहचान को लेकर जांच में जुट गई। वही पुलिस ने मृतक युवक की पहचान जगदीशपुर के साइनो गांव के 45 बर्षीय मुकेश कुमार व 50 बर्षीय श्यामा प्रसाद के रूप में की है। गौरतलब हो कि यह उक्त सड़क मार्ग पर घटित हो रहे हादसे में अबतक दर्जनों लोग मौत की गाल समा चुके हैं, बावजूद इसके उक्त मार्ग पर वाहनों की रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रहा है।

शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गौसगंज में सास बहू बेटी का हुआ सम्मेलन

प्रात : किरण संवाददाता

शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गौसगंज मैं सास बहू बेटी का सम्मेलन आयोजन किया गया मुख्य रूप से 10 जोड़ी सास बहू को बुलाया गया इन सभी को गेम के माध्यम से जनसंख्या नियंत्रण पाठ पढ़ाया गया कार्यक्रम की शुरूआत में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर पदमा और डॉक्टर विजय कुमार शर्मा के द्वारा बताया गया कि विश्व जनसंख्या स्थिरता पखवारा के तहत हमारे संस्थान में परिवार नियोजन से संबंधित जो भी सुविधा दी जा रही है उसे लाभार्थियों को आशा के माध्यम से मुहैया करवाया जा रहा है जीएनएम शमशेर यादव और नीलू जी के द्वारा इसकी विस्तृत जानकारी लाभार्थी को दी गई एएनएम दीपा कुमारी और तारा कुमारी के द्वारा लोगों को जागरूक करने की एक अलग तरीके का संदेश दिया गया पीएसआई इंडिया परिवार की ओर से बिंदुवार हर विषय पर ब्रिस्ती चर्चा करते हुए अभिभावक और लाभार्थी को एक समिति बनाते हुए परिवार नियोजन स्थिरता पखवारा पर विशेष चर्चा की गई लोगों को अंतराछड़ी माध्यम से और छोटे से मनोरंजन के माध्यम से इस स्थिरता पखवाड़ा का ज्ञान को बढ़ाया गया कहां गया की जनसंख्या नियंत्रण को लेकर हम सभी एकजुट होने को आवश्यकता है इसमें किसी प्रकार की सोच नहीं करें अपने साथ आसपास के लोगों को जागरूक करें कार्यक्रम का समापन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने किया जनसंख्या पखवारा दिनांक 11 से 31 जुलाई तक चलेगा जिसमें सरकार द्वारा किए गए परिवार नियोजन के सभी संसाधन को सभी लाभार्थियों के बीच वितरित किया जा रहा है इसके लिए आशा से सीएनए फॉर्म के माध्यम से रजिस्ट्रेशन कराया जा रहा है घर आ जा चुका है अंत में सभी लाभार्थी को उपहार भी दिया गया कार्यक्रम में शामिल डॉ विजय कुमार शर्मा जीएनएम शमशेर यादव नीलू कुमारी एनएम दीपा कुमारी तारा कुमारी और पीएसआई इंडिया संजीव कुमार सिंह उपस्थित थे और यह सभी में अहम भूमिका निभाया।

जैन संत की हत्या पर जैन समुदाय में आक्रोश

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जेल रोड स्थित दिगंबर जैन चंद्रप्रभु मंदिर प्रांगण में जैन आचार्य श्री 108 काम कुमार नंदी महाराज जी की नृशंस हत्या पर एक विनयांजलि सभा आयोजित किया गया था। विनयांजलि सभा में सैकड़ों की संख्या में जैन श्रद्धालुओं की उपस्थिति में आरा जैन समाज के द्वारा आचार्य श्री के तैल चित्र के सामने दीपक जलाकर दो मिनट का मौन धारण करके श्रद्धांजलि दी गयी। तत्पश्चात आरा जैन समाज के अध्यक्ष कमलेश कुमार जैन ने कहा की कर्नाटक राज्य में प्रवास कर रहे हैं जैन आचार्य श्री 108 काम कुमार नंदी महाराज जी की नृशंस हत्या असामाजिक तत्वों के द्वारा की गई है यह घोर निंदनीय है इसकी जितनी भी भर्त्सना की जाए वह कम है जैन समाज अहिंसावादी है लेकिन नपुंसक समाज नहीं है दोषियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन भोजपुर जिला के जिलाधिकारी महोदय को ज्ञापन सौंपकर किया जाएगा। सचिव आदित्य बिजय जैन ने कहा की

जैन आचार्य की हत्या से आरा जैन समाज मर्माहत है तथा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने लिए आक्रोशित भी है। तथा उन्होंने मांग किए की दोषियों के विरुद्ध सख्त सजा दी जाए तथा जैन साधु संत की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उपस्थित सभी वक्ताओं ने हत्याकांड की निंदा करते हुए साधु संत की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग किए। संयोजक डॉ शशांक जैन ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि अति अल्पसंख्यक जैन समाज के मंदिर तीर्थ आदि के संरक्षण संवर्द्धन के लिए जैन कल्याण बोर्ड का गठन किया जाए तथा अल्पसंख्यक आयोग में जैन समाज को समुचित प्रतिनिधित्व दिया जाए। मीडिया प्रभारी निलेश कुमार जैन ने कहा कि साधु-संत कि हत्या अत्यंत निंदनीय एवं घोर पाप है सरकार से मांग करते है कि स्पीडी ट्रायल कराकर दोषियों पर यथाशीघ्र सजा सुनिश्चित करें। विनयांजलि सभा में अध्यक्ष कमलेश कुमार जैन, उपाध्यक्ष रीना जैन, सचिव डॉ आदित्य बिजय जैन, मीडिया प्रभारी निलेश कुमार जैन, डॉ विकास चंद्र जैन, शैलेश कुमार जैन, मनोज जैन, मनीष जैन, रौशन चंद्र जैन, वार्ड पार्षद रेखा जैन, अनीश जैन, हर्षित जैन, अजय जैन उर्फ बब्लू जी, अंशु जैन, अनुज जैन, ज्ञान चंद्र जैन के साथ सैकड़ों की संख्या में पुरुष-महिला तथा युवक-युवतियां मौजूद रही।

अपराधियों की अविलंब गिरफ्तारी हो : सुदामा प्रसाद

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। व्यवसायी संघ भोजपुर का जिलास्तरीय प्रतिनिधिमंडल पीड़ित कपड़ा व्यवसायी से मुलाकात कर न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया!आज व्यवसायी संघ भोजपुर का प्रतिनिधिमंडल पवना बाजार में रेडीमेड कपड़े के व्यवसाय करने वाले विनोद कुमार केसरी से मुलाकात कर न्याय का भरोसा दिलाते हुए कहा कि व्यवसायी संघ हर कदम पर उनके साथ खड़ा है!इस अवसर पर पवना बाजार में व्यवसायियों को संबोधित करते हुए भाकपा- माले के तरारी से विधायक व व्यवसायी संघ के जिला सचिव श्री सुदामा प्रसाद ने कहा कि 15 जुलाई 023 को विनोद केसरी के दुकान पर अपराधियों ने मारपीट किया और गोली चलाया लेकिन नामजद ऋक्षफ होने के बावजूद अभी तक एक भी अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं की गई!यह बड़े दुर्भाग्य की बात है!पहले भी केशरी जी के साथ अपराधियों द्वारा गाली गलौज किया गया था!गिरफ्तारी नहीं होने के कारण अपराधियों का हौसला बढता गया!संघ जिला प्रशासन से अपराधियों को तुरंत गिरफ्तारी की मांग करता है!ताकि आगे कोई घटना नहीं हो!इस मौके पर संघ के जिला उपाध्यक्ष श्री सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि व्यवसायी संघ अपने निर्माण काल से ही व्यवसायियों के हित में लड़ता रहा है और लड़का रहेगा!इस अवसर पर पवना के व्यवसायियों द्वारा इस घटना के खिलाफ ली गयी पहलकदमी की सरहाना की और व्यवसायी से संगठित होने की अपील की!इस मौके पर व्यवसाई संघ के जिलाकार्यालय सचिव कृष्णरंजन गुप्ता ने कहा कि जिले में इन दिनों व्यवसायियों के ऊपर आपराधिक गतिविधि काफी बढ़ गई है!इसी 15 जून को बिहिया में केक व्यवसायी की हत्या कर दी गयी!जिला में व्यवसायियों के साथ अन्य घटना हुई है!और इसी को ध्यान में रखते हुए आगामी 30 जुलाई को सर्किट हाउस आरा में व्यवसाई संघ के जिले पदाधिकारियों और कार्यकारणी की बैठक होगी और आगे की रणनीति तैयार की जाएगी!प्रतिनिधिमंडल में जिला सहसचिव संजय महासेठ कार्यालय सचिव कृष्णरंजन गुप्ता जिला सचिव सुदामा प्रसाद जिला उपाध्यक्ष राजनाथ राम,सुरेंद्र प्रसाद सिह,जिला कार्यकारिणी सदस्य अश्वनी कुमार ब्याहुत, अशोक ब्याहुत शामिल थे।

मणिपुर में नफरती भीड़ द्वारा कुकी महिलाओं पर यौन हमले की भयावह घटना से देश शर्मसार : माले

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। मणिपुर में नफरती भीड़ द्वारा दो कुकी महिलाओं पर यौन उत्पीड़न की भयावह व पूरे देश को शर्मसार करने वाली घटना के खिलाफ भाकपा-माले, आइसा, ऐपवा, आरवाईए ने आज राष्ट्रव्यापी विरोध दिवस के तहत जिले के विभिन्न जगहों पर जुलूस निकला कर प्रिरोध किया गया। सभा को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा जिस तरह से वीडियो वायरल हुआ है और उसमें मणिपुर की कुकी आदिवासी महिला को नंगा घुमाकर एक खिलौना की तरह शरीर को भींड़ द्वारा नोचा जा रहा था, वह किसी भी समाज के लिए बहुत ही शर्मसार करने वाली घटना है। पूरे दुनिया में ऐसी घटना कहीं नहीं हुई है। भाजपा के शासनकाल में, भाजपा के नेतृत्व में चलने वाले मैतेई समुदाय के द्वारा किया गया किसी भी धर्म के मानने वालों के लिए घिनौना एवं देश का नाक कटवाने वाली घटना है। डबल इंजन की भाजपा की सरकार रहने के बावजूद मणिपुर 78 दिनों से जल रहा है। सरकार अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठा रही हैं और नहीं मणिपुर के संदर्भ में एक शब्द बोल पाए। जब पूरे दुनिया में थु -थु होने लगी तब मोदी राजनीतिक बयान देते हुए अपना केवल कोरम पूरा करने का काम किया। उससे तो अच्छा होता कि वह एक शब्द बोलते ही नहीं।

उन्होंने कहा जो वीडियो वायरल हुआ है वह 4 मई का है। जैसा कि घटना के बारे में बताया जा रहा है एक झूठी खबर कि मैतेई समुदाय की मेडिकल की छात्रा की बलात्कार कर हत्या कर दी गई है। जैसा कि भाजपा वाले अफवाह फैलाने में महारत हासिल किए हुए है जिसका कुकी समुदाय के गांवों पर हमला करने का भरपूर इस्तेमाल किया। गांवों पर हमला किया गया था जिस डर से कुकी के एक ही परिवार के पांच लोग जिसमे तीन महिला जंगल की ओर भागने लगे। पुलिस वालों से छीनकर भींड़ ने महिलाओं को नंगा किया और परेड मार्च किया। भींड़ में लोग महिला के स्तन व प्राइवेट पार्ट को खिलौना के तरह छेड़ छाड़ कर रहा था। वीडियो कोई भी इंसान व्यक्ति नहीं देख सकता। बातें अब आ रही है कि पुलिस वाले ही उन महिलाओं व कुकी परिवार को भींड़ को सुपुर्द कर दिया था। भींड़ भाई के सामने बलात्कार किया और उसके भाई की हत्या भी कर दिया।

इस तरह के घिनौनी हरकत करने वाले भाजपा की सरकार को उखाड़ फेंकना होगा। भाकपा-माले मांग करती है कि अपराधियों की तुरंत पहचान कर उनकी गिरफ्तारी हो. 'अज्ञातह्ल भीड़ के नाम पर उन्हें बचाने की हर कोशिश का पदार्फाश होना चाहिए. साथ ही, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस्तीफा दें. हमारी यह भी मांग है कि सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में नारीवादियों और वकीलों की एक टीम तत्काल मणिपुर भेजी जाए. यह टीम मामले की संपूर्णता में जांच करे. पुलिस द्वारा की गई कार्रवाइयों पर भी गौर करे. आरा में जवाहरटोला से प्रतिरोध मार्च निकाला गया जो बस स्टैंड के पास सभा मे तब्दील हो गया।

इन्फोसिस का शुद्ध लाभ 11 प्रतिशत बढ़कर 5945 करोड़, सेमीकंडक्टर परिवेश के लिएभारत-जापान में समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी। आईटी कंपनी इन्फोसिस का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 11 फीसदी बढ़कर 5,945 करोड़ रुपये पहुंच गया।एक साल पहले की समान अवधि में 5,362 करोड़ था। इस अवधि में कंपनी की आमदनी 10 फीसदी बढ़कर 37,933 करोड़ रुपये पहुंच गई। हालांकि, इन्फोसिस ने 2023-24 के लिए वृद्धि अनुमान को घटाकर एक से 3.5 फीसदी कर दिया है।

वित्तीय नतीजे में आगे के अनुमान घटाने के बाद कंपनी के अमेरिकन डिपॉजिटरी रिसीट (एडीआआर) में बाजार खुलने के शुरुआती घंटों में 11 फीसदी की गिरावट आई। उधर, हिंदुस्तान यूनिलीवर लि. (एचयूएल) का कर भुगतान के बाद एकीकृत शुद्ध लाभ पहली तिमाही में 6.9 फीसदी बढ़कर 2,556 करोड़ रुपये पहुंच गया।वहीं, कुल आय 14,757 करोड़ रुपये से बढ़कर 15,679 करोड़ पहुंच गई।

हैवेल्स का एकीकृत शुद्ध लाभ पहली तिमाही में 18 फीसदी बढ़कर 287 करोड़ रुपये पहुंच गया।इस दौरान कुल आय 4,292 करोड़ से बढ़कर 4,899 करोड़ रुपये पहुंच गई। यूनियन बैंक का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में दोगुना से ज्यादा बढ़कर 3,236 करोड़ रुपये पहुंच गया।बैंक का सकल एनपीए 10.2 प्रतिशत से घटकर 7.34 प्रतिशत रह गया।

अदाणी समूह ने कहा है कि उसके सीमेंट कारोबार के विलय की योजना नहीं है। वह बाजार में एसीसी और अंबुजा ब्रांड से ही सीमेंट को बेचेगा। सीईओ अजय कपूर ने कहा, पिछले साल समूह देश में दूसरा सबसे बड़ा सीमेंट कारोबार वाला था। रिलायंस इंडस्ट्रीज से अलग होकर बनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेस लि का मूल्यांकन 20 अरब डॉलर आंका गया है। यह कोल इंडिया और इंडियन ऑयल से ज्यादा मूल्यांकन वाली कंपनी बन गई है। शेयर का मूल्य 261.85 रुपये आंका गया था। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से मई, 2023 में शुद्ध रूप से 16.30 लाख सदस्य जुड़े।इस दौरान 8.83 लाख नए सदस्य नामांकित हुए, जो छह महीनों के दौरान सबसे अधिक है। इनमें 18-25 साल के सदस्यों का हिस्सा 56.42 प्रतिशत रहा।

सेमीकंडक्टर परिवेश के लिएभारत और जापान में समझौता

भारत व जापान ने शोध और विनिर्माण सहित सेमीकंडक्टर परिवेश विकसित करने के लिए करार किया है।सेमीकंडक्टर परिवेश के संयुक्त विकास के लिए भारत के साथ समझौता करने वाला जापान अमेरिका के बाद दूसरा भागीदार बन गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और जापान के उद्योग मंत्री निशिमुरा यासुतोशी ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। वैष्णव ने बृहस्पतिवार को कहा, दोनों देश एक संगठन बनाएंगे, जो सरकारों व उद्योगों के बीच सहयोग से काम करेगा।

भारत में 5,000 अरब येन का निवेश करने का इच्छुक है जापान - सिंधिया

इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि जापान इस्पात सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत में करीब 5,000 अरब येन का निवेश करने का इच्छुक है। इस्पात मंत्री ने जापान के अर्थव्यवस्था, व्यापार व उद्योग मंत्री निशिमुरा यासुतोशी के नेतृत्व में एक जापानी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के बाद यह बात कही। सिंधिया ने बताया, हमने व्यापक मुद्दों पर चर्चा की।

वीएफएक्स स्टूडियो, बेसिलिक फ्लाई स्टूडियो ने वित्तपोषण करने के लिए आईपीओ लाने की योजना की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। भारत की एक प्रमुख विजुअल इफैक्ट्स (वीएफएक्स) स्टूडियो, बेसिलिक फ्लाई स्टूडियो लिमिटेड (बीएफएस) ने लगभग 65 करोड़ से 70 करोड़तकके 68,40,000 तक के इक्विटी शेयरों के इनिशियल पब्लिक आफरिंग (आईपीओ) के साथ प्राइमरी मार्केट में प्रवेश करने की अपनी योजना की घोषणा की है, जिसमें 62,40,000 तक के फ्रेश इश्यू और 6,00,000शेयरों तक के ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) का समावेश है। कंपनी, बीएफएस ने एसएमई आईपीओ की तैयारी के लिए एनएसई इमर्ज में अपना ड्राफ्ट रेडहेरिंग प्रास्पेक्ट्स(डीआरएचपी)जमा किया है। बीएफएस का अब तक सफलतापूर्वक 10000 परियोजनाओं को पूरा करने का उल्लेखनीय ट्रेक रिकॉर्ड है 7 जिसमें 2000 सीरीज में 900 मूवीज पर और 8000 से अधिक कमर्शियल्स पर कार्य करने का समावेश है। कंपनी 450 प्रतिभाशाली सदस्यों की समर्पित टीम के साथ विभिन्न उद्योगों के 300 क्लाइंटों को सेवा प्रदान करती है। कंपनी विश्व भर के क्लाइंटों की जरूरत पूरी करते हुए चेन्नई, पुणे, लंदन,वैंकोवर में स्थित अपने कार्यालयों से ऑपरेट करती है।भारत दोनों विदेशी स्वामित्व और देशी स्वामित्व के वीएफएक्स स्टूडियो के साथ विजुअल इफेक्ट के प्रमुख हब के रूप में उभरा है,जो वीएफएक्स और एनिमेशन की बढ़ती डिमांड पूरी कर रहे हैं। स्ट्रीमिंग कंपनियों द्वारा चालित कंटेंट की खपत में वृद्धि होने से वीएफएक्स और एनिमेशन सेवाओं की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि में स्ट्रीमिंग कंपनियों ने अगुवाई की है जिसके परिणाम स्वरूप वीएफएक्स की वैश्विक मार्केट आय के 2021 के 26.3 बिलियन डॉलर से 10.9त्न कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट(सीएजीआर)से बढ़कर 2028 में 48.9 बिलियन डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है। अपने व्यापक अनुभव, इनोवेटिव अप्रोच और टेक्नोलॉजिकल मजबूती का उपयोग करते हुए बीएफएस का उद्देश्य वीएफएस और एनिमेशन की बढ़ती मांग का लाभ लेना है।

दोगुना से ज्यादा बढ़ गया एलएंडटी फाइनेंस का मुनाफा, रेवेन्यू में भी आया उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। एलएंडटी फाइनेंस होल्डिंग्स का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट जून 2023 तिमाही में दोगुना से ज्यादा बढ़ गया है। कंपनी को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 531 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि के दौरान एलएंडटी फाइनेंस होल्डिंग्स को 262 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। कंपनी के शेयर गुरुवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 131.10 रुपये पर बंद हुए हैं। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में एलएंडटी फाइनेंस होल्डिंग्स का रेवेन्यू 8 पर्सेंट बढ़कर 3223 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त

वर्ष की पहली तिमाही में एलएंडटी फाइनेंस होल्डिंग्स का रेवेन्यू 2988 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा है कि उसने 80 पर्सेंट से ज्यादा रिटेलाइजेशन के लक्ष्य 2026 गोल को 3 साल पहले ही हासिल कर लिया है।

64274 करोड़ रुपये रहा रिटेल बुक साइज

पहली तिमाही के लिए रिटेल पीएटी 533 करोड़ रुपये रहा, जो कि सालाना आधार पर 176 पर्सेंट ज्यादा है। चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में रिटेल बुक साइज 64,274 करोड़ रुपये रहा, जो कि एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 34 पर्सेंट ज्यादा है। पिछले साल की समान अवधि में एलएंडटी फाइनेंस का रिटेल बुक साइज 47,794 करोड़ रुपये था।

मासिक सदस्यता के साथ फोनपे ने लॉन्च किया हेल्थ इंश्योरेंस प्लेटफ़ॉर्म

नई दिल्ली, एजेंसी। फोनपे इंश्योरेंस ब्रोकिंग सर्विसेज ने आज प्रमुख बीमाकर्ताओं के साथ साझेदारी में काम्प्रीहेन्सिव इंश्योरेंस की पेशकश करने वाली स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के लॉन्च की घोषणा की। जो बात इन स्वास्थ्य बीमा योजनाओं को अलग करती है, वह है यूपीआई पेमेंट मोड की शुरूआत, जिससे ये ग्राहकों के लिए अधिक किफायती हो गई हैं। फोनपे अब तक 5.6 मिलियन से अधिक पॉलिसी बेचकर देश में बीमा पर निवेश को बढ़ाने में सबसे आगे रहा है। फोनपे इंश्योरेंस प्लेटफॉर्म ने भारत के 98 प्रतिशत पिन कोड पर पॉलिसियां बेची हैं और 200 मिलियन से अधिक व्हीकल इंश्योरेंस कोटेशन प्रदान किए हैं।

1 करोड़ रुपये तक के कवरेज के साथ आने वाली ये स्वास्थ्य बीमा योजनाएं यूजरों को बिना किसी सीमा के किसी भी अस्पताल के कमरे को चुनने की अनुमति देती हैं। एक यूजर प्रत्येक दावा मुक्त वर्ष के लिए बेसिक कवर राशि के 7 गुना तक बोनस कवर जैसी नवीन सुविधाओं का भी लाभ उठा सकता है। फोनपे इंश्योरेंस ब्रोकिंग द्वारा पेश की जा रही हेल्थ इंश्योरेंस प्लान यूजरों को सूचित निर्णय लेने, क्लेम करने और अन्य सेवाओं को एक्सेस करने में मदद करने के साथ बिक्री से पहले और बाद में सहायता प्रदान करती है।

फोनपे के वाईस प्रेसिडेंट फाइनेंशियल सर्विसेज, हेमंत गाला ने लॉन्च पर बात करते हुए कहा, कि हेल्थ इंश्योरेंस खरीदने में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक सामर्थ्य रही है और हमने मासिक पेमेंट पर केंद्रित भारत का पहला हेल्थ इंश्योरेंस मार्केटप्लेस (बाज़ार) बनाकर इसे हल कर लिया है। हमारा मानना है कि इससे यूजरों पर बहुत गहरा असर पड़ेगा और वे बहुत कम वित्तीय बोझ के साथ मासिक सब्सक्रिप्शन का पेमेंट करने में सक्षम होंगे।

फोनपे इंश्योरेंस ब्रोकिंग सर्विसेज फोनपे प्राइवेट लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और रेजिस्टर सर्टिफिकेट नंबर 766 (10/08/24 तक वैध) के तहत डायरेक्ट ब्रोकर (लाइफ और जनरल) के रूप में आइआरडीएआइ के साथ पंजीकृत है।

होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया ने सीहोर में आयोजित किया सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान

सीहोर, एजेंसी। भारत में सुरक्षित राइडिंग की आदतों के निर्माण की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने सीहोर (मध्य प्रदेश) में अपने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान को आगे बढ़ाया। सड़क सुरक्षा होण्डा के लिए विश्वस्तरीय प्राथमिकता है। आईईएस पब्लिक स्कूल, सीहोर में आयोजित इस तीन दिवसीय कैम्प में 3200 से अधिक स्कूली छात्रों एवं स्टाफके सदस्यों ने हिस्सा लिया और सुरक्षित राइडिंग के गुर सीखे। एचएमएसआई के रोड सेफ्टी इंस्ट्रक्टर्स ने प्रतिभागियों की उम्र को ध्यान में रखते हुए उचित सड़क सुरक्षा लर्निंग प्रोग्राम के माध्यम से सभी को सड़क सुरक्षा के बारे में जागरुक बनाया। दुर्घटनामुक्त भारत के निर्माण के लिए एचएमएसआई की प्रतिबद्धता के बारे में बात करते हुए श्री विनय ढींगरा- सीनियर डायरेक्टर, एचआर, एडमिन, आईटी एण्ड कॉर्पोरेट अफ़ेयर्स, होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया ने कहा, ''सड़क सुरक्षा शिक्षा, सड़क सुरक्षा की मानसिकता विकसित करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। एचएमएसआई देश भर में सड़क का इस्तेमाल करने वालों को ज़िम्मेदार बनाने के लिए सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान का आयोजन करती रही है। इस अभियान के माध्यम से हमारा लक्ष्य नए एवं भावी राइडरों में सड़क सुरक्षा की सही आदतें विकसित करना है, साथ ही हम उन्हें सड़क सुरक्षा का महत्व समझाना चाहते हैं।''

स्टील सेक्टर में जिंदल स्टेनलेस का बड़ा दांव, जेयूएसएल में खरीदी पूरी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की प्रमुख स्टील कंपनियों में से एक जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड ने आज स्टील सेक्टर में बड़ा दांव खेला। कंपनी ने जिंदल यूनाइटेड स्टील लिमिटेड का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। इससे पहले जेएसएल के पास जेयूएसएल में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। जेएसएल ने अब 958 करोड़ रुपये नकद राशि के सौदे के आधार पर जेयूएसएल की शेष 74 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर लिया है। इसके बाद जेयूएसएल अब जेएसएल की 100 प्रतिशत स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बन गई है। जेयूएसएल 16 लाख टन की सालाना क्षमता वाले हॉट स्ट्रिप मिल (एचएसएम) और 2 लाख टन सालाना की क्षमता वाले कोल्ड रोलिंग मिल (सीआरएम) का परिचालन करती है। साथ ही ओडिशा स्थित जाजपुर प्लाटं में चल रही क्षमता

विस्तार परियोजना पूरी हो जाने पर कंपनी की कुल क्षमता बढ़कर 32 लाख टन सालाना हो जाएगी।

जेएसएल के एमडी अभ्युदय जिंदल ने कहा कि स्टेनलेस स्टील के संबंध में स्ट्रॉन्ग आउटलुक को देखते हुए कंपनी को बोर्ड ने स्टेनलेस स्टील मैन्यूफैक्चरिंग से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण इकाइयों को एकीकृत परिचालन के तहत मिलाने का फैसला किया है। इस अधिग्रहण से दोनों कंपनियों के बीच बेहतर तालमेल होगा और संचालन का बेहतर ढांचा तैयार होगा। इससे सभी सम्बद्ध पक्षों के लिए वैल्यू में ग्रोथ होगी। जेएसएल के बोर्ड और सदस्यों ने इस हस्तांतरण को पहले ही मंजूरी दे दी थी। जिंदल स्टेनलेस की सालाना मेल्टिंग क्षमता 29 लाख टन है और सालाना कारोबार 35,700 करोड़ रुपये का है। कंपनी के भारत में दो विनिर्माण परिसर हैं, जो ओडिशा और हरियाणा राज्य में हैं। साथ ही कंपनी का एक विनिर्माण संयंत्र इंडोनेशिया में है। यह यूनिट दक्षिण-पूर्व एशिया और आसपास के क्षेत्रों के बाज़ारों में उत्पादों की आपूर्ति करती है। जिंदल स्टेनलेस का विश्वव्यापी नेटवर्क है जो 15 देशों में फैला है और स्पेन में एक सेवा केंद्र भी है। भारत में कंपनी के 10 बिक्री कार्यालय और छह सेवा केंद्र हैं।

अमेज़ॅन मिनीटीवी द्वारा दिल को छूने वाली हाफ सीए नामक एक नई सीरीज का ट्रेलर जारी किया

मुंबई, एजेंसी। अमेज़ॅन की मुफ्त वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा युवाओं के लिए एक विशेष पेशकश लाने के लिए तैयार है - जिसका नाम है हाफ सीए। दुनिया की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक यानी चार्टर्ड अकाउंटेंसी को क्रैक करने के लिए युवाओं को जिन कठिनाइयों ,जटिलताओं और बारीकियों का सामना करना पड़ता है इसे दर्शाया गया है। इस सीरीज की घोषणा के बाद वित्त और छात्र समुदाय में पहले से ही जिज्ञासा भर गई थी। टीवीएफ द्वारा निर्मित, इस ट्रेलर में सीए बनने के लिए इच्छुक छात्रों की तड़प को दर्शकों से रूबरू कराया गया है। यह श्रृंखला सीए उम्मीदवारों के करियर की शुरुआत से लेकर फाइनल तक के अनुभवों को दर्शाती है, साथ ही परीक्षा की तैयारी के दौरान खुद के अस्तित्व संबंधी दुविधाओं से निपटने के लिए होने वाली जद्दोज़हद का भी वर्णन करती है। हाफ सीए में अहसास चन्ना, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, प्रीत कमानी, अनमोल कजानी और रोहन जोशी प्रमुख भूमिकाए निभा रहे हैं। यह दिलचस्प कहानी 26 जुलाई से अमेज़ॅन मिनीटीवी पर स्ट्रीम होने वाला है।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने अर्द्ध-वार्षिक, तिमाही और जून में अभी तक का सर्वश्रेष्ठप्रदर्शन किया

मुंबई, एजेंसी। बीएमडब्ल्य ग्रुप इंडिया ने 2023 में तीनों ब्रैंड्स - बीएमडब्ल्यए मिनी और बीएमडब्ल्यमोटोराड - के लिए अपना अभी तक का सर्वश्रेष्ठ अर्द्ध-वार्षिक, तिमाही और जून माह का प्रदर्शन किया है। पहले 6 महीने में

5867 कारों (बीएमडब्ल्यू और मिनी) तथा 4667 मोटरसाइकलों (बीएमडब्ल्यू मोटोराड) की बिक्री हुई है। बीएमडब्ल्यकी 5476 यूनिट्स और मिनी की 391 यूनिट्स बिकीं। विक्रम पावाह, प्रेसिडेंट, बीएमडब्ल्य ग्रुप इंडिया ने कहा कि, ग्राहक हमारे सभी कार्यों के केन्द्र में होते हैं। बीएमडब्ल्यग्रुप इंडिया श्रेणी में अग्रणी आराम, कार्यप्रदर्शन तथा सुन्दरता के साथ लग्जरी को पुनर्परिभाषित कर रहा है। अभी तक के उच्चतम अर्द्ध-वार्षिक, तिमाही और जून की उपलब्धि कंपनी के महत्वपूर्ण कदमों का परिणाम है। चाहे शीयर ड्राइविंग के आनंद का आकर्षण हो या सस्टेनेबल मोबिलिटी हो, इस साल लॉन्च किया गया प्रत्येक उत्पाद बेहद आकर्षण और जबर्दस्त माँग में है। सबसे बढ़कर, हमारे ब्रैंड्स का अत्यन्त भावनात्मक, डिजिटल अनुभव हमें सबसे अलग करता है। जॉय टाउन और द हाउस ऑफफॉर्वर्डिज्म जैसे विशिष्ट अनुभवों ने मौजूदा ग्राहकों के साथ हमारे संबंध को मजबूत किया है और नए ग्राहकों को हमारे करीब लाया है। हमें इस उपलब्धि पर खुशी है और हम भावी सफलता की बुनियाद मजबूत करते रहेंगे। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के सबसे विविध इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो - बीएमडब्ल्यप7ए बीएमडब्ल्यू पए बीएमडब्ल्यू प4 और मिनी् म् की बदौलत इलेक्ट्रिक लग्जरी सेगमेंट में कंपनी की प्रमुखता जारी है।

अमेजन प्राइम डे 2023 बना भारत में अब तक का सबसे बड़ा प्राइम डे इवेंट

मुंबई, एजेंसी। अमेजन इंडिया ने घोषणा की है कि प्राइम डे का 7वां संस्करण अब तक का सबसे बड़ा प्राइम डे इवेंट साबित हुआ है। 15-16 जुलाई को प्राइम डे 2023 ने प्राइम मैंबर्स को शानदार डील्स, नए लॉन्च और ब्लॉक बस्टर मनोरंजन के माध्यम से इस मौके का भरपूर आनंद उठाने में मदद की है। इस प्राइम डे पर हजारों विक्रेता, ब्रांड और बैंक भागीदार प्राइम मैंबर्स को लगभग 300 करोड़ रुपये की बड़ी बचत की पेशकश करने के लिए एक साथ आए थे। प्राइम मैंबर्स ने इस प्राइम डे पर सबसे तेज़ डिलीवरी का आनंद लिया। इस दौरान ग्राहकों को एक ही दिन में सबसे अधिक डिलीवरी प्राप्त हुई। महानगरों में 3 में से 1 ऑर्डर प्राइम डे ख़त्म होने से पहले डिलीवर किया गया था, और अधिकांश टियर 1 और 2 शहरों में 2 में से 1 ऑर्डर दो दिनों से भी कम समय में डिलीवर किया गया था। इस प्राइम डे इवेंट में प्राइम मेंबरशिप में जोरदार वृद्धि देखी गई और पिछले साल के प्राइम डे इवेंट की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक सदस्यों ने खरीदारी की। शॉपिंग इवेंट की

सफलता के बारे में बात करते हुए, अक्षय साही, डायरेक्टर, प्राइम एवं डिलीवरी एक्सपीरियंस, अमेजन इंडिया, ने कहा, मैं अपने विक्रेताओं, ब्रांड भागीदारों और प्राइम सदस्यों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने इस प्राइम डे को भारत में अब तक का सबसे बड़ा ईवेंट बनाने में मदद की। सभी श्रेणियों के ब्रांडों और विक्रेताओं को पूरे भारत के महानगरों और टियर 2 और 3 शहरों और कस्बों के प्राइम मैंबर्स से शानदार रिस्पॉन्स मिला है। इस प्राइम डे पर सबसे बड़े प्रोडक्ट और ब्रांड लॉन्च, साल की सबसे बड़ी डील के साथ, हमने पिछले प्राइम डे इवेंट की तुलना में एक ही दिन में सबसे ज्यादा डिलीवरी भी की हैं। इस ईवेंट के दौरान प्राइम मैंबर्स ने वनप्लस, रियलमी नार्ज़ोविथ, सैमसंग, मोटोरोला, बोट, सोनी, एलन सोली, लाइफस्टाइल, टाइटन, फॉसिल, प्यूमा, टाटा, डाबर जैसे 400 से अधिक टॉप भारतीय और वैश्विक ब्रांडों द्वारा लॉन्च किए गए 45,000 से अधिक नए उत्पादों से खरीदारी की; और छोटे और मध्यम भारतीय व्यवसायों से 2000 से अधिक नए उत्पाद लॉन्च हुए। भारत के 98 प्रतिशत पिन कोड के प्राइम सदस्यों ने प्रमुख ब्रांडों से फ्रंट लोड वॉशिंग मशीन, हेडफोन, परिधान, जूते, लक्जरी सौंदर्य उत्पाद, स्मार्टफोन, शिशु उत्पाद आदि की खरीदारी की। ईवेंट के दौरान एक दिन में खिलौनों की अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की और औसतन 1.8 खिलौने/सेकेंड की बिक्री की, घरेलू उपकरणों और मिक्सर ग्राइंडर, वॉटर प्यूरीफायर और वॉटर हीटर जैसे रसोई उत्पादों पर सबसे अधिक बिक्री हुई और अमेजन फ्रेश पर प्राइम डे के दौरान 600 से अधिक ब्रांडों की बिक्री 2 गुना बढ़ गई।

डिज़्नी+ हॉटस्टार स्वागत करता है मार्वल स्टूडियोज़ के गार्डियंस ऑफ़ द गैलेक्सी वॉल्यूम 3 का

मुंबई, एजेंसी। डिज़्नी+ हॉटस्टार ने घोषणा की है कि मार्वल स्टूडियोज़ का गार्डियंस ऑफ़ गैलेक्सी वॉल्यूम 3, 2 अगस्त से डिज़्नी+ हॉटस्टार पर स्ट्रीम होना शुरू होगा। इसलिए इंग्लिश, हिन्दी, तमिल, तेलुगू, और मलयालम में स्ट्रीमिंग शुरू होने के साथ अपने पसंदीदा हीरोज़ का स्वागत करने की तैयारी कर लीजिए। मार्वल स्टूडियोज़ के गार्डियंस ऑफ़ गैलेक्सी वॉल्यूम 3 में हीरोज़ का दल नोव्हेयर में नयी ज़िंदगी में ढल रहा है। लेकिन जल्द ही रॉकेट के अशांत अतीत की गूंज उनके जीवन में उथल-पुथल मचाने वाली है। पीटर क्विल गामोरा के नुक़सान से उबर नहीं पाया है, पर उसे अपनी टीम को अपने साथ रॉकेट का जीवन बचाने के ख़तरनाक मिशन पर लामबंद करना होगा। यह ऐसा मिशन है, जो अगर सफल नहीं हुआ तो गार्जियंस का अंत हो सकता है। इस फ़िल्म में क्रिस प्रैट, जो सलडाना, डेव बौटिस्ता, करेन गिल्लन, पॉम क्लीमेंटिफ मुख्य भूमिकाओं में हैं। विन डीजल ग्रूट और ब्रैडली कूपर रॉकेट के किरदार में हैं। सीन गन, चुकवुडी इवूजी, विल पोल्टर और मारिया बकलोवा भी इसमें मुख्य भूमिकाएँ निभा रहे हैं।

एफटीएक्स ने अपने संस्थापक व पूर्व अधिकारियों के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा, एक अरब डॉलर का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। एफटीएक्स ट्रेडिंग ने शुक्रवार को क्रिप्टोक्यूरेंसी एक्सचेंज के संस्थापक सैम बैंकमैन-फ्राइड और अन्य पूर्व अधिकारियों पर मुकदमा दायर किया, जिसमें एफटीएक्स के दिवालिया होने से पहले कथित तौर पर दुरुपयोग किए गए 1 अरब डॉलर से अधिक की भरपाई करने की मांग की गई है। डेलावेयर दिवालियापन अदालत में दायर शिकायत में प्रतिवादी के रूप में कैरोलीन एलिसन का भी नाम है, जिन्होंने बैंकमैन-फ्राइड के अलामेडा रिसर्च हेज फंड का नेतृत्व किया था। इनके अलावे पूर्व एफटीएक्स प्रौद्योगिकी प्रमुख ज़िज़ियाओ गैरी वांग और एफटीएक्स के पूर्व इंजीनियरिंग निदेशक निषाद सिंह के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है।

सीआरपी के बाद अब सैमको सिक्योरिटीज का माई ट्रेड स्टोरी ऐप बना व्यापारियों का मजबूत साथी

मुंबई , एजेंसी। भारत के मुख्य ऑनलाइन स्टॉकब्रोकर सैमको सिक्योरिटीज ने ट्रेड स्प्रेडशीट और एनालिटिक्स जैसे नए टूल के साथ पेश किया है माई ट्रेड स्टोरी फीचर। इसके जरिए सैमको सिक्योरिटीज कारोबारियों के लिए अपनी ट्रेडिंग रणनीतियों का विश्लेषण और सुधार करने के तरीके में क्रांति लाने का प्रयास कर रही है। यह मार्केट में बेहतर परफॉर्मेंस के लिए व्यक्तिगत मार्गदर्शन के साथ और भी कई फायदे देता है।

सैमको सिक्योरिटीज सीआरपी (कैपिटल रिसोर्स प्लानिंग) ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माई ट्रेड स्टोरी सेगमेंट में उपलब्ध ट्रेड स्प्रेडशीट व्यक्तिगत स्तर पर व्यापक व्यापार-संबंधित आंकड़े और खास नजरिया देता है। व्यापारी अपनी पोजिशन, पी एंड एल एनालिटिक्स, व्यापार में खरीद–बेचान से जुड़े हर चरण, प्रमुख तकनीकी संकेतक के अलावा कई पहलुओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। सीआरपी व्यापारियों को कठिन चुनौतियों पर काबू पाने और उनके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता करने के लिए रियल टाइम मार्केट डेटा, तकनीकी विश्लेषण उपकरण, स्टॉप-लॉस ऑर्डर, मार्जिन ट्रेडिंग और शैक्षिक संसाधनों सहित उद्योग में अपनी तरह की पहली सुविधाओं की एक पूरी रेंज देता है। सैमको ग्रुप के सीईओ जिमीत मोदी ने कहा, उन्नत एनालिटिक्स के साथ ट्रेड स्प्रेडशीट फीचर व्यापारियों के लिए गेम-चेंजर साबित होगा क्योंकि यह उन्हें बिजनेस–लेवल की इनसाइट और व्यापक एनालिटिक्स तक अभूतपूर्व पहुंच प्रदान करता है।

टीआरआई के रीजनल रूरल कोलोक्वि में नए तरह के गाँव बनाने के परिवर्तनकारी विजन को सामने रखा गया

भोपाल, एजेंसी। ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया (टीआरआई) द्वारा आयोजित इंडिया रूरल कोलोक्वि का तीसरा संस्करण, रांची और भोपाल में दो क्षेत्रीय कार्यक्रमों के साथ, हियरिंग वॉयसेस ऑन ग्राउंड ङ्क एट द शार्प एंड ऑफ चेंज द्वारा लॉन्च किया गया। भोपाल संस्करण 18 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय मंडेला दिवस के शुभ अवसर पर भोपाल में अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ गुड गवर्नेंस एंड पॉलिसी एनालिसिस (एआईजीजीपीए) में आयोजित किया गया।

जैक कैलिस को पीछे छोड़

कोहली सबसे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाने वाले 5वें बैटर बने

रोहित शर्मा के बतौर ओपनर सबसे तेज 2 हजार रन

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जा रहा है। यह दोनों टीमों के बीच 100वां टेस्ट भी है। अपना 500वां इंटरनेशनल मुकाबला खेल रहे कोहली 87 रन बनाकर नॉट आउट लौटे। वह इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 5वें बैटर बन गए। उन्होंने जैक कैलिस को पीछे छोड़ा। कोहली के अलावा युवा यशस्वी जायसवाल और भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने पहले दिन एक-एक रिकॉर्ड बनाया।

इंटरनेशनल क्रिकेट के टॉप-5 स्कोरर में शामिल हुए विराट

विराट कोहली दूसरे टेस्ट के पहले दिन 87 रन बनाकर नॉट आउट रहे। इस पारी के साथ उनके इंटरनेशनल क्रिकेट में 25,548 रन पूरे हो गए हैं। वह इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स में 5वें नंबर पर पहुंच गए। उन्होंने साउथ अफ्रीका के दिग्गज ऑलराउंडर जैक कैलिस को पीछे छोड़ा। कैलिस के नाम 519 मैच में 25,534 रन हैं। कोहली से आगे चौथे नंबर पर श्रीलंका के महेला जयवर्धने हैं, उनके नाम 652 मैच में 25,957 रन हैं। सचिन तेंदुलकर के नाम सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है, उन्होंने 34,357 रन बनाए हैं।

रोहित के बतौर ओपनर 2 हजार टेस्ट रन पूरे, भारतीयों में सबसे तेज

रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट में बतौर ओपनर 2 हजार रन पूरे हो गए। वह 40 पारियों में ही इस मुकाम तक पहुंच गए। सबसे कम पारियों में ऐसा करने वाले भारतीय ओपनर्स में रोहित ने राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग की बराबरी की। दोनों ही बैटर्स ने 40-40 पारियों में ओपनिंग करते हुए 2000 रन पूरे किए थे।

500 इंटरनेशनल मैच खेलने वाले 10वें खिलाड़ी बने कोहली

भारत के बैटर विराट कोहली ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मैच शुरू होते ही अनोखा मुकाम हासिल किया। वह तीनों फॉर्मेट मिलाकर 500 इंटरनेशनल मैच खेलने वाले दुनिया के 10वें खिलाड़ी बने। कोहली ने 111 टेस्ट के अलावा 274 वनडे और 115 टी-20 भी खेले हैं। विराट से पहले 6 बैटर्स और 3 ऑलराउंडर्स ही 500 से ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेल सके।

शुरुआती 2 पारियों में भारत के तीसरे टॉप स्कोरर बने यशस्वी

युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल टेस्ट की शुरुआती दो पारियों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों में तीसरे नंबर पर पहुंच गए। उन्होंने पहले टेस्ट में 171 रन बनाए थे और अब दूसरी पारी में 57 रन बनाकर आउट हुए। इस तरह उनके शुरुआती 2 पारियों में 228 रन हो गए। शुरुआती 2 पारियों में यशस्वी से ज्यादा रन भारत से सौरव गांगुली (267 रन) और रोहित शर्मा (288 रन) ही बना सके। इस मामले में यशस्वी ने शिखर धवन (210 रन), पृथ्वी शॉ (204 रन), सुरेश रैना (182 रन) और राहुल द्रविड़ (179 रन) को पीछे छोड़ा।

रोते हुए कोर्ट से बाहर गई ग्रैंड स्लैम विजेता झांग

विपक्षी खिलाड़ी और दर्शकों ने मजाक उड़ाया, झांग शुआई ने मैच बीच में ही छोड़ा

बुडापेस्ट (एजेंसी)। बुडापेस्ट ओपन में दो बार की डबल्स ग्रैंड स्लैम विजेता चीन की झांग शुआई रोते हुए कोर्ट से बाहर गईं। हंगरी की अमरिसा कियारा टोथ के खिलाफ मैच में वे अंपायर के एक फैसले से नाराज नजर आईं। झांग ने फैसले को चुनौती दी, लेकिन फैसला झांग के खिलाफ ही गया। जिसके बाद उन्होंने टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। वह रोते हुए कोर्ट से बाहर चलीं गईं। दर्शकों के ट्रोल करने से झांग इतना दुखी हुईं कि वे रोते-रोते कोर्ट से बाहर चली गईं।

चीनी खिलाड़ी ने बार-बार फैसला बदलने का अनुरोध किया

झांग शुआई और अमरिसा कियारा टोथ के बीच बुडापेस्ट ओपन का मैच खेला जा रहा था। पहला सेट 5-5 की बराबरी पर था। तभी चीनी स्टार ने क्रॉस कोर्ट पर फोर हैंड शॉट मारा। गेंद साइड लाइन के करीब गिरी, जिसे अंपायर ने आउट करार दिया। झांग शुआई ने इसका विरोध किया। चेयर अंपायर ने नजदीक जाकर देखा, लेकिन फैसले को नहीं बदला। चीनी खिलाड़ी ने फैसले को बदलने का बार-बार अनुरोध किया।

विपक्षी खिलाड़ी ने गेंद के निशान को ही मिटा दिया

उसी दौरान अमरिसा कियारा ने आकर लाइन के निशान को ही मिटा दिया। झांग रूको-रूको चिल्लाती रही और कहती रहीं कि निशान को मत मिटाओ। झांग कोर्ट छोड़ने से पहले कुछ क्षण के लिए कोर्ट के किनारे अपनी कुर्सी पर बैठकर रोती रही और अपना सिर हिलाती रही। झांग शुआई ने टूर्नामेंट के सुपरवाइजर से भी बातचीत की, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ।

दर्शकों ने भी झांग का उड़ाया मजाक

फैसले के बाद दर्शक भी झांग का मजाक उड़ाने लगे। उस दौरान कियारा टोथ भी हंसने लगीं। जिसके बाद झांग शुआई ने बीच मैच में ही टूर्नामेंट से हटने का फैसला ले लिया, कोर्ट से बाहर जाते हुए झांग इतना दुखी हुईं कि उनकी आंखों से आंसू गिरने लगे।

झांग शुआई डबल्स में दो ग्रैंड स्लैम जीत चुकी हैं

झांग शुआई डबल्स इवेंट में दो ग्रैंड स्लैम जीत चुकी हैं। उन्होंने 2019 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2021 में स्ओपन जीता। वे विमेंस सिंगल्स में साल 2016 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और विम्बलडन के क्वार्टर फाइनल तक भी पहुंच चुकी हैं।

महिला विश्व कप

स्पेन ने कोस्टा रिका को 3-0 से हराया

वेलिंगटन (एजेंसी)। स्पेन ने पहले हाफ में चार मिनट के अंदर तीन गोल करके महिला फुटबॉल विश्व कप मुकाबले में कोस्टा रिका पर 3-0 से जीत हासिल की। स्पेन की दो बार की 'बलोन डि ओर' विजेता एलेक्सिस पुतेलास 77वें मिनट में मैदान में उतरी लेकिन तब तक टीम की जीत सुनिश्चित हो चुकी थी। स्पेन ने वालेरिया डे कैम्पो के 21वें मिनट में आत्मघाती गोल की मदद से बढ़त हासिल की। फिर ऐताना बोनमाटी ने 23वें और ईस्थर गोंजालेज ने 27वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को 3-0 से आगे कर दिया और यह बढ़त अंत तक बरकरार रही।

जय शाह ने एशिया कप कार्यक्रम की घोषणा की, पीसीबी हुआ नाराज

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बीसीसीआई सचिव और एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष जय शाह द्वारा आगामी एशिया कप का कार्यक्रम इस सप्ताह लाहौर में आधिकारिक समारोह से पहले जारी किए जाने पर नाराजगी जताई है। पीसीबी ने एशिया कप की ट्रॉफी के अनावरण और कार्यक्रम की घोषणा के लिए लाहौर में एक समारोह का आयोजन किया था। इसमें पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटरों और जाका अशरफ की अध्यक्षता वाली क्रिकेट प्रबंधन समिति के सदस्यों को शिरकत करनी थी। समारोह से आधा घंटा पहले ही जय शाह ने सोशल मीडिया पर कार्यक्रम का ऐलान कर दिया। बोर्ड के एक सूत्र ने कहा, 'पीसीबी ने एसीसी से कहा था कि वह लाहौर में समारोह की शुरूआत के पांच मिनट के भीतर एशिया कप के कार्यक्रम का ऐलान करेगा लेकिन सात बजकर 15 मिनट पर होने वाले समारोह से आधा घंटे पहले जय शाह ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा कर दी। सूत्र ने कहा कि इससे पीसीबी के समारोह का महत्व ही खत्म हो गया। उन्होंने कहा कि पीसीबी ने एसीसी को नाराजगी जताई है लेकिन उसे बताया गया कि यह एक गलतफहमी की वजह से हुआ। सूत्र ने कहा, 'एसीसी ने कहा कि समय के फर्क के कारण यह गलतफहमी हुई लेकिन भारत का समय पाकिस्तान से आधा घंटे आगे है तो जय शाह द्वारा घोषणा किया जाना हैरानी भरा था। एशिया कप 30 अगस्त से शुरू होगा जिसमें पाकिस्तान को मुल्तान में पहले मैच में नेपाल से खेलना है।

विनेश-बजरंग को एशियाड ट्रायल में छूट का मामला हाई कोर्ट पहुंचा, आज होगा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया को एशियाई खेलों के लिये चयन ट्रायल से मिली छूट को चुनौती देने वाली याचिका पर 22 जुलाई को फैसला सुनाया जाएगा। न्यायाधीश सुब्रहमण्यम प्रसाद ने अंडर 20 विश्व चैम्पियन अंतिम पंघाल और अंडर 23 एशियाई चैम्पियन सुजीत कलकल की याचिका पर शुक्रवार को फैसला सुरक्षित रखा। उन्होंने कार्यवाही के दौरान कहा, 'अदालत का काम यह पता लगाना नहीं है कि कौन बेहतर है। हमारा काम यह सुनिश्चित करना है कि प्रक्रिया का पालन हुआ या नहीं। फोगाट (53 किलो) और पूनिया (65 किलो) को भारतीय ओलंपिक संघ की तदर्थ समिति ने मंगलवार को एशियाई खेलों में सीधे प्रवेश देने का फैसला किया। दूसरे पहलवानों के लिये ट्रायल 22 और 23 जुलाई को होने हैं। पंघाल और कलकल ने इस फैसले को चुनौती दी है। एडवोकेट रिषिकेश बरूआ और अक्षय कुमार द्वारा दाखिल याचिका में उन्होंने तदर्थ समिति के इस फैसले को रद्द करने की मांग की है। बरूआ ने इस फैसले को कई आधार पर चुनौती दी जिसमें अगस्त 2022 में खिलाड़ियों को चयन ट्रायल से छूट देने का प्रावधान वापिस लेने का भारतीय कुश्ती महासंघ की आमसभा का फैसला भी एक आधार है। तदर्थ समिति के वकील ने हालांकि कहा कि इस तरह का कोई फैसला फाइल में नहीं है। अदालत ने उन्हें इसके पक्ष में हलफनामा जमा करने को कहा। अदालत ने बृहस्पतिवार को डब्ल्यूएफआई का कामकाज देख रही तदर्थ समिति से फोगाट और पूनिया को चयन ट्रायल से छूट देने के कारण बताने को कहा था।

बजरंग-विनेश को छूट आईओए के लिए बनी मुसीबत, कई जूनियर पहलवानों और कोचों का मुख्यालय पर प्रदर्शन

हरियाणा के हिसार में विरोध प्रदर्शन करने के एक दिन बाद कई जूनियर पहलवान, उनके माता-पिता और कोच गुरुवार को यहां भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के मुख्यालय पहुंचे और एशियाई खेलों के ट्रायल से विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया को दी गई छूट वापस लेने की मांग की। पहलवानों के परिजनों सहित लगभग 150 लोग आईओए की अध्यक्ष पीटी ऊषा और तदर्थ पैनल के प्रमुख भूपेंद्र सिंह बाजवा से मिलने की मांग कर रहे हैं। उदीयमान खिलाड़ी अंतिम पंघाल के कोच विकास भारद्वाज ने कहा, 'हम सभी आईओए के शीर्ष अधिकारियों से मिलना चाहते हैं। हम किसी भी तरह के पक्षपातपूर्ण फैसले को स्वीकार नहीं करेंगे। यह गलत है। हम यहां पैनल से यह आग्रह करने आए हैं कि वह बजरंग और विनेश को दी गई छूट वापस ले। मौजूदा अंडर-20 विश्व चैंपियन पंघाल और अंडर 23 एशियाई चैंपियन सुजीत कलकल ने तदर्थ समिति के फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए इसे अनुचित और अन्यायपूर्ण करार दिया था और दावा किया था कि अगर ट्रायल्स में उनका मुकाबला बजरंग और विनेश से होता है तो वे उन्हें हराने में सक्षम हैं। ये दोनों हालांकि प्रदर्शन करने के लिए ओलंपिक भवन नहीं पहुंचे थे। बाजवा की अगुवाई वाले आईओए के तदर्थ पैनल में मंगलवार को ट्रायल के मानदंड घोषित करते हुए कहा था कि सभी भार वर्गों में ट्रायल्स होंगे लेकिन उन्होंने पुरुषों के फ्रीस्टाइल 65 किग्रा और महिलाओं के 53 किग्रा भार वर्ग में पहले ही पहलवानों का चयन कर लिया है।

एशिया कप शेड्यूल पर बांग्लादेश बोर्ड ने निराशा जताई

● कहा- ट्रैवलिंग ज्यादा करना पड़ेगा, टीम 4 दिन में 2 अलग देशों में खेलेगी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने एशिया कप 2023 के शेड्यूल पर निराशा जताई है। बीसीबी ने गुरुवार को कहा, अत्यधिक यात्रा का असर आगामी एशिया कप पर पड़ेगा। टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में खेला जा रहा है। ऐसे में बांग्लादेश लीग स्टेज का पहला मैच 31 अगस्त को श्रीलंका के खिलाफ श्रीलंका में खेलेगा। वहीं मैच 3 सितंबर को अफगानिस्तान के खिलाफ लाहौर में खेलेगा। अगर टीम सुपर-4 में पहुंचती है तो उसे फिर श्रीलंका जाना होगा।

तैयारी करना मानसिक रूप से तनावपूर्ण होता

बीसीबी क्रिकेट ऑपरेशन के अध्यक्ष जलाल यूनुस ने बुधवार को शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में मीडिया से कहा, हम कुछ नहीं कर सकते हैं, क्योंकि यह एसीसी का फैसला है। यात्रा को आरामदायक बनाने के लिए एसीसी अधिकारियों ने टीमों को चार्टर्ड प्लेन में यात्रा कराने का फैसला किया है। उन्होंने आगे कहा, यदि आप हवाई यात्रा कर रहे हैं तो आपको 2 घंटे पहले जाना होगा। इन सभी चीजों की तैयारी करना मानसिक रूप से तनावपूर्ण होता है। पीसीबी एशिया कप के तैयारी के लिए 31 जुलाई से कैम्प शुरू करने वाली है।

फ्लडलाइट्स ने जिम-एफ्रो टी-10 लीग का ओपनिंग मैच रोका

● समय पर इंस्टॉल नहीं हुईं लाइट्स ● इरफान, श्रीसंथ और उथप्पा जैसे खिलाड़ी लीग का हिस्सा

हरारे (एजेंसी)। जिम्बाब्वे में फ्लडलाइट्स नहीं लग पाने के कारण जिम-एफ्रो टी-10 लीग का ओपनिंग मुकाबला नहीं खेला जा सका। मुकाबला हरारे हरिकेंस और बुलवायो ब्रेव्स के बीच होना था, इसमें रॉबिन उथप्पा, श्रीसंथ और इरफान पठान जैसे कई दिग्गज खिलाड़ी हिस्सा लेने वाले थे। उथप्पा तो हरिकेंस टीम के कप्तान हैं, इस टीम में ऑएन मॉर्गन और मोहम्मद नबी जैसे प्लेयर्स भी हैं। ओपनिंग मैच गुरुवार रात 8:30 बजे (भारतीय समयानुसार) से हरारे में होना था, लेकिन फ्लडलाइट्स टाइम पर नहीं लग सकी, जिस कारण मैच शुक्रवार तक पोस्टपोन किया गया। अब मैच आज शाम 6:30 बजे से खेला जाएगा।

जिम्बाब्वे बोर्ड ने वेबसाइट पर बताया

जिम्बाब्वे क्रिकेट एसोसिएशन ने अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर लिखा कि जिम एफ्रो टी-10 टूर्नामेंट की ओपनिंग सेरेमनी को एक दिन के लिए टाला गया है। यह मैच गुरुवार की जगह शुक्रवार को होगा।

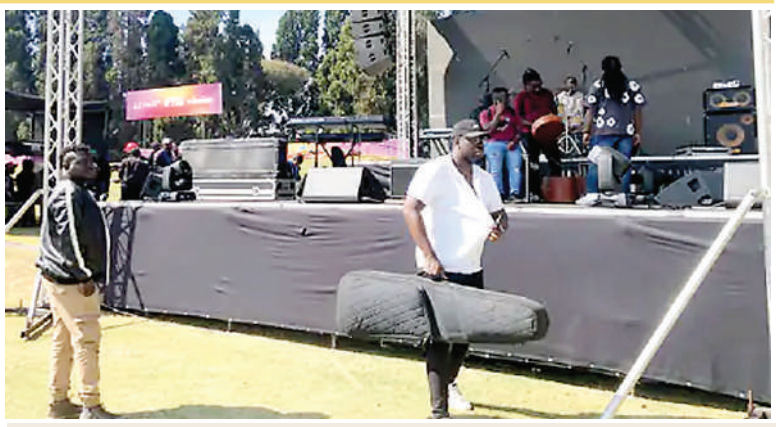

● **पहली बार लग रही थी फ्लडलाइट्स** - जिम्बाब्वे के किसी भी स्टेडियम में फ्लडलाइट्स नहीं लगे हैं। इसी कारण वहां के ज्यादातर मैच डे फॉर्मेट में ही होते हैं, यहां वनडे वर्ल्ड कप क्वालिफायर के सभी मैच में भी डे-फॉर्मेट में ही हुए। हरारे के हरारे स्पोर्ट्स क्लब मैदान में टी-10 टूर्नामेंट के लिए पहली बार फ्लडलाइट्स इंस्टॉल की जा रही थी। लेकिन उसे भी समय पर पूरा नहीं किया जा सका। जिम्बाब्वे के एक पत्रकार ने फ्लड लाइट्स इंस्टॉल किए जाने की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कीं। लेकिन समय पर फ्लडलाइट्स नहीं लग पाने के कारण ओपनिंग मैच पोस्टपोन करना पड़ गया।

अग्रवाल, पडीक्कल और पांडे की लगेगी बोली, 14 अगस्त से शुरू होगा टूर्नामेंट

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के बड़े खिलाड़ी जैसे मयंक अग्रवाल, देवदत्त पडीक्कल और मनीष पांडे उन 700 क्रिकेटरों में शामिल हैं जिनमें से छह टीमें महाराजा ट्रॉफी केएससीए टी20 से पहले शनिवार को यहां होने वाली नीलामी में खिलाड़ियों को चुनेंगी।

इस साल का टूर्नामेंट 14 से 30 अगस्त तक एक ही स्थल एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जायेगा। मेंगलुरु ड्रैगन्स और शिवामोग्गा लायंस दो टीमों को टूर्नामेंट में शामिल किया गया है जिससे प्रतिभागी टीमों की संख्या छह तक पहुंच गयी है। इसमें गत चैम्पियन गुलबर्गा मिस्टिक्स, उप विजेता बेंगलुरु ब्लास्टर्स, मैसुरू वारियर्स और हुबली टाइगर्स पहले से खेल रही थीं। प्रत्येक फ्रेंचाइजी के पास 50 लाख रुपये की राशि होगी और उन्हें कम से कम 16 खिलाड़ियों को खरीदना होगा और टीम 18 से ज्यादा खिलाड़ियों की नहीं होगी। चार वर्ग ए, बी, सी और डी में खिलाड़ियों को बांटा गया है।

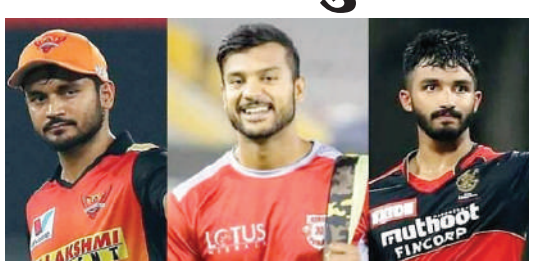

कर्टनी वॉल्श ने कोहली को लेकर दिया बड़ा बयान

'मैं उन्हें सचिन के पीछे ही रखूंगा'

केपटाउन (एजेंसी)। विंडीज क्रिकेट टीम के पूर्व महान खिलाड़ी कर्टनी वॉल्श ने विराट कोहली को लेकर बड़ा बयान दिया है। विंडीज के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच कोहली के करियर का 500वां अंतरराष्ट्रीय मैच है। इसी के साथ कोहली सचिन तेंदुलकर, एमएस धोनी और राहुल द्रविड़ के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे भारतीय और दुनिया के दसवें खिलाड़ी बन गए हैं। ऐसे में कोहली को लेकर वॉल्श ने कोहली की तारीफ में बयान दिया है।

दरअसल, कर्टनी वॉल्श ने कोहली की तुलना सचिन और जावेद मियांदाद से की है। उनका मानना है कि कोहली निश्चित रूप से टॉप-5 महान क्रिकेटरों में से एक हैं। लेकिन वॉल्श ने कोहली को रैकिंग में सचिन के बाद रखा है। जियोसिनेमा पर बात करते हुए कर्टनी वॉल्श ने कहा, 'मैं कोहली को सचिन के ठीक बाद दर्जा दूंगा। मैंने जितने महान खिलाड़ियों को देखा है और जिनके खिलाफ खेला है उनमें से सचिन एक हैं। ब्रायन लारा, विवियन रिचर्ड्स हैं। मैं इन्हें वेस्ट इंडियन दृष्टिकोण से रखूंगा। रिकी पोंटिंग और स्टीव वॉ, जब मैं छोटा था तो मैंने दो जेंटलमैन का किरदार निभाया था।' उन्होंने आगे कहा, 'इंग्लैंड के ग्राहम गूच और जावेद मियांदाद भी हैं, जिनके खिलाफ मैंने शायद उतने मैच नहीं खेले, लेकिन उन्होंने अपने विकेटों की जो कीमत लगाई, उसने मुझे कोहली की भी याद दिला दी। वह जल्दी आउट होना नहीं चाहते, इसलिए मैं निश्चित रूप से उन्हें अपने टॉप-4, टॉप-5 महान क्रिकेटरों में रखूंगा जिन्हें मैंने देखा है।'

महिला आयोग ने मणिपुर की दरिंदगी से मुंह फेरा? न्यूड परेड की शिकायत पर नहीं दिया जवाब

नईदिल्ली, एजेंसी।
मणिपुर में दो महिलाओं को नग्न कर परेड कराए जाने की घटना की जानकारी राष्ट्रीय महिला आयोग को दी गई थी, लेकिन इसपर कोई भी कार्रवाई नहीं की गई। हाल ही में प्रकाशित एक मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। हालांकि, अब तक आयोग का किसी अधिकारी की तरफ से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, 12 जून को ही पीड़िताओं के नाम पर किसी अन्य की तरफ से शिकायत दर्ज करा दी गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, शिकायत में कहा गया है, मणिपुर में चल रहे जातीय संघर्ष और मानवता के संकट की ओर हम आपका ध्यान आकर्षित कराना चाहते हैं। हम राष्ट्रीय महिला आयोग से खासतौर पर कुकी-जोमी आदिवासी महिला के साथ मैतेई लोगों की तरफ से की गई यौन हिंसा पर एक्शन लेने और निंदा करने की अपील करते हैं।

खबर है कि एनसीडब्ल्यू में शिकायत दर्ज कराने से पहले भी दो एक्टिविस्ट और नॉर्थ अमेरिकन मणिपुर ट्राइबल एसोसिएशन ने पीड़िताओं से बात की थी। कहा जा रहा है कि उन्हें

एनसीडब्ल्यू की तरफ से कोई जवाब नहीं मिला था। मणिपुर पुलिस ने अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें मुख्य आरोपी हुईरम हीरोदास को भी थोउबल जिले से गिरफ्तार किया गया है। इस घटना से गुस्साई भीड़ ने आरोपी हीरोदास के घर को आग के हवाले कर दिया। वायरल वीडियो में नजर आ रहा था कि सैकड़ों की भीड़ दो महिलाओं को नग्न अवस्था में खेत की ओर ले जा रही थी, जहां एक महिला से कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया। इस मामले पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने घटना पर दुख जताया और केंद्र और राज्य सरकार से रिपोर्ट तलब की है। शीर्ष न्यायालय ने 28 जुलाई को सुनवाई करने का फैसला किया है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मणिपुर को दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया है।

साल 2023 के अंत तक मुस्लिम आबादी 20 करोड़ के पास पहुंच जाएगी

नईदिल्ली, एजेंसी।
भारत में साल 2023 के अंत तक मुस्लिम आबादी 20 करोड़ के पास पहुंच जाएगी। लोकसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की तरफ से यह जानकारी दी गई है। इस दौरान उन्होंने देश में मुसलमानों की साक्षरता और श्रम से जुड़े आंकड़े भी साझा किए हैं। खास बात है कि ताजा आंकड़े बताते हैं कि भारत ने आबादी के लिहाज से दुनिया में पहले स्थान पर पहुंच गया है। तृणमूल कांग्रेस सांसद माला रॉय की तरफ से अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय से संसद में तीन सवाल पूछे गए थे। पहला, क्या मुस्लिम आबादी को लेकर 30 जुलाई 2023 तक का कोई डेटा है?। दूसरा, क्या सरकार के पास पसमांदा मुसलमानों की आबादी

का कोई डेटा है?। तीसरा, 31 जुलाई 2023 तक पसमांदा मुसलमानों की सामाजिक आर्थिक स्थिति की कोई जानकारी है?

मंत्री ईरानी ने बताया, 2011 जनगणना के अनुसार, मुस्लिम आबादी 17.22 करोड़ थी, जो देश की आबादी का 14.2 फीसदी थी। टेक्निकल ग्रुप ऑन पॉप्युलेशन प्रोजेक्शन की जुलाई 2020 की रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में देश की आबादी 138.82 करोड़ होने का अनुमान लगाया गया था। 2011 सेंसस की तरह उसी अनुपात 14.2 फीसदी को लागू करते हुए 2023 में मुस्लिम आबादी 19.75 करोड़ होने का अनुमान लगाया गया है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे की तरफ से 2021-22 में किए गए सर्वे के हवाले से मुस्लिम आबादी की शिक्षा की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 7 साल और उससे ज्यादा आयु के मुसलमानों में साक्षरता दर 77.7 प्रतिशत है। वहीं, हर आयु का लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन रेट 35.1 फीसदी पर है। वर्ल्ड बैंक के अनुसार, लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन रेट का मतलब उस 15 वर्ष और इससे ज्यादा आयु की उस आबादी से है, जो आर्थिक तौर पर सक्रिय है और काम करती है।

10वीं पास बस ड्राइवर बना फर्जी दरोगा, लोगों से करता था अवैध वसूली; तीन साल से झाड़ रहा था वर्दी का रौब

गाजियाबाद एजेंसी।
गाजियाबाद क्राइम ब्रांच ने दिल्ली पुलिस का दरोगा बनकर वसूली करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी दसवीं पास है। वह दिल्ली के सीमावर्ती इलाकों में विवादित संपत्ति, किराएदारों से मकान खाली कराने तथा प्लॉट-मकान से कब्जा हटवाने के नाम पर वसूली करता था। लोनी के एक मामले में दिल्ली पुलिस के दरोगा के अनावश्यक दखल की सूचना पर क्राइम ब्रांच अलर्ट हुई तो फर्जी दरोगा बेनकाब हो गया।

एडीसीपी क्राइम सच्चिदानंद ने बताया कि क्राइम ब्रांच ने लोनी थानाक्षेत्र से थाना खेकड़ा बागपत के गांव गोठरा के रहने वाले योगेश कुमार शर्मा को गिरफ्तार किया है। वह मूलरूप से थाना कोतवाली शामली के गांव कंडेला का रहने वाला है। योगेश दिल्ली पुलिस का दरोगा बनकर लोगों पर रौब गांठता था और वर्दी पहनकर अवैध वसूली करता था। उसके कब्जे से दरोगा की पांच वर्दी, स्टार, शोल्डर बैज, बेल्ट, फर्जी आईकार्ड बरामद हुआ है। एडीसीपी ने बताया कि योगेश कुमार शर्मा फर्जी दरोगा बनकर विवादित जमीनों पर कब्जा कराने और कब्जा हटवाने, किराएदारों से भवन खाली कराने तथा संपत्ति को लेकर होने वाले विवादों में लोगों पर रौब गांठता था और अवैध वसूली करता था।

हरिद्वार में तीन साल भूमिगत रहा योगेश कुमार शर्मा दसवीं पास है। वह दिल्ली में पहले बस चलाता था। बस बंद होने पर उसने कर्जा लेकर अपनी बस बना ली। बस में काफी घाटा होने पर वह कर्ज में डूब गया। लोगों के तगादों से बचने के लिए वह तीन साल के लिए भूमिगत हो गया। इस दौरान वह हरिद्वार के आश्रम में रहा। तीन साल बाद वह इंदिरापुरम में आकर सहरावत की बस चलाने लगा। योगेश की गलत संगति के चलते उसकी पत्नी ने भी उसे छोड़ दिया, जिसके बाद वह बागपत के गांव गोठरा में रहने लगा। इस दौरान उसने पैसा कमाने के लिए ग्रामीणों को खुद का परिचय दिल्ली पुलिस के दरोगा के रूप में दिया। योगेश सुबह वर्दी पहनकर गांव से निकलता था। एडीसीपी ने बताया कि योगेश कुमार शर्मा करीब तीन वर्षों से दिल्ली पुलिस का दरोगा बनकर अवैध वसूली कर रहा है। उसने दिल्ली में पांच वर्दियां सिलवाई और फर्जी आईकार्ड भी बनवा लिया। इसके अलावा वह सादे कपड़ों में खुद को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर भी लोगों से पैसा ऐंठता था।

प्रदेश की स्थिति यह है कि आज कर्ज को चुकाने के लिए भी कर्ज लेना पड़ रहा है: ओम प्रकाश चौटाला

चंडीगढ़, एजेंसी।
पूर्व मुख्यमंत्री और इनेलो सुप्रीमो चौ. ओम प्रकाश चौटाला ने वीरवार को चंडीगढ़ स्थित इनेलो मुख्यालय में प्रैस वार्ता कर भाजपा गठबंधन सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि जहां भाजपा देश के भाईचारे को खत्म कर रही है वहीं जनता के टैक्स के पैसे अमीरों को लूटा रही है। भाजपा के राज में प्रदेश में विकास के नाम पर एक ईंट भी नहीं लगी हैं, जनता को कोई सुविधाएं नहीं दी जा रही है, तो फिर ये लाखों करोड़ का कर्जा किस बात का है। ये विडंबना है कि आज जो बच्चा पैदा होता है वो लाखों रूपए का कर्जा लेकर पैदा होता है।

इनेलो पार्टी के वर्ष 2004-5 में सत्ता में जाने के समय प्रदेश पर कुल कर्ज की राशि 23,679 करोड़ रूपये थी। कांग्रेस के शासनकाल में यह कर्ज की राशि बढक़र 81,806 करोड़ रूपये हो गई यानि लगभग 350 प्रतिशत बढ़ गई। वर्तमान गठबंधन सरकार में इस वर्ष के बजट में कर्ज की राशि का अनुमान 2.85,885 करोड़ रूपये दिखाया गया है। सम्भावना यह है कि इस वर्ष के अंत तक कर्ज की राशि लगभग 3 लाख करोड़ रूपये तक पहुंच जाएगी। प्रदेश की स्थिति यह हो गई है कि आज कर्ज को चुकाने के लिए भी कर्ज लेना पड़ रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी तीन माताएं हैं जिन्हें हम पूजते हैं। एक जो हमें जन्म देती है और हमारी परवरिश करती है। दूसरी, हमारी धरती माता है जिसके पैदा किए हुए अन्न से देश के लोगों का पेट भरता है और शरीर को बल मिलता है। तीसरी, हमारी गऊ

माता है जिसके दूध और घी के सेवन से हमारे युवा बलिष्ठ और ताकतवर बनते हैं और बार्डर पर देश की रक्षा करते हैं। बेहद दुख की बात है कि भाजपा सरकार ने तीनों माताओं की बेकद्री की हुई है। हमारी माताओं और बहनों को सरेआम अपमानित किया जा रहा है, धरती माता का दोहन किया जा रहा है और गऊशालाओं में गऊ माता भूख से मर रही हैं।

परिवर्तन यात्रा पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अभय सिंह द्वारा की जा रही यात्रा को लोगों को भरपूर सहयोग और समर्थन मिल रहा है। जिस भी गांव से यात्रा निकलती है तो समूचा गांव उस यात्रा में शामिल होता है। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से देश और प्रदेश में बदलाव आएगा, भाजपा गठबंधन के कुशासन का अंत होगा और किसान और कमेरे की पार्टी इनेलो की सरकार बनेगी।

इनेलो सुप्रीमो ने चुनाव लड़ने के प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि चुनाव लडऩे या न लड़ने का फैसला पार्टी करेगी। अगर पार्टी टिकट देगी तो जरूर चुनाव लड़ूंगा। गठबंधन पर पूछे गए सवाल पर कहा कि यह जगजाहिर है कि देश की सभी विपक्षी पार्टियों का एक गठबंधन बनाने बारे सबसे पहले इनेलो ने वर्ष 2022 में पहल की थी जिसके कारण आज यह महागठबंधन बन चुका है।

इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री ने कुछ घोषणाएं भी की जिसमें उन्होंने कहा कि बढ़ती हुई महंगाई को देखते हुए बुढ़ापा सम्मान पेंशन प्रति पात्र व्यक्ति प्रतिमाह 7500 रुपये दी जाएगी। गठबंधन सरकार की गलत नीतियों के कारण जिन बुजुर्गों की पेंशन काटी गई है उनको ब्याज सहित बकाया पेंशन की राशि अदा की जाएगी। प्रत्येक घर में एक युवा को नौकरी/रोजगार दिया जाएगा। जिन पढ़े-लिखे बेरोजगार युवाओं को नौकरी नहीं मिल पाएगी उन्हें प्रतिमाह 21 हजार रूपये बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। प्रत्येक घर में प्रतिमाह एक गैस सिलेंडर निशुल्क दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त गृहिणी को 1100 रूपये प्रतिमाह रसोई के खर्च के लिए दिए जाएंगे। प्रत्येक बीपीएल परिवार को एक 100 वर्गगज के प्लाट पर मकान बनाकर दिया जाएगा। सरकारी कर्मचारियों की पुरानी पेंशन योजना बहाल जाएगी। प्रत्येक गांव में महिलाओं के लिए सत्संग भवन बनवाए जाएंगे। प्रदेश की जनता की परेशानियों को समाप्त करने के लिए सरकार द्वारा जारी सभी प्रकार के पोर्टलों को बंद करके केवल राशन कार्ड के आधार पर सुविधाएं दी जाएंगी। बिजली विभाग द्वारा लगाए गए स्मार्ट मीटरों को हटाकर नये मीटर लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सभी पहलुओं पर गहन विचारविमर्श करने के बाद ही ये घोषणाएं की गई हैं। इसलिए इन सभी घोषणाओं को पूरी करने में पार्टी सक्षम है।

इनेलो सुप्रीमो ने कहा कि उन्होंने बाढग्रस्त इलाकों में दौरा कर अपनी आंखों से देखा है कि लोगों का बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है। लोग भूख और प्यास से मर रहे हैं, दुधारू पशुओं की मौत हो गई है, मकान ढह गए हैं जिसके कारण लोगों का जीना दूभर हो गया है। इतना नुकसान होने के बाद भी भाजपा गठबंधन सरकार लोगों की कोई मदद नहीं कर रही। उन्होंने सरकार से मांग की कि बेमौसमी बारिश और बाढ़ की वजह से किसानों की बर्बाद हुई फसल का मुआवजा सरकार द्वारा 50 हजार रूपये प्रति एकड़ और जिन व्यक्तियों की मौत हुई है उन्हें कम से कम 10 लाख रूपये मुआवजा दिया जाए।

एलजी कार्यालय ने केजरीवाल सरकार पर डिजिटलीकरण प्रक्रिया में पीछे रहने का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के उपराज्यपाल कार्यालय ने गुरुवार को अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप सरकार पर विधानसभा की डिजिटलीकरण प्रक्रिया को लागू नहीं करने का आरोप लगाया। इसमें कहा गया कि दिल्ली विधानसभा देश का एकमात्र सदन है, जिसने अब तक डिजिटलीकरण प्रक्रिया शुरू नहीं की है।

उपराज्यपाल कार्यालय ने कहा, 2015 में महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन (एनईवीए) के लागू होने के आठ साल बाद भी, जिसका उद्देश्य देश भर में विधान सभाओं को डिजिटल बनाना और उन्हें कागज रहित बनाना है, दिल्ली विधान सभा एकमात्र सदन है, जिसने अब तक डिजिटलीकरण प्रक्रिया शुरू नहीं की है।

इसमें कहा गया है कि केंद्र सरकार द्वारा परियोजना के लिए 100 प्रतिशत वित्त पोषण प्रदान करने के बावजूद, दिल्ली में आप सरकार ने 2019 में परियोजना के लिए केंद्र की वित्तीय और तकनीकी सहायता स्वीकार करने से इनकार कर दिया और इसके बजाय 20 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर स्वयं ही एप्लिकेशन विकसित करने का विकल्प चुना। लेकिन साढ़े चार साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद यह परियोजना अभी तक साकार नहीं हो पाई है। संसदीय कार्य मंत्रालय के सचिव ने एलजी सचिवालय को पत्र लिखकर मामले में हस्तक्षेप करने और नेवा परियोजना के तहत पहले से उपलब्ध धन का उपयोग करके परियोजना के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

एल-जी सचिवालय ने मामले में उचित कार्रवाई के लिए जीएनसीटीडी के प्रधान सचिव (कानून, न्याय और विधायी मामलों) को अनुरोध भेज दिया है। यह उल्लेखनीय है कि दिल्ली को छोड़कर देश की सभी 37 विधान सभाओं/परिषदों ने पहले ही सदन के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को लागू या शुरू कर दिया है।

संसदीय कार्य मंत्रालय के सचिव ने इस साल फरवरी में दिल्ली के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर दिल्ली सरकार से प्रोजेक्ट नेवा को अपनाने के लिए कहा था।

भारत सरकार विधानसभा के डिजिटलीकरण के लिए एनईवीए के कार्यान्वयन, रखरखाव, उन्नयन, एप्लिकेशन के अनुकूलन, क्षमता निर्माण, क्लाउड परिनियोजन शुल्क और जीवन के लिए सुरक्षा ऑडिट के शुल्क के लिए केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली को 100 प्रतिशत वित्त पोषण प्रदान कर रही है। मुख्य सचिव को लिखे पत्र में कहा गया है, चूंकि एनईवीए एक प्रक्रिया-आधारित एप्लिकेशन है, इसलिए विधानसभा चलाने की लागत न्यूनतम होगी, और पूरी बचत दिल्ली सरकार को खर्च करने और विधायकों और आम जनता की सुविधा के लिए होगी।

भारत-अमेरिका मिलकर बनाएंगे लंबी दूरी तक वार करने वाली तोप

वॉशिंगटन , एजेंसी। भारत और अमेरिका मिलकर लंबी दूरी तक वार करने वाले हथियार बनाने पर काम कर रहे हैं। इनका इस्तेमाल चीन को काउंटर करने के लिए एलएसी पर किया जाएगा। ये जानकारी अमेरिका के रक्षा मंत्रालय पेंटागन के टॉप अधिकारी एली रैटनर ने दी है। चीन को लेकर अमेरिकी संसद में हो रही एक बैठक के दौरान इंडो-पैसिफिक सिक्योरिटी अफेयर्स के एसिस्टेंट सेक्रेटरी रैटनर ने अमेरिका के इस फैसले को अभूतपूर्व बताया है। उन्होंने कहा- ये फैसला दिखाता है कि बाइडेन प्रशासन इंडो-पैसिफिक में अपने दोस्तों की मदद के लिए तैयार है। रैटनर ने कहा है कि अमेरिका न सिर्फ भारत बल्कि जापान और ऑस्ट्रेलिया की भी दुश्मन पर हमला करने की क्षमता बढ़ाने में मदद कर रहा है। फर्स्टपोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक भारत और अमेरिका के बीच लंबी दूरी तक वार करने वाली तोपें और बख्तरबंद गाड़ियां बनाने का मसौदा पीएम मोदी के अमेरिका दौरे से पहले तैयार हुआ था। रैटनर ने कहा कि पीएम मोदी के अमेरिका दौरे पर हमने मिलकर जेट इंजन बनाने की डील की थी। जबकि हम भारत के साथ लंबी दूरी की तोप और बख्तरबंद गाड़ियां बनाने के प्रपोजल पर भी काम कर रहे हैं। जो चीन बॉर्डर पर भारत की जरूरतें पूरी करने का काम करेंगे। दरअसल, भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और अमेरिका के जैक सुलिवन ने इस साल की शुरुआत में इनिशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी की शुरुआत की थी। यह पहल अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर शुरू की गई है। मई 2022 में टोक्यो में अपनी बैठक के बाद दोनों देशों की सरकारों ने उद्योगों और अकादमिक संस्थानों के बीच टेक्नोलॉजी शेयर करने व रक्षा औद्योगिक साझेदारी बढ़ाने की घोषणा की थी। एस जयशंकर और वांग यी ने आसियान की मीटिंग के तहत पिछले हफ्ते इंडोनेशिया में मुलाकात की थी। इस दौरान एलएसी का मुद्दा भी उठा था। एस जयशंकर ने जहां भारत-चीन बॉर्डर से जुड़े अनसुलझे विवादों का मुद्दा उठाया। वांग यी ने इस पर कहा कि सीमा विवाद को सुलझाने के लिए ऐसे समाधान की जरूरत है जिसे दोनों देश मंजूर कर सकें। उन्होंने यह भी कहा था कि चंद मुद्दों से भारत-चीन के रिश्ते को परिभाषित नहीं किया जा सकता है। एस जयशंकर और वांग यी ने इंडो-पैसिफिक के मुद्दे पर भी चर्चा की।

महामारी ने आदमियों की सोच को बदला

न्यूयॉर्क, एजेंसी।
महिलाओं के अधिकार और जेंडर गैप को लेकर पुरुषों की सोच बदलने लगी है। ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर उन्होंने बात करना शुरू कर दिया है। अमेरिका की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक 69 प्रतिशत अमेरिकी पुरुषों का कहना है कि वे दैनिक कार्यों में सक्रिय रूप से महिलाओं का समर्थन करते हैं। 64 प्रतिशत मानते हैं- पुरुष और महिलाएं लैंगिक समानता पर बात करने के लिए समान रूप से इच्छुक हैं। वहीं, 53 प्रतिशत पुरुषों मानते हैं कि पूरे अमेरिका में वर्कप्लेस के पूर्वाग्रहों को खत्म करने के लिए और ज्यादा कोशिशें की जानी चाहिए। मेल एटीट्यूड्स एंड लर्निंग ऑन इक्वलिटी (मेल) रिपोर्ट में ये नतीजे सामने आए हैं। एक्सपर्ट कहते हैं- यह बदलाव सुखद है कि ज्यादातर पुरुष समीकरण बदलने और जेंडर गैप कम करने की इच्छा दिखा रहे हैं, कारगर तरीके भी अपना रहे हैं। अब तो डेटा से भी यह बात साबित हो रही है। इस स्टडी से संकेत मिलते हैं कि लैंगिक समानता सिर्फ च्महिलाओं का मुद्दाज नहीं है। यह मानव जाति के लिए अहम विषय है। पुरुष न सिर्फ इन चीजों की परवाह करने लगे हैं, बल्कि वे समाधान का हिस्सा भी बनना चाहते हैं। 38 प्रतिशत पुरुष कहते हैं कि वे लैंगिक समानता पर अक्सर चर्चा करते हैं। रिसर्च के दौरान सी-सूट के पुरुषों (एग्जीक्यूटिव्स) से घर के काम साझा करने से लेकर प्रजनन अधिकार जैसे संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा की गई। महामारी के दौरान परिस्थितियां अलग-अलग थीं। पर पुरुष मानते हैं कि माहमारी ने उन्हें सिखाया कि घर और देखभाल से जुड़ी जिम्मेदारियों में उन्हें ज्यादा सक्रिय होना चाहिए। 73 प्रतिशत पुरुषों ने रिप्रोडक्टिव हेल्थ केयर का समर्थन ह्यूमन राइट्स के तौर पर किया। पिता के मामले में तो यह आंकड़ा 83 प्रतिशत तक पहुंच गया। कार्यस्थल पर माहौल में बदलाव को लेकर भी पुरुष सकारात्मक दिखे। उन्होंने ऐसी नीतियों व कोशिशों को महत्व दिया, जिनसे उन्हें घर पर देखभाल के समान मौके मिल सकें। उन्होंने लीडरशिप में लैंगिक समानता पर चर्चा और अनुभव साझा करने को सामान्य बनाने की वकालत की।

अमेरिकी विदेश मंत्री से मिले जिनपिंग

बीजिंग , एजेंसी।
चीन और अमेरिका के विवाद के बीच 100 साल के पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर ने गुरुवार को राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। हेनरी किसिंजर वही अमेरिकी नेता हैं जिन्होंने 1970 के दशक में चीन से बिगड़ते रिश्तों को संभाला था। हालांकि, अभी अमेरिका ने कहा है कि ये किसिंजर की निजी यात्रा है। वो अमेरिका के प्रतिनिधि के तौर पर नहीं गए हैं।

उनके रुतबे के चलते ये कहना गलत नहीं होगा कि वो दोनों देशों के बीच रिश्ते बेहतर करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि हाल में अमेरिका की वित्त मंत्री जेनेट येलेन और क्लाइमेट डिप्लोमैट चीन गए थे, लेकिन शी जिनपिंग ने उनसे मुलाकात नहीं की, जबकि वो किसिंजर से मिले और गेस्ट हाउस में उनका वेलकम भी किया।

किसिंजर से मुलाकात के बाद शी ने कहा कि चीन के लोग कभी अपने पुराने दोस्तों को नहीं भूलते। अमेरिका और चीन के रिश्ते हमेशा हेनरी किसिंजर के नाम से याद रखे जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा है कि वो सही रास्ता अपनाकर अमेरिका के साथ रिश्ते सुधारने के लिए तैयार हैं।

वहीं, किसिंजर ने कहा कि अमेरिका और चीन के रिश्ते दुनिया की शांति और प्रोग्रेस के लिए अहम हैं। एक प्रेस ब्रीफ में चीन ने किसिंजर को एक लीजेंड्री डिप्लोमैट बताया है। किसिंजर ने चीन के टॉप डिप्लोमैट वांग यी और रक्षा मंत्री ली शांगफू से बुधवार को मुलाकात की थी। इस दौरान किसिंजर ने खुद को चीन का अच्छा दोस्त बताया था। उन्होंने यह भी कहा

कि चीन और अमेरिका इस स्थिति में नहीं हैं कि वो एक-दूसरे के साथ दुश्मन जैसा व्यवहार करें। हेनरी किसिंजर से 100 से ज्यादा बार चीन की यात्रा कर चुके हैं। साल 1971 की बात है, जब चीन और अमेरिका के बीच कोई ऑफिशियल राजनयिक संबंध नहीं थे। तब हेनरी किसिंजर ने चीन का सीक्रेट दौरा किया था, ताकि चीन के राष्ट्रपति माओ और अमेरिका के राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के बीच मीटिंग कराई जा सके। इसके अगले ही साल यानी 1972 में माओ और निक्सन की मुलाकात के बाद दोनों देशों के बीच रिश्तों की शुरुआत होती है। यह पहली बार था, जब कोई अमेरिकी राष्ट्रपति चीन के दौरे पर पहुंचा हो। वियतनाम और कोरिया में एक-दूसरे के खिलाफ दो जंग लड़ चुके अमेरिका और चीन के लिए ये फैसला काफी अहम था।

1970 के दशक में 52 साल पहले हेनरी किसिंजर अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे, जबकि रिचर्ड निक्सन राष्ट्रपति। ये वही रिचर्ड निक्सन हैं जिन्होंने बांग्लादेश की जंग के दौरान तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को लेकर अपशब्द कहे थे। एक तरफ जहां निक्सन बड़े मुद्दों पर भारत के अलग स्टैंड को लेकर काफी चिढ़ते थे, वहीं उनका मानना था कि चीन दुनिया की बड़ी आबादी वाला देश है, जिससे अमेरिका के रिश्ते अच्छे होने चाहिए।

हेनरी किसिंजर भी भारत के समर्थक नहीं रहे। इन्हीं के सुझाव पर राष्ट्रपति निक्सन ने 1971 युद्ध में भारत के खिलाफ अमेरिकी नौसेना का सातवां बेड़ा भेजा था।

दिमाग पर होने वाले प्रभाव जानने के लिए रिसर्च शुरू

न्यूयॉर्क, एजेंसी। कोविड महामारी की शुरुआत में, डॉक्टरों का मानना था कि ये वायरस मूल रूप से सांस लेने में दिक्कतें पैदा करता है। लेकिन, हाल ही में किए गए शोधों में पता चला है कि कोविड का मस्तिष्क पर भी प्रभाव पड़ता है। इससे स्वाद, सूंघने और सोचने की क्षमता में कमी से लेकर स्ट्रोक तक हो सकता है। न्यूयॉर्क के अनुसंधान अस्पताल, लैंगोन हेल्थ ने वायरस का दिमाग और नर्वस सिस्टम पर होने वाले प्रभाव को बेहतर तरीके से समझने के लिए जानकारी इकट्ठी करना शुरू कर दिया है। इससे जुड़े प्रोग्राम के डॉयरेक्टर डॉ. शेरोन मेरोपोल का कहना है कि यह जानना महत्वपूर्ण है कि कोविड रोगियों के मस्तिष्क में क्या चल रहा है और उस क्षति को कैसे ठीक किया जाए वहीं, वेंडरबिल्ट यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में मस्तिष्क रोग पर शोध करने वाले डॉ. वेस एली का मानना है कि कोविड लंबे समय में मस्तिष्क की 'सपोर्ट सेल्स' या उन कोशिकाओं पर हमला कर सकता है जिनका काम न्यूरॉन्स द्वारा मस्तिष्क और शरीर को सामान्य रूप से कार्य करने में सक्षम रखने का है। एली का कहना है कि इन सहायक कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने से चेन रिएक्शन शुरू हो सकता है जो मस्तिष्क में टिशू को खत्म कर सकता है।

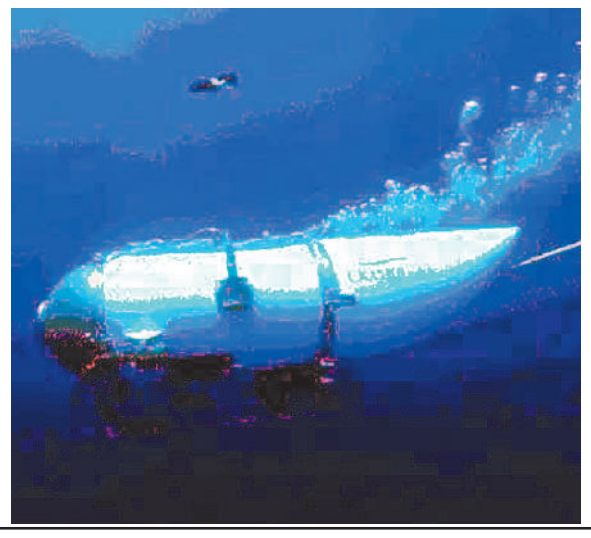

टाइटन सबमरीन अरबपतियों के लिए ट्रैप थी

कैनबरा एजेंसी।
अटलांटिक महासागर में डूबे टाइटैनिक शिप के मलबे को देखने गई टाइटन सबमरीन हादसे का शिकार होकर पानी में डूब गई थी। हादसे में सबमरीन में सवार पांच अरबपतियों की मौत हो गई थी। इसमें टाइटन सबमरीन बनाने वाली कंपनी ओशनगेट के सीईओ स्टॉकटन रश भी शामिल थे।

हादसे के लगभग एक महीने बाद रश के करीबी दोस्त कार्ल स्टेनली ने उनको लेकर कई दावे किए हैं। स्टेनली ने कहा है कि टाइटन सबमरीन अरबपतियों के लिए बनाया गया एक माउस ट्रैप था। रश को पता था कि लोगों को टाइटैनिक का मलबा दिखाने वाली ट्रिप एक दिन खतरनाक साबित हो सकती है। इसके बावजूद उन्होंने सबमरीन बनाने का काम जारी रखा। स्काई न्यूज के मुताबिक कार्ल स्टेनली ने मीडिया हाउस 60 मिनट्स ऑस्ट्रेलिया को ओशेनगेट कंपनी के सीईओ से जुड़ी जानकारी दी है। इंटरव्यू में स्टेनली ने बताया कि उन्होंने रश को टाइटन के ढांचे को लेकर चेताया था। उन्होंने बताया कि टाइटन के ढांचे को एयरोस्पेस ग्रेड कार्बन फाइबर से बनाया गया था जबकि सबमरीन में आमतौर पर स्टील या टाइटेनियम जैसे मैटल का यूज होता है।

स्टेनली ने आरोप लगाया कि स्टॉकटन ने टाइटन के रूप में अरबपतियों को फंसाने का एक ट्रैप डिजाइन किया था। उन्होंने कहा कि वह पहचान हासिल करने के लिए हर संभव कोशिश करने को तैयार था। भले ही इसके लिए उसे लोगों की जान जोखिम में क्यों न डालनी पड़े। स्टेनली ने इंटरव्यू में बताया कि वो 2019 में टेस्ट के दौरान टाइटन की सवारी करने वाले पहले यात्रियों में से एक थे। यात्रा का अनुभव साझा करते हुए उन्होंने बताया- समुद्र की गहराई में जाना वाकई जोखिम भरा काम है। जब मैं वहां गया था तो हर तीन-चार मिनट में गोली चलने जैसे आवाजें सुनाई दे रही थीं। समुद्र के नीचे इस तरह की आवाजें सुनकर डर लगा जाहिर सी बात है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि कार्बन के फाइबर से बनी ट्यूब के फेल होने से ही हादसा हुआ। टाइटन सबमरीन को लेकर सिर्फ कार्ल स्टेनली ही नहीं बल्कि कंपनी के एक पूर्व कर्मचारी ने भी सवाल उठाए थे। सीबीएस की रिपोर्ट के मुताबिक 2018 में कंपनी ने एक कर्मचारी को निकाल दिया था। इसकी वजह ये थी कि उसने पनडुब्बी से जुड़े खतरों की शिकायत प्रशासन को कर दी थी।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129